गैंगस्टर एक्ट और बीएनएस के प्रावधानों में टकराव पर उत्तर प्रदेश से जवाब तलब- 12

सोना 1.66 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर, चांदी 3.7 लाख पर पहुंची - 12

बार-बार झूठ बोलकर आतंकवाद को जायज ठहरा रहा पाकिस्तान - 13

श्रृंखला जीतने के बाद अब भारत की निगाह स्पिनरों के अच्छे प्रदर्शन पर- 14

आज का मौसम
18.0° अधिकतम तापमान
8.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.03
सूर्यास्त 05.47

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष दशमी 04:36 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 28 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 338, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत-ईयू के बीच सबसे बड़ा समझौता, इंपोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110 से घटकर 10% होगा

वैश्विक व्यवस्था को मिलेगी मजबूती, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने बताया 'मदर ऑफ ऑल द डील्स'

- सुरक्षा, रक्षा सहयोग व यूरोप में भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही समेत 13 समझौतों को दिया अंतिम रूप

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ ने ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए। यह अब तक का सबसे बड़ा समझौता है। अब भारत में इंपोर्टेड लग्जरी कारों पर टैरिफ 110 से घटकर 10% हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी व यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने व्यापार एवं रक्षा क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की दिशा में काम करने के लिए एक व्यापक एजेंडा पेश किया।

प्रधानमंत्री ने यूरोपीय संघ के नेताओं उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा की मेजबानी की। इसके बाद दोनों पक्षों ने सुरक्षा व रक्षा सहयोग और यूरोप में भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही से जुड़े दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, भारत और 27 देशों के समूह ने अगले पांच वर्षों के लिए एक संयुक्त व्यापक रणनीतिक एजेंडा पेश किया। एफटीए के लिए वार्ता के समापन सहित कुल 13 समझौतों को अंतिम रूप दिया। व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू होने के बाद से 18 साल लग गए। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर होने में कम से कम छह महीने लग सकते हैं क्योंकि दोनों पक्षों द्वारा इसकी कानूनी जांच-पड़ताल आवश्यक होगी। ईयू-भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मुद्दों के कारण 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। जून 2022 में फिर से बातचीत शुरू की गई। ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार को कहा कि भारत और यूरोप के बीच मदर ऑफ ऑल द डील्स माना जाने वाला समझौता हो गया है। वॉन डेर लेयेन ने कहा, आज यूरोप और भारत इतिहास रच रहे हैं। **(संबंधित कारोबार पेज पर)**

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वॉन एकजुटता दिखाते हुए।

परिधान, रसायन सहित कई घरेलू क्षेत्रों को 27 देशों में शुल्क मुक्त प्रवेश

समझौते के तहत परिधान, रसायन और जूते-चप्पल जैसे कई घरेलू क्षेत्रों को 27 देशों के इस समूह में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। वहीं, यूरोपीय संघ (ईयू) को कार और वाइन के लिए रियायती शुल्क पर भारतीय बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी। वाहन और इस्पात को छोड़कर, भारत के लगभग सभी सामानों (93 प्रतिशत से अधिक) को यूरोपीय संघ में शून्य-शुल्क पहुंच मिलेगी। बाकी छह प्रतिशत से अधिक वस्तुओं के लिए भारतीय निर्यातकों को शुल्क में कटौती और कोटा-आधारित शुल्क रियायतें (जैसे ऑटोमोबाइल के लिए) मिलेंगी। कुल मिलाकर भारत और ईयू वैश्विक जीडीपी में 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार (लगभग 33,000 अरब डॉलर) में एक-तिहाई (लगभग 11,000 अरब डॉलर) का योगदान देते हैं।

ईयू से एफटीए साझा समृद्धि का खाका दुनिया में लाएगा स्थिरता: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता वैश्विक भलाई के लिए साझा समृद्धि का एक खाका है। यह समझौता ऐसे समय में स्थिरता देगा, जब दुनिया व्यवस्था उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। प्रधानमंत्री ने एफटीए की वार्ता संपन्न होने के बाद यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को भी संबोधित किया। मोदी ने कहा, यह केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है। यह भारत के किसानों और छोटे उद्योगों के लिए यूरोपीय बाजार तक पहुंच सुगम बनाएगा, विनिर्माण क्षेत्र में अवसर पैदा करेगा और सेवा क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करेगा। यह एफटीए नवाचार साझेदारी बनाएगा व वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करेगा।

दो अरब लोगों के बाजार के लिए यह सबसे महत्वाकांक्षी समझौता : कोस्टा

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा ने कहा कि भारत-ईयू एफटीए दो अरब लोगों के बाजार के लिए अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी समझौता है। यह शिखर सम्मेलन दुनिया को एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत और यूरोपीय संघ भरोसेमंद भागीदारों के रूप में साथ खड़े हैं। कहा कि हम यूक्रेन में संवाद और कूटनीति के माध्यम से शांति कायम करने में मदद के लिए आप (मोदी) पर भरोसा करते हैं।

भारत ऊर्जा क्षेत्र में अपार अवसरों वाला देश : मोदी

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

- प्रधानमंत्री ने कहा- यहां नवाचार, विकास व निवेश करें सहभागी देश
- ऊर्जा के क्षेत्र में 500 अरब डॉलर के निवेश का अवसर

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत असीम संभावनाओं वाला देश है। हमारे यहां ऊर्जा उत्पादों की मांग तीव्रता के साथ बढ़ रही है। घरेलू मांग के साथ हम वैश्विक मांगों को भी अब पूरा कर रहे हैं। विश्व के शीर्ष पेट्रोलियम उत्पाद निर्यातकों में हमारा देश अग्रणी देशों में शामिल है, अर्थात विश्व में हमारा स्थान चौथा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब ऊर्जा स्वतंत्रता मिशन की ओर तेजी से बढ़ चला है। ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को लेकर हमारे साथ सहभागिता करने वाले देशों के प्रतिनिधियों से आह्वान करता हूं कि वे भारत में नवाचार, विकास और निवेश में सहभागी बनें।

दक्षिण गोवा के बेतूल गांव में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के एडवांस्ड ट्रेनिंग सेंटर में मंगलवार को शुरू हुए भारत ऊर्जा सप्ताह-2026 का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। करीब 125 देशों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उन्होंने उनसे ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश करने की सलाह दी। पीएम ने कहा कि भारत का ऊर्जा क्षेत्र राष्ट्र की आकांक्षाओं की परिधि में है। भारत में 500 अरब डॉलर के निवेश का सुनहरा अवसर है। मोदी ने यह भी कहा कि भारत आज 150 देशों में पेट्रोलियम उत्पाद का सफलतापूर्वक निर्यात कर रहा है। भारत में ऊर्जा क्षेत्र की व्यापकता अत्यधिक। हम समुद्र मंथन मिशन की ओर बढ़ चले हैं। मोदी ने देश में गैस क्षेत्र में निवेश को 100 अरब डॉलर बढ़ाने का संकल्प दोहराया। कहा कि भारत में 170 से अधिक तेल ब्लाक पहले ही आवंटित किए जा चुके हैं। अंडमान एवं निकोबार बेसिन हाइड्रोकार्बन के अगले स्रोत के रूप में उभरा है। भारत विशाल तेल शोधन क्षमता वाला देश है। इस क्षेत्र में हमारा विश्व में दूसरा स्थान है। उम्मीद है तेल शोधन में हम दुनिया में पहला स्थान जल्द ही प्राप्त कर लेंगे। भारत की वर्तमान शोधन क्षमता 260 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष है। भरोसा है कि आगामी दिनों में हम इसे प्रति वर्ष 300 मिलियन मीट्रिक टन से ज्यादा कर लेंगे।

प्राकृतिक गैस की मांग भी अनवरत बढ़ रही

देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों को वर्चुअल संबंधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि तरलीकृत प्राकृतिक गैस की मांग भी अनवरत बढ़ रही है। भारत ने अपनी कुल ऊर्जा मांग का करीब 15 प्रतिशत एलएनजी से ही पूरा करने का लक्ष्य रखा है। हम इस दिशा में सकारात्मक गति से बढ़ रहे हैं। मोदी ने कहा कि भारत परिवहन की दिशा में भी बड़े पैमाने पर कार्य कर रहा है। एलएनजी आधारित परिवहन हेतु आवश्यक जहाजों का निर्माण द्रुतगति से किया जा रहा है। हाल ही में 70 हजार करोड़ रुपये की लागत से जहाज निर्माण कार्यक्रम को देश में बढ़ावा दिया गया है। भारत एलएनजी परिवहन हेतु आवश्यक जहाजों का निर्माण घरेलू स्तर पर कर रहा है। एलएनजी टर्मिनल का कार्य भारतीय बंदरगाहों पर तीव्रता पकड़े है।

ब्रीफ न्यूज

काशीपुर में सड़क हादसे में 3 की मौत

काशीपुर। पैगा पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव बांसखेड़ा खुर्द में सोमवार तड़के कार और डंपर की आमने-सामने की भिड़ंत में शिक्षक और टैक्सी चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एसओ आईटीआई ने बताया कि आरोपी डंपर चालक को हिरासत में ले लिया गया है। (विस्तृत पेज-9)

शटडाउन वापस लिया, लाइनमैन की मौत

अल्मोड़ा। धौलादेवी ब्लॉक के कोटुली गांव में फाल्ट ठीक करते समय बिना पुष्टि किए शटडाउन वापस लेने से करंट की चपेट में आकर लाइनमैन पूरन सिंह की मौत हो गई। इस बड़ी लापरवाही पर अधिशासी अधिकारी कन्हैया मिश्रा ने मामले की जांच वरिष्ठ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर को सौंपी है। (विस्तृत पेज-9)

एनसीसी की रैली को संबोधित करेंगे पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को यहां करियप्पा परेड ग्राउंड में वार्षिक 'एनसीसी पीएम रैली' को संबोधित करेंगे। पीएमओ की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रैली का विषय 'राष्ट्र प्रथम - कर्तव्य निष्ठा युवा' है, जो भारत के युवाओं में कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की भावना को दर्शाता है।

यूसीसी दिवस पर धामी बोले- इसकी घोषणा से लेकर क्रियान्वयन तक गौरव की अनुभूति

- समारोह में सीएम ने कहा- राज्य में सभी को समान अधिकार, महिला सशक्तिकरण का नया युग शुरू

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राजधानी में आयोजित प्रथम 'समान नागरिक संहिता दिवस' को संबोधित करते हुए कहा कि ये उनके लिए निजी तौर पर अत्यंत गर्व का विषय है कि उन्होंने समान नागरिक संहिता को घोषणा से लेकर धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में कुछ समुदायों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण भेदभाव, असमानता और अन्याय की स्थिति बनी हुई थी। यूसीसी लागू होने से न केवल राज्य से सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले हैं बल्कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के नए युग की शुरुआत भी हुई है। अब उत्तराखंड की मुस्लिम बहन-बेटियों को हलाला, इद्दत, बहुविवाह, बाल विवाह और तीन तलाक जैसी कुरीतियों से मुक्ति मिली है। यूसीसी लागू होने के बाद उत्तराखंड में एक भी हलाला या बहुविवाह का मामला सामने नहीं आया। यही कारण है कि मुस्लिम महिलाओं ने इस कानून का स्वागत किया है। कहा कि स्वतंत्रता के पश्चात कई दशकों तक वोट बैंक की राजनीति के कारण, यूसीसी को लागू करने का साहस नहीं दिखाया गया जबकि दुनिया के सभी विकसित और सभ्य देशों सहित प्रमुख मुस्लिम राष्ट्रों में समान नागरिक संहिता पहले से ही लागू है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ की स्थापना के समय से ही कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और यूसीसी को लागू करने का संकल्प लिया था, अब ये संकल्प सिद्धि बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह साबित हुआ है कि मजबूत फैसले देश को तोड़ते नहीं, बल्कि जोड़ते हैं। कुछ लोग जानबूझकर यूसीसी को लेकर भ्रांतियां फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित होकर कभी इसे मूल निवासी तो कभी लिव-इन पंजीकरण को लेकर भ्रम फैलाया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति राज्य का 'मूल निवासी' नहीं बन सकता। इसी तरह लिव-इन संबंध पंजीकरण का प्रावधान बहनों-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए किया गया है। कहा कि, जिस प्रकार से मां गंगा देवभूमि उत्तराखंड से निकलकर पूरे भारत को अभिसिंचित करती है, उसी प्रकार उत्तराखंड से निकलने वाली ये 'समान नागरिक संहिता' की धारा भी देश के दूसरे राज्यों को इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए अवश्य प्रेरित करेगी।

प्रथम यूसीसी दिवस समारोह में फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री धामी।

मुख्यमंत्री बोले- ये हेट स्पीच है तो अच्छा ही है...

सीएम धामी ने कहा कि अभी अमेरिका के एक एनजीओ ने उन्हें हेट स्पीच का जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन यदि धर्मांतरण, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ बोलना हेट स्पीच है तो फिर वो अच्छा ही है।

राज्य में यूसीसी संशोधन अध्यादेश 2026 लागू

देहरादून: उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) उत्तराखंड, 2024 में आवश्यक संशोधनों हेतु समान नागरिक संहिता (संशोधन) अध्यादेश, 2026 को राज्यपाल की स्वीकृति के बाद 26 जनवरी 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। यह अध्यादेश संविधान के अनुच्छेद 213 के अंतर्गत राज्यपाल गुरमीत सिंह द्वारा जारी किया गया है। (संबंधित पेज-2)

यूजीसी बिल और संत के अपमान पर सिटी मजिस्ट्रेट का इस्तीफा, सस्पेंड

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- शासन ने डीएम की रिपोर्ट पर सस्पेंड करने के बाद शामली डीएम ऑफिस से संबद्ध किया

अमृत विचार : माघ मेला में पिछले दिनों शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज व उनके शिष्यों के साथ हुई घटना से आहत होने के साथ यूजीसी बिल के विरोध में गणतंत्र दिवस को उल्लास के साथ मनाकर पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री ने सिटी मजिस्ट्रेट के पद से इस्तीफा दे दिया।

इधर, डीएम की रिपोर्ट पर शासन ने देर रात अलंकार अग्निहोत्री को सस्पेंड करते हुए शामली कलेक्टर कार्यालय से संबद्ध कर दिया। उनके समर्थन में पिछले दो दिनों से कलेक्ट्रेट में लगातार धरना-प्रदर्शन चल रहा है। अलंकार अग्निहोत्री मंगलवार को समर्थकों के साथ धरने पर बैठे। अलंकार अग्निहोत्री ने सोमवार को दोपहर में राज्यपाल, मुख्य निर्वाचन अधिकारी व डीएम को ई-मेल से इस्तीफा भेजने के साथ ही कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय के बोर्ड पर नाम के आगे इस्तीफा लिखा। एडीएम कंपाउंड स्थित सिटी मजिस्ट्रेट के आवास के मुख्य गेट पर बैनर लेकर यूजीसी बिल के विरोध में बिगुल फूंका। सिटी मजिस्ट्रेट के इस्तीफे की खबर सोशल मीडिया पर फैलते ही बरेली से लखनऊ तक प्रशासनिक अफसरों में खलबली मच गयी। शासन-प्रशासन में भूचाल आ गया। इस्तीफे में केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अलंकार अग्निहोत्री 2019 बैच के पीसीएस अफसर हैं। मूलरूप से कानपुर सिटी के रहने वाले पीसीएस अफसर अलंकार का परिवार लखनऊ में रह रहा है। वह यहां एडीएम कंपाउंड स्थित सरकारी आवास पर कुछ दिनों से अकेले रह रहे हैं।

भारी बर्फबारी के बीच फंसे 40 सैनिकों सहित 60 को निकाला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बर्फ से ढंके क्षेत्र में फंसे 'राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट' के 40 जवानों समेत 60 लोगों को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने निकाल लिया।

रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि बीआरओ ने प्रोजेक्ट संपर्क के तहत 10,500 फुट की ऊंचाई पर स्थित चतरगला दर्रे पर बचाव एवं सड़क बहाली अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह दर्रा भद्रवाह-चतरगला मार्ग पर है।

अनूप शुक्ल हत्याकांड में पिता-पुत्र सहित 3 को आजीवन कारावास

सुलतानपुर। पांच वर्ष पुराने अनूप शुक्ल हत्याकांड में अदालत ने दो सगे भाइयों और उनके पिता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय निशा सिंह की अदालत ने मंगलवार को तीनों दोषियों पर 45 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है, जिसमें से आधी धनराशि घायल अमित शुक्ल को क्षतिपूर्ति के रूप में दिए जाने का आदेश दिया गया है। अभियोजन पक्ष से एडीजीसी संदीप सिंह व वादिनी के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा के मुताबिक मामला चांदा थाना क्षेत्र के फरमापुर गांव का है, जहां नौ सितंबर 2020 को दुकान पर सामान लेने गए अनूप शुक्ल से विवाद के बाद हरिश्चंद खरवार और उनके पुत्रों ने जानलेवा हमला किया था।

संसद का बजट सत्र आज से, विपक्ष की वीबी जी राम जी पर चर्चा की मांग सरकार ने ठुकराई

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने कहा- रिवर्स गियर में नहीं जा सकते सत्र पूर्व सरकार ने की सर्वदलीय बैठक

सरकार ने बुधवार से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र के दौरान विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम तथा मतदाता सूची के एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग को मंगलवार को अस्वीकार कर दिया और कहा कि दोनों विषय पर पहले चर्चा हो चुकी है तथा अब हम रिवर्स गियर में नहीं जा सकते।

बजट सत्र से एक दिन पहले सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने इन दोनों विषयों पर चर्चा की मांग उठाई। बैठक के दौरान, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और माकपा सांसद जॉन ब्रिटास सहित कई विपक्षी सदस्यों ने सत्र के लिए सरकारी कामकाज का एजेंडा सामने नहीं रखे जाने पर आपत्ति जताई, जिस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह उचित समय पर किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि विपक्षी सदस्य मतदाता सूचियों के एसआईआर, मनरेगा योजना की जगह लाए गए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ, विदेश नीति के मामले, वायु प्रदूषण, अर्थव्यवस्था की स्थिति, किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं। विपक्ष की मांग पर मंत्री ने कहा, एक बार जब कोई कानून देश के सामने आ जाता है, तो हमें उसका पालन करना होता है।

बैठक में पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ व संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू।

मौसम

पवित्र धामों में हिमपात, मैदान में बारिश से ठिठुरन

प्रदेश में बारिश-बर्फबारी का फिर दौर, स्कूलों में अवकाश

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: पश्चिमी विक्षोभ के असर से पवित्र धामों के साथ उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात जबकि देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर समेत अन्य मैदानी भागों में मंगलवार को बारिश हुई। मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए ऊधमसिंह नगर, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग में आज कक्षा 12 तक के शिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है।

ऊंचाई वाले धामों में सोमवार रात से रुक-रुककर चला हिमपात का क्रम मंगलवार दोपहर बाद फिर से शुरू हो गया। केदारनाथ व बदरीनाथ धाम में तीन से चार इंच बर्फ गिरी। हेमकुंड साहिब के अलावा चमोली के 50 से अधिक गांवों में हिमपात जारी है। पिथौरागढ़ में में भी बर्फबारी शुरू हो चुकी है। विभाग के निदेशक डॉ. सीएस तोमर के अनुसार, विंटर सीजन के इस दूसरे पश्चिमी विक्षोभ का असर उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा और बागेश्वर में अधिक जबकि नैनीताल, चम्पावत और ऊधमसिंह नगर में बुधवार दोपहर तक रहेगा। 30 जनवरी से एक और विक्षोभ सक्रिय होगा जिसका मामूली असर देखने को मिलेगा।

नैनीताल में फिर बर्फबारी का इंतजार

नैनीताल : सरोवर नगरी में रिमझिम बरसात जारी है जबकि नगर की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। बारिश के चलते कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। ठंड से राहत पाने के लिए लोग हीटर व आग का सहारा लेने को मजबूर हैं। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र, नैनीताल के अनुसार अधिकतम तापमान 18 व न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वर्षा 8 मिमी रिकॉर्ड की गई।

पांच जिलों में आज एवलांच का खतरा, अलर्ट

देहरादून : राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी एवं हिमस्खलन की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सभी जनपदों को सतर्क कर दिया गया है। रक्षा भू-सूचना अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) चंडीगढ़ द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार आज शाम 5 बजे तक उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग में एवलांच का ऑरेन्ज अलर्ट जारी किया गया है। पिथौरागढ़ को यलो जबकि बागेश्वर को ग्रीन अलर्ट में रखा गया है।

स्टेट ब्रीफ

उच्च शिक्षा विभाग को मिले 10 प्रयोगशाला सहायक

देहरादून: उच्च शिक्षा विभाग को विज्ञान वर्ग के विभिन्न विषयों के 10 और प्रयोगशाला सहायक मिल गए हैं। राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित इन प्रयोगशाला सहायकों को विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए। डॉ. रावत ने चयनित अभ्यर्थियों से विभागीय कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी से करने की उम्मीद जताई।

पूर्व विधायक को राजकीय सम्मान के साथ विदाई

हरिद्वार: टिहरी और घनसाली से पूर्व विधायक बलवीर सिंह नेगी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को हरिद्वार में खड़खड़ी शमशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से एसडीएम जितेंद्र कुमार एवं सीओ शिशुपाल सिंह नेगी ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए अंतिम विदाई दी। बलवीर सिंह नेगी को उनके पुत्र भानु प्रताप ने मुखाग्नि दी।

यूसीसी सनातन धर्म पर हमला: हरीश रावत

देहरादून: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने का एक वर्ष पूरा होने पर मंगलवार को इसे सनातन धर्म पर हमला बताया। रावत ने यूसीसी पर जारी अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि यूसीसी को लेकर भाजपा चाहे अपनी कितनी भी तारीफ कर ले, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह सनातन धर्म के खिलाफ एक कदम है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास बात करने के लिए कोई पॉजिटिव एजेंडा नहीं है। उत्तराखंड से बढ़ते पलायन, बढ़ती बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दों पर उनके पास कोई जवाब नहीं है।

राजधानी में धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज, परेड ग्राउंड में भव्य परेड, झांकियों ने मन मोह लिया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली।

परेड में सूचना विभाग की 'उत्तराखंड रजत जयंती और शीतकालीन धार्मिक यात्रा व पर्यटन' पर आधारित झांकी प्रथम, संस्कृत शिक्षा विभाग की द्वितीय तथा विद्यालयी शिक्षा विभाग की झांकी तृतीय स्थान पर रही। परेड करने वाली टुकड़ियों में प्रथम स्थान पर सीआरपीएफ, द्वितीय स्थान पर आईटीबीपी और तृतीय स्थान पर 14वीं डोगरा रेजीमेंट आर्मी रहीं। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने विजयी प्रतिभागियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री धामी ने लोकतंत्र सेनानियों, शहीद राज्य आंदोलनकारियों के परिजनों और राज्य आंदोलनकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की धर्मपत्नी गीता धामी, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन सहित कैबिनेट मंत्री, सांसद एवं विधायक मौजूद रहे।

सूचना विभाग की झांकी प्रथम आने पर ट्रॉफी प्रदान करते राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री।

- **राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस एवं अधिकारियों को किया सम्मानित**

इन्हें किया सम्मानित

1-डॉ. नीरज सिंघल, निदेशक पशुपालन विभाग, 2-मस्तू दास, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, 3-अरुण कुमार सिंह, अनुभाग अधिकारी सचिवालय, 4- राकेश सिंह असवाल, समीक्षा अधिकारी सचिवालय उत्तराखंड

मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

समाज के हर वर्ग का हो रहा उत्थान: धामी

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने सभी को संविधान की उद्देशिका की शपथ भी दिलाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य हो रहे हैं। सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए हम सभी को अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सरकार राज्य के समग्र विकास के लिए हर क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी गीता धामी, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में फहराया ध्वज

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाजपा के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, प्रेमचन्द अग्रवाल एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

वंदे मातरम् समर्पण की अभिव्यक्ति

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गणतंत्र दिवस पर गांधी पार्क में सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् अपनी रचना के 150 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर चुका है। वंदे मातरम् कोई सामान्य कविता नहीं है, बल्कि यह मां भारती के प्रति आस्था, समर्पण और कर्तव्यबोध की अभिव्यक्ति है। जब राष्ट्रगीत हजारों कंठों से एक साथ गूंजता है, तो केवल स्वर नहीं मिलते, बल्कि हृदय, विचार और संकल्प भी एक हो जाते हैं। सीएम ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सेना और पुलिस के वीर जवानों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सूचना भवन में शपथ दिलाते डीजी बंशीधर तिवारी और उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी।

संविधान ने कर्तव्यों का भी बोध कराया: तिवारी

संवाददाता, देहरादून

- **सूचना भवन में डीजी सूचना बंशीधर तिवारी ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज**

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस पर सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने सूचना भवन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान के प्रति निष्ठा, एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई।

महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र, संविधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। संविधान ने हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराया है, जिनका ईमानदारी से पालन करना प्रत्येक नागरिक और विशेष रूप से लोकसेवकों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करें तथा संविधान की भावना के अनुरूप राज्य और देश की प्रगति में सक्रिय योगदान दें।

इस अवसर पर सूचना विभाग के अपर निदेशक आशिष त्रिपाठी, उपनिदेशक रवि बिजारनिया, सहायक निदेशक अर्चना सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्य में यूसीसी संशोधन अध्यादेश 2026 लागू

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) उत्तराखंड, 2024 में आवश्यक संशोधनों हेतु समान नागरिक संहिता (संशोधन) अध्यादेश, 2026 को राज्यपाल की स्वीकृति के उपरांत लागू कर दिया गया है।

यह अध्यादेश संविधान के अनुच्छेद 213 के अंतर्गत राज्यपाल गुरमीत सिंह द्वारा जारी किया गया है तथा यह 26 जनवरी 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। अध्यादेश के माध्यम से संहिता के विभिन्न प्रावधानों में प्रक्रियात्मक, प्रशासनिक एवं दंडात्मक सुधार किए गए हैं, जिससे समान नागरिक संहिता के प्रभावी, पारदर्शी एवं सुचारु क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके।

इन संशोधनों का उद्देश्य समान नागरिक संहिता के प्रावधानों को अधिक स्पष्ट, प्रभावी एवं व्यावहारिक बनाना, प्रशासनिक दक्षता को सुदृढ़ करना तथा नागरिकों के अधिकारों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

अब बीएनएसएस व बीएनएस में दंडात्मक प्रावधान

इस संशोधित अध्यादेश के प्रमुख बिंदुओं में आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के स्थान पर अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 तथा दंडात्मक प्रावधानों के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 को लागू किया गया है।

अपर सचिव सक्षम प्राधिकारी

धारा 12 के अंतर्गत सचिव के स्थान पर अपर सचिव को सक्षम प्राधिकारी नामित किया गया है। उप-पंजीयक द्वारा निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही न किए जाने की स्थिति में प्रकरण स्वत: पंजीयक एवं पंजीयक जनरल को अग्रेषित किए जाने का प्रावधान किया गया है। उप-पंजीयक पर लगाए गए दंड के विरुद्ध अपील का अधिकार प्रदान किया गया है तथा दंड की वसूली भू-राजस्व की भांति किए जाने का प्रावधान जोड़ा गया है।

विवाह, लिव-इन में यह प्रावधान

विवाह के समय पहचान से संबंधित गलत प्रस्तुति को विवाह निरस्तीकरण का आधार बनाया गया है। विवाह एवं लिव-इन संबंधों में बल, दबाव, धोखाधड़ी अथवा विधि-विरुद्ध कृत्यों के लिए कठोर दंडात्मक प्रावधान सुनिश्चित किए गए हैं। लिव-इन संबंध की समाप्ति पर पंजीयक द्वारा समाप्ति प्रमाण पत्र जारी किए जाने का प्रावधान किया गया है। अनुसूची-2 में 'विधवा' शब्द के स्थान पर 'जीवनसाथी' शब्द का प्रतिस्थापन किया गया है। विवाह, तलाक, लिव-इन संबंध एवं उत्तराधिकार से संबंधित पंजीकरण को निरस्त करने की शक्ति पंजीयक जनरल को प्रदान की गई है।

अस्तित्व व देवत्व से समझौता नहीं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- **राज्य में प्रथम समान नागरिक संहिता दिवस पर दिया सीएम पुष्कर सिंह धामी ने संबोधन**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि वह राज्य के मूल अस्तित्व और देवत्व के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे चाहे उन्हें 'नफरती भाषण' देने वाला ही क्यों न माना जाए।

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने की पहली वर्षगांठ के मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका के एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने नफरती भाषण देने वालों की सूची में उनका नाम पहले नंबर पर शामिल किया है। यूसीसी की वर्षगांठ 'यूसीसी दिवस' के रूप में मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि वह इस एनजीओ के बारे में अच्छी तरह से नहीं जानते और ऐसा देखकर बहुत आश्चर्यचकित हुए क्योंकि उन्होंने कभी किसी से 'नफरत' नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा, पता चला कि जबरन धर्मांतरण नहीं होने देने, दंगा रोकने का कानून बनाने, लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद के खिलाफ बोलने, अतिक्रमण हटाने, प्रदेश के मूल अस्तित्व और देवत्व को समाप्त नहीं होने देने, प्रदेश की जनसांख्यिकी को नुकसान नहीं होने देने, सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखने की उनकी बातों को एनजीओ ने 'हेट स्पीच' माना है।

धामी ने कहा, 'हम अपने बच्चों को किसी भी कीमत पर असुरक्षित उत्तराखंड नहीं देना चाहते। उन्हें कोई भय या संदेह नहीं देना चाहते। हम विरासत में उन्हें सुरक्षित उत्तराखंड देना चाहते हैं। हम उन्हें खतरों का उत्तराखंड नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि यह उनका, पूरे प्रदेश का तथा दुनिया में देवभूमि को जानने वाले एवं सनातन को मानने वाले सभी लोगों का संकल्प है। धामी ने कहा कि, यूसीसी किसी धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं है बल्कि ये तो समाज की कुप्रथाओं को मिटाकर सभी नागरिकों में समानता से 'समरसता' स्थापित करने का एक कानूनी प्रयास है। इस कानून के माध्यम से किसी भी धर्म की मूल मान्यताओं और प्रथाओं को नहीं बदला गया है, केवल कुप्रथाओं को दूर किया गया है। यूसीसी में सभी धर्मों के लोगों के लिए विवाह, विवाह-विच्छेद एवं उत्तराधिकार आदि से संबंधित नियमों को एक समान किया गया है। संपत्ति के बंटवारे और बाल अधिकारों के विषय में भी स्पष्ट कानून बनाए गए हैं।

राज्य सूचना विभाग की झांकी ने लगाई हैट्रिक

संवाददाता, देहरादून

- **देहरादून में गणतंत्र दिवस की परेड ने फिर पाया प्रथम स्थान**

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस पर परेड ग्राउंड में राज्यस्तरीय समारोह में सूचना विभाग की झांकी ने लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त कर हैट्रिक लगायी है। रजत जयंती एवं शीतकालीन धार्मिक यात्रा व पर्यटन पर आधारित झांकी में राज्य के पच्चीस वर्षों की विकास यात्रा के साथ ही तीर्थाटन एवं पर्यटन विकास से जुड़े पहलुओं को दिखाया गया।

झांकी के प्रथम भाग में गंगा मन्दिर, मुखवा को प्रदर्शित किया गया। अग्रिम केबिन में उत्तराखंड गठन के 25 गौरवशाली वर्ष प्रदर्शित किए गए, जो राज्य की विकास यात्रा, सांस्कृतिक पहचान और निरंतर प्रगति को दर्शाते हैं। ट्रेलर भाग में उत्तराखंड को आयुर्वेद के अग्रणी राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो राज्य की औषधीय पौधों एवं जड़ी-बूटियों की प्राचीन चिकित्सा पद्धति को रेखांकित करती है। ट्रेलर के द्वितीय खंड में उत्तराखंड की होम स्टे योजना को दर्शाया गया। इसके बाद झांकी में खरसाली स्थित यमुना मन्दिर को प्रदर्शित किया गया, जो मां यमुना का शीतकालीन धाम है। झांकी के अंतिम भाग में उठते हुए स्तंभों (पिलर्स) के माध्यम से उत्तराखंड की वर्ष-दर-वर्ष प्रगति को दर्शाया गया, जो राज्य के सतत विकास का प्रतीक है। झांकी के पार्श्व भाग में उत्तराखंड में लागू किए गए नये कानूनों को प्रदर्शित किया गया, जो राज्य की कानून व्यवस्था एवं सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पृष्ठभूमि में की गई ऐंपण कला की सजावट, उत्तराखंड की पारंपरिक लोक कला को आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ती है।

नयना मंदिर में जूते पहनने का वीडियो वायरल

नैनीताल: मां नयना देवी मंदिर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें एक मुस्लिम परिवार के मंदिर परिसर में जूते पहने नजर आने पर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। मंदिर समिति अध्यक्ष राजीव लोचन शाह ने स्पष्ट किया कि मंदिर में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर कोई रोक नहीं है, लेकिन सभी को मंदिर के नियमों और परंपराओं का पालन करना चाहिए। वहीं, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी सुरेश मेलकानी ने कहा कि संबंधित मुस्लिम परिवार भ्रमवश बोट स्टैंड की ओर से मंदिर परिसर में प्रवेश कर गया। कुछ लोगों ने वीडियो को गलत संदर्भ में प्रसारित किया है। इसकी कोतवाली में शिकायत की गई है।

गणतंत्र दिवस संविधान के मूल्य सशक्त बनाने का संकल्प: सिंह

देहरादून: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोक भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

राज्यपाल ने भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित सभी संविधान निर्माताओं को नमन करते हुए लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव रखने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने देश की स्वतंत्रता हेतु बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, वीर शहीदों तथा सीमाओं एवं तटों पर तैनात सशस्त्र बलों के जवानों को नमन किया। राज्यपाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें अपने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत 2047', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विश्व गुरु भारत' के संकल्प को साकार करने में सभी नागरिकों की सहभागिता पर बल दिया।

राज्यपाल ने कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने हेतु एआई एवं आधुनिक तकनीकों का सकारात्मक उपयोग राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक है। उन्होंने उत्तराखंड की नारी शक्ति और युवाओं द्वारा नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ एकता और अखंडता बनाए रखने का आह्वान करते हुए सभी प्रदेशवासियों को देश की प्रगति में सक्रिय योगदान देने की अपील की।

सिटी ब्रीफ

डॉ. कुलदीप बने वैज्ञानिक समीक्षा समिति के सदस्य

हल्द्वानी : उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. कुलदीप मर्तोलिया को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) की वैज्ञानिक समीक्षा समिति (एसआरसी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति देशभर में स्वास्थ्य अनुसंधान, नीति निर्माण तथा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की वैज्ञानिक समीक्षा और मूल्यांकन का महत्वपूर्ण कार्य करती है। समिति के सदस्य सचिव के रूप में एनएचएसआरसी की सलाहकार डॉ. नेहा दुम्का को नामित किया गया है। डॉ. मर्तोलिया वर्तमान में उत्तराखंड नेशनल हेल्थ मिशन में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर कार्यरत हैं।

रिटायर्ड होमगार्ड का बेटा कॉम्प्लेक्स में मृत मिला

हल्द्वानी : टीपीनगर पुलिस चौकी क्षेत्र स्थित एक कॉम्प्लेक्स से पुलिस को शव बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतक की शिनाख्त भोलानाथ गार्डेन निवासी मनोज वर्मा (42 वर्ष) पुत्र राम अवतार के रूप में हुई है। 26 जनवरी की शाम डायल 112 से मिली सूचना पर पुलिस ने सतवाल पेट्रोल पंप के पास निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स से शव बरामद किया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मनोज की मां शकुंतला वर्मा होमगार्ड से सेवानिवृत्त हैं। परिजनों का कहना है कि मनोज लंबे समय से घर से अलग बड़ी मंडी में इधर-उधर ही रहता और काम करता था।

स्लाटर हाउस से चाकू के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने स्लाटर हाउस से चाकू के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक 26 जनवरी को कांस्टेबल सुनील कुमार, दिलशाद अहमद और महबूब अली ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दुर्गा मंदिर वाली गली, इंद्रानगर बनभूलपुरा निवासी मोबीन पुत्र जलील अहमद बताया। बताया कि अपना खर्चा चलाने के लिए लोगों को चाकू दिखाकर पैसे आदि छीनता हूं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

बिजली की आंख-मिचौली से शहर के लोग परेशान

हल्द्वानी : मंगलवार सुबह से ही शहर के तिकोनिया, आवास विकास, रामपुर रोड और गौलापार जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बिजली की आंख-मिचौली जारी रही। अचानक बिजली कटने से ऑनलाइन काम करने वाले युवाओं, व्यापारियों और गृहणियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं आईटीआई परिसर में निर्माणाधीन नए बिजली घर में चल रहे कार्यों के कारण जर्ज फार्म क्षेत्र की आपूर्ति सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक पूरी तरह बंद रही।

गणतंत्र दिवस पर खूब बिकी शराब

हल्द्वानी : राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर ड्राई-डे के बावजूद जमकर शराब बिकी। किसी ने भोजनालय की आड़ में शराब बेची तो किसी ने आबकारी और पुलिस को चुनौती देते हुए शराब ठेके के बाहर से ही शराब बेची। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस के मुताबिक, 26 जनवरी को मंडी पुलिस चौकी प्रभारी प्रेम विश्वकर्मा ने टीम के साथ गोरापड़ाव स्थित नवीन भोजनालय में छापेमारी की। तलाशी में भोजनालय के काउंटर से पुलिस को बीयर की 12 केन और 50 टेट्रा पैक देसी शराब बरामद की। पुलिस ने भोजनालय के मालिक भजनपुरा नॉर्थ ईस्ट दिल्ली निवासी विनोद कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

वसूली: ठेकेदार धनंजय गिरी की प्रेम सिनेमा के पास स्थित संपत्ति 1.16 करोड़ में नीलाम

ब्रिडकुल की तीन करोड़ की आरसी के एवज में तहसील प्रशासन ने की कार्रवाई, पांच बोलीदाता रहे मौजूद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने ब्रिडकुल की तीन करोड़ की वसूली के लिए ठेकेदार धनंजय गिरी की नैनीताल रोड पर प्रेम सिनेमा के सामने स्थित संपत्ति की 1.16 करोड़ रुपये में नीलामी हुई। अब उक्त भवन का विक्रय पत्र जारी करने के लिए एसडीएम को भेज दिया गया है।

तहसील प्रशासन के अनुसार, ठेकेदार धनंजय गिरी की ब्रिडकुल की ओर से (ब्रिज, रोपवे, टनल और अन्य अवसंरचना विकास निगम उत्तराखंड लिमिटेड) की ओर से तीन करोड़ रुपये की वसूली के लिए तहसील को लिखा था। इसके बाद तहसील प्रशासन ने ठेकेदार धनंजय को नोटिस दिए लेकिन हाजिर नहीं हुआ। इसके बाद तहसील प्रशासन ने ठेकेदार धनंजय गिरी की एसडीएम कोर्ट के सामने वर्कशॉप लेन की तरफ जाने वाली सड़क पर प्रेम सिनेमा के सामने की संपत्ति अर्द्ध निर्मित भवन को अटैच किया था। इसमें कुल 0.030 हेक्टेयर भूमि थी। इसकी सरकारी कीमत 1.02 करोड़ रुपये आंकी गई।

मंगलवार को तहसीलदार कुलदीप पांडेय की कोर्ट में उक्त संपत्ति की नीलामी हुई। नीलामी में 10-11 ने टोकन लिए थे लेकिन सिर्फ पांच बोलीदाता ही नीलामी के दौरान उपस्थित हुए। इनमें सर्वोच्च बोलीदाता ने 1.16 करोड़ रुपये कीमत लगाई। तीसरे व फाइनल राउंड में सर्वोच्च बोलीदाता के नाम पर नीलामी कर दी गई। अब तहसीलदार ने उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र जारी करने के लिए हल्द्वानी एसडीएम राहुल शाह को पत्र लिखा है।

एसडीएम से विक्रय पत्र जारी होने के बाद नीलामी की प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। इसके अलावा 2.84 करोड़ की रकम की वसूली के लिए धनंजय की अन्य संपत्तियों की भी प्रशासन द्वारा तलाश की जा रही है।

ठेकेदार धनंजय गिरी की नैनीताल रोड के पास स्थित इसी संपति की हुई नीलामी।

जिस संपत्ति की हुई नीलामी, उसमें में किया है फर्जीवाड़ा

तहसील प्रशासन ने जिस संपत्ति की नीलामी की है उस संपत्ति में बेसमेंट खुदान को लेकर धनंजय गिरी सुर्खियों में आया था। फिर उसने उक्त कॉम्पलेक्स की एक ही दुकान कईयों को बेच दी जिसका खुलासा खरीदारों के सामने आने के बाद हुआ। इसमें पुलिस ने धनंजय गिरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके अलावा यह भी चर्चा है कि उक्त संपत्ति को बैंक में बंधक बना गया और फिर दुकानें भी बेच दी गईं।

नीलामी की रकम को लेकर तरह-तरह की खुसर फुसर

ठेकेदार धनंजय गिरी की नैनीताल रोड स्थित संपत्ति की नीलामी 1.16 करोड़ में होने के बाद तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। शहर के बीचोबीच एसडीएम कोर्ट के सामने वर्कशॉप लेन को जोड़ने वाली सड़क व नैनीताल हाईवे से महज 10-20 मीटर की दूरी पर बनी इस कॉम्पलेक्स का इतनी कम कीमत मिलना चर्चाओं का विषय रहा। विशेषज्ञों की मानें तो बाजार मूल्य में इसकी कीमत न्यूनतम चार से पांच करोड़ निकलती है हालांकि सरकारी में महज 1.02 करोड़ ही आंकी गई।

> ठेकेदार धनंजय गिरी की प्रेम सिनेमा के सामने वाली संपत्ति की 1.16 करोड़ में नीलामी हो गई है। ब्रिडकुल की ओर से तीन करोड़ की वसूली के एवज में यह कार्रवाई की गई है। इसकी पत्रावली एसडीएम को भेज दी गई है, उनकी ओर से विक्रय पत्र जारी होने के बाद ही नीलामी पूरी मानी जाएगी।
> **-कुलदीप पांडेय,** तहसीलदार हल्द्वानी

... तो इसलिए ब्रिडकुल का हुआ बकाया

ब्रिडकुल अधिकारियों के अनुसार, 7-8 वर्ष पूर्व ब्रिडकुल ने नेपाल बॉर्डर से सटे चम्पावत में चल्थी पर एक फ्लाईओवर/ओवर ब्रिज की निविदा निकाली थी यह निविदा धनंजय गिरी को मिली थी। बताया जा रहा है कि धनंजय गिरी ने उक्त काम को पूरा नहीं किया। निविदा की शर्तों के उल्लंघन पर ब्रिडकुल ने इन पर तीन करोड़ की वसूली का नोटिस दिया था।

हल्द्वानी में मंगलवार को दोपहर बाद रिमझिम बारिश हुई। • अमृत विचार

नैनीताल में बारिश से बढ़ी ठंड, बर्फबारी की संभावना

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः मंगलवार को दोपहर बाद नगर में बारिश से तापमान में गिरावट आ गई। शहर और आसपास के इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ने से जनजीवन प्रभावित हो गया। सैलानियों की आवाजाही भी कम नजर आई और मॉल रोड, नैनी झील किनारे व स्नो व्यू जैसे स्थानों पर सन्नाटा पसरा रहा।

मंगलवार दोपहर बाद रुक-रुक कर बारिश जारी रही। बारिश के कारण अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, मौसम खराब होने से पर्यटकों की संख्या में कमी आई है, जिससे कारोबार पर भी असर पड़ा है। कई पर्यटकों का कहना है कि वे बर्फबारी देखने की आस में कुछ दिन और रुकने की योजना बना रहे हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों के दौरान ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई है।

हल्द्वानी में हुई बारिश

हल्द्वानी : मंगलवार को पूर्वान्ह में ही हल्द्वानी में बादल छा गए और अपरान्ह के बारिश रिमझिम बारिश शुरू हो गई। बारिश शाम तक होती रही। बारिश के साथ ही ताप मान में गिरावट आ गई। अधिकतम तापमान 21.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री रहा। एक फरवरी से एक बार फिर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। पहाड़ों में बर्फबारी भी हो सकती है। गेहूं के साथ ही मौसमी सब्जियों के लिए भी बारिश का अच्छा बताया जा रहा है।

गाजा में पिंजरे में फंसा पांचवां गुलदार

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचारः नैनीताल जिले के ओखलकांडा क्षेत्र के गाजा में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक और गुलदार फंस गया है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में पिंजरे में पकड़े गए गुलदारों की संख्या पांच हो गई है। इससे पहले वन विभाग चार गुलदारों को पकड़ चुका था, जिनमें एक रामगढ़, दो धारी और एक ओखलकांडा क्षेत्र का गुलदार शामिल है।

हालांकि हिंसक आदमखोर गुलदार अब तक वन विभाग की पकड़ से बाहर है। उल्लेखनीय है कि धारी क्षेत्र में दो और ओखलकांडा में एक महिला को गुलदार अपना शिकार बना चुका है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। आदमखोर गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरे लगाने, ट्रैप कैमरों और गश्त जैसे कई उपाय किए हैं, लेकिन सफलता अभी तक नहीं मिली। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां और कई स्थानों पर मोबाइल नेटवर्क न होना भी कार्रवाई में बड़ी बाधा बन रहा है। एसडीओ ममता चंद ने गाजा क्षेत्र में गुलदार के पिंजरे में फंसने की पुष्टि की और बताया कि पकड़ा गया गुलदार रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आदमखोर गुलदार की तलाश और पकड़ के प्रयास लगातार जारी हैं। ग्रामीणों में भय व्याप्त है। महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से दहशत में हैं, और लोग शाम ढलते ही घरों में सिमटने को मजबूर हैं।

ओखलकांडा के गाजा में पिंजरे में फंसा गुलदार।

दो माह तक घर के पास पड़ा रहा वृद्धा का शव

हल्द्वानीः काठगोदाम थाना क्षेत्र के गौलापार से लापता हुई जिस वृद्धा की तलाश में परिजन और पुलिस इधर-उधर तलाशते रहे, उसकी लाश उसी के घर पास पिछले दो माह से पड़ी थी। वृद्धा का शव लोगों को तब दिखा, जब तालाब में पानी भरा व शव ऊपर आ गया। घटना हादसा है या आत्महत्या, पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबित, पश्चिमी खेड़ा गौलापार निवासी जयंती देवी (85 वर्ष) पत्नी स्व.पूर्णानंद सुयाल बीते वर्ष 26 नवंबर को घर से यह कहकर निकली थी कि दवा लेने जा रही है, लेकिन वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने काठगोदाम थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इधर, बीती 25 जनवरी को जयंती का शव पश्चिमी खेड़ा स्थित बंद पड़े मां काली स्टोन क्रशर के पीछे एक तालाब से बरामद हुआ।

गर्लफ्रेंड से कर रहा था बात, ट्रेन से कटा

- परिजनों ने गर्लफ्रेंड को बताया मौत की वजह, जांच में जुटी पुलिस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : रेलवे ट्रैक पर कान में ईयरफोन लगाकर प्रेमिका से बात करना युवक को भारी पड़ गया। ट्रैक पर बैठे युवक को धड़धड़ाती आई बाघ एक्सप्रेस ने अपनी चपेट में ले लिया। युवक का सिर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस हादसा और आत्महत्या के एंगल से मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, हाथीखाल गोरापड़ाव निवासी विकास (24 वर्ष) रविवार देर शाम बाइक लेकर घर से घूमने निकला था। तीनपानी फ्लाईओवर के पास उसने सड़क किनारे बाइक खड़ी की और रेलवे ट्रैक पर बैठ गया। वह कान में ईयरफोन लगाकर एक लड़की से बात कर रहा था। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। सूचना मिलती ही जीआरपी और मंडी चौकी से पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि घटना की हादसा और आत्महत्या के एंगल से जांच की जा रही है। वहीं परिजनों का आरोप है कि एक लड़की की वजह से उसकी मौत हुई है। विकास सात भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। तीन माह पहले वह एक सड़क हादसे का शिकार हो गया था और रविवार को ही वह बेड रेस्ट से उठा था।

अल्मोड़ा जेल में बंद बंदी की मौत

हल्द्वानी : अल्मोड़ा जेल में बंद बंदी की उपचार के दौरान डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पुतली घर आजादनगर, कंटोनमेंट अमृतसर, पंजाब निवासी 74 वर्षीय जगमोहन सिंह पुत्र मोहिंदर सिंह अल्मोड़ा जेल में बंद था। बीती 19 जनवरी को तबीयत बिगड़ने पर जगमोहन को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अल्मोड़ा में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर अगले दिन उसे डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां 27 जनवरी को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

क्रशर मालिकों की मनमानी के विरोध में बंद किया गेट

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः कोसी नदी क्षेत्र अंतर्गत खड़ंजा गेट को आज ट्रांसपोर्टरों ने अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया। ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि खनिज निकासी व परिवहन दरों में भारी कटौती किए जाने से उन्हें लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे मजबूर होकर यह कदम उठाया गया है।

ट्रांसपोर्टरों के अनुसार पहले खनिज परिवहन की दर 21 रुपये प्रति कुंतल थी, जिसे घटाकर 16 रुपये प्रति कुंतल कर दिया गया है। अचानक की गई कटौती से डीजल, मजदूरी, वाहन रखरखाव व अन्य खर्च निकालना मुश्किल हो गया है। ट्रांसपोर्टरों ने आरोप लगाया कि स्टोन क्रेशर मालिकों ने मनमाने ढंग से रेट घटाए हैं। पहले खनिज 20 से 21 रुपये प्रति कुंतल लिया जाता था, जो अब 16 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक दरों में उचित बढ़ोतरी नहीं होती, खड़ंजा गेट बंद रहेगा। गेट बंद होने से आईबीएम, बोल्डर व रेता की निकासी प्रभावित हो रही है, जिससे सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। ट्रांसपोर्टरों ने प्रशासन से स्टोन क्रेशर मालिकों व ट्रांसपोर्टरों के बीच वार्ता कर समाधान निकालने की मांग की है। समाधान न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई है।

कलसिया पुल बनाने को टेंडर हुआ

- बरसात से पहले काम पूरा करने की तैयारी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः काठगोदाम में कलसिया नाले पर बना अस्थायी बेली ब्रिज अब हटाया जाएगा और इसकी जगह स्थायी पुल बनाया जाएगा। पुराने पुल की मियाद करीब छह माह ही थी और इसे करीब चार साल तक इस्तेमाल किया गया।

काठगोदाम में कलसिया नाले पर बेली ब्रिज का निर्माण अप्रैल 2022 में पूरा किया गया। पुराना पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने वीरभट्टी से लाकर यह पुल स्थापित किया था, जिसे 12 अप्रैल 2022 को वाहनों की आवाजाही के लिए खोला गया। यह अस्थायी पुल पहाड़ जाने वाले वाहनों के लिए बनाया गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कई बार नए पुल के लिए टेंडर निकाला लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। बताया कि नियम और कम धनराशि की वजह से कंपनियां टेंडर प्रक्रिया में शामिल नहीं हो रही थी। अब पुराने पुल में ढीले हुए नट-बोल्ट को कोलकाता से मंगाकर कस दिया गया है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण टेंडर प्रक्रिया को पूरा करने का काम कर रहा है। इसके टेंडर हो गए हैं और बांड बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। एनएचएआई के अनुसार मानसून से पहले काम पूरा करने की कोशिश है। साथ ही नया पुल बनाते समय बाधित होने वाले यातायात को भी ध्यान में रखा जा रहा है। एनएचएआई के सहायक अभियंता प्रमोद सुयाल ने बताया कि सभी काम तेजी के साथ किए जा रहे हैं।

नैनीताल का लोक भवन आम लोगों के लिए खुला

संवाददाता, नैनीताल

- टिकट व्यवस्था का अनुबंध मै. नवीन अग्रवाल, जसपुर से तय

अमृत विचारः नैनीताल लोक भवन में प्रवेश टिकट प्रणाली के संचालन का अनुबंध राज्यपाल सचिवालय की ओर से अंतिम रूप से स्वीकृत कर दिया गया है। ई-निविदा के आधार पर 25.61 लाख में मै. नवीन अग्रवाल, जसपुर, ऊधमसिंह नगर को यह कार्य सौंपा गया है। अनुबंध 1 फरवरी 2026 से एक वर्ष अथवा अग्रिम आदेशों तक प्रभावी रहेगा।

आदेश के अनुसार फर्म ऑनलाइन एवं ऑफलाइन टिकटिंग, क्यू मैनेजमेंट, सूचना पटल, गाइड व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। अनुबंध के तहत लोक भवन में प्रवेश के लिए 10 से 18 वर्ष आयु वर्ग के लिए 50, 18 वर्ष से अधिक के लिए 100 तथा विदेशी नागरिकों के लिए 200 प्रति व्यक्ति शुल्क निर्धारित किया गया है। जबकि 10 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। राज्यपाल के प्रवास व वीआईपी, वीवीआईपी कार्यक्रमों के दौरान पर्यटकों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारियों एवं उनके परिजनों का प्रवेश निःशुल्क होगा। भ्रमण के दौरान किसी भी प्रकार की क्षति की जिम्मेदारी संबंधित फर्म की रहेगी।

प्रतियोगिता स्थगित | क्रिकेट प्रतियोगिता पर भारी पड़ी पालिका और खेल विभाग की जंग, जिला खेल अधिकारी ने सरकारी कार्य में बाधा डालने का लगाया आरोप

खेल विवाद : डीएसओ ने पालिकाध्यक्ष व अन्य के खिलाफ सौंपी तहरीर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः नगर में खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही नगर स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता नगर पालिका और जिला खेल विभाग के टकराव की भेंट चढ़ गई। मंगलवार से शुरू होने वाली 32 टीमों की इस प्रतियोगिता को लेकर सुबह करीब 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक दोनों विभागों के बीच तीखा विवाद चलता रहा। हालात इतने बिगड़ गए कि अंततः प्रतियोगिता को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा।

जिला खेल विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए डीएसए खेल मैदान में पिच निर्माण सहित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर पूर्व में नगर पालिका अध्यक्ष और खेल प्रेमियों के साथ बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें प्रतियोगिता निर्धारित तिथि से शुरू करने पर सहमति बनी थी। इसके बावजूद प्रतियोगिता के शुभारंभ से ठीक पहले नगर पालिका अध्यक्ष और सभासदों ने खेल शुरू नहीं होने दिया, जिससे खिलाड़ियों और आयोजकों में भारी नाराजगी देखी गई। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने कहा कि प्रतियोगिता के आयोजन के लिए लगभग तीन लाख रुपये की लागत से मैदान का विकास कराया गया था। ऐसे में अचानक आयोजन रोकने से सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग हुआ है, खेल भावना को ठेस पहुंची है। इससे आहत होकर जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत ने नगर पालिका अध्यक्ष सहित अन्य लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए नैनीताल कोतवाली में शिकायती पत्र सौंपा है।

दूसरी ओर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल ने कहा कि डीएसए खेल मैदान नगर पालिका की संपत्ति है। पूर्व में प्रशासक द्वारा इस मैदान को 30 वर्षों के लिए खेल विभाग को लीज पर देने का निर्णय लिया गया था, लेकिन उसका कोई विधिवत अनुबंध नहीं हुआ। नगर पालिका के नए बोर्ड के गठन के बाद 17 फरवरी 2025 को हुई पहली बोर्ड बैठक में प्रशासक के उस आदेश को निरस्त कर दिया गया था।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी आयोजन के लिए नगर पालिका की पूर्व अनुमति अनिवार्य है। बिना अनुमति प्रतियोगिता आयोजित करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि मंगलवार से डीएसए और नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वीराज सिंह क्रिकेट प्रतियोगिता होनी थी, लेकिन विवाद के कारण वह भी नहीं हो सकी। घंटों तक जिला खेल विभाग के अधिकारी कोतवाली में डटे रहे और विरोध करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग करते रहे। मल्लीताल कोतवाली के एसएसआई दिनेश चंद्र जोशी ने बताया कि जिला खेल विभाग से शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है, जिस पर विधिक पहलुओं को देखते हुए विचार किया जा रहा है।

फिलहाल नगर स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। इस दौरान सभासद मनोज साह जगाती, जितेंद्र पांडे जीनू, अंकित चंद्रा, रमेश प्रसाद, सुरेंद्र कुमार, रिक्की पवार, भगवत रावत, गजाला कमाल, लता दफौटी, पूरन बिष्ट, खेल विभाग से सैयद रियान, क्रिकेट सचिव रवि जोशी, पवन बिष्ट, त्रिलोक सिंह जीना, अंकुश रौतेला, भगवत मेर व कमलेश आदि मौजूद रहे।

नैनीताल मे प्रतियोगिता को लेकर विवाद के दौरान पालिकाध्यक्ष व अन्य। • अमृत विचार

> नैनीताल के डीएसए खेल मैदान पर नगर पालिका का स्वामित्व और अधिकार है। किसी भी आयोजन से पूर्व पालिका की सहमति लेना आवश्यक है। मंगलवार से नगर पालिका और डीएसए के संयुक्त तत्वावधान में पृथ्वीराज सिंह प्रतियोगिता होनी थी, जो विवाद के चलते नहीं हो सकी। **-डॉ. सरस्वती खेतवाल,** नगर पालिकाध्यक्ष

> नैनीताल में 27 जनवरी से खेल को बढ़ावा देने के लिए जिला क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में प्रतियोगिता आयोजित होनी थी। इसके लिए पिच निर्माण कराया गया और नगर पालिका अध्यक्ष समेत अन्य लोगों से बैठक कर सहमति भी ली गई थी। इसके बावजूद विरोध के चलते प्रतियोगिता शुरू नहीं हो सकी। इस नि:शुल्क टूर्नामेंट के लिए 32 टीमों ने पंजीकरण कराया था।
> -निर्मला पंत, जिला क्रीड़ा अधिकारी

धारी में निरीक्षण करते उप जिलाधिकारी। • अमृत विचार

बिना अनुमति सड़क निर्माण व पेड़ काटने की जांच शुरू

भीमताल : धारी तहसील के ग्राम कौल में बिना किसी अनुमति भूमि काटकर सड़क निर्माण और कई पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर धारी प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, बाहरी बिल्डरों ने जेसीबी मशीन से भूमि में बिना अनुमति खुदाई कर अवैध सड़क बना दी। इस दौरान दो दर्जन से अधिक पेड़ों को काटे जाने की सूचना मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप जिलाधिकारी धारी अंशुल भट्ट, राजस्व उप निरीक्षक निर्मल बोरा और रेंजर विजय भट्ट मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि कार्य पूरी तरह अवैध है और इसके लिए किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी। प्रशासन ने अवैध कार्य में प्रयुक्त जेसीबी की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। उप जिलाधिकारी अंशुल भट्ट ने बताया कि अवैध रूप से काटे गए पेड़ों की गिनती की जा रही है, जिसके आधार पर चालानी कार्रवाई की जाएगी और जेसीबी की पहचान होते ही उसे सीज किया जाएगा। उन्होने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध निर्माण और वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

भवाली में देश भक्ति गीतों ने मन मोहा

भवाली : 77वां गणतन्त्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य बाजार में व्यापार मंडल के आह्वान पर भारत माता की मूर्ती के पास ध्वज फहराया गया। वहीं कुछ कलाकारो ने देशभक्ति के गीतों से लोगों का मन मोहा। सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में प्रधानाचार्या ने ध्वाज फहराया। वहीं विभिन्न सरकारी कार्यालयों, नगरपालिका, उजाला, एयर फोर्स, सरकारी अस्पताल में ध्वज फहराया गया।

कालाढूंगी में हुआ रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

कालाढूंगी : कालाढूंगी, कोटाबाग, चकलुवा और बैलपड़ाव क्षेत्र में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न स्कूलों में ध्वजारोहण किया गया। आशीष मॉडर्न हायर सेकेंडरी स्कूल बेलपोखरा में विभिन्न संस्कृतियों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि विधायक बंशीधर भगत ने बच्चों को राष्ट्रीय एकता के महत्व से अवगत कराया। तहसील में एसडीएम बिपिन चंद्र पंत, नगर पालिका में पालिकाध्यक्ष रेखा कत्यूरा ने ध्वजारोहण किया।

लालकुआं में भी गणतंत्र दिवस की धूम

लालकुआं : लालकुआं व आस-पास के क्षेत्रों में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल में मुख्य संचालक केके गुप्ता, दुग्ध संघ, लालकुआं में अध्यक्ष मुकेश बोरा व शहीद स्मारक में सैनिक संगठन के अध्यक्ष के. सिंह दानू, राइका में प्रधानाचार्य तथा नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने ध्वज फहराया। एसकेएम पब्लिक स्कूल में निदेशक कमलेश पाठक ने ध्वज फहराया।

जनपदभर में धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

नैनीताल के फ्लैट मैदान में कमिश्नर रावत ने झंडा फहराया, ली परेड की सलामी, डीएम ने कलेक्ट्रेट में फहराया ध्वज

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः जनपदभर में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नैनीताल में कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत व जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने अपने-अपने कार्यालयों में झंडा फहराया।

आयुक्त दीपक रावत ने अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सभी से ईमानदारी, संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। नैनीताल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत पुलिस परेड की सलामी ली। इससे पूर्व एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टीसी, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल तथा आईजी कुमाऊं परिक्षेत्र रिधिम अग्रवाल को भी पुलिस द्वारा सलामी दी गई। क्षेत्राधिकारी रविकांत सेमवाल एवं महिला आरक्षी मुन्नी देवी लोहनी को पुलिस महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क (सिल्वर) से सम्मानित किया गया। इसके अलावा एसएसपी नैनीताल द्वारा 53 पुलिसकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। परेड के उपरांत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राफिक एरा भीमताल, महिला डिग्री कॉलेज हल्द्वानी, सेंट एंथोनी कॉन्वेंट स्कूल ज्योलीकोट सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सांस्कृतिक दलों के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में सीडीओ अरविंद पांडे समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिले भर में पुलिस कार्यालयों, थाना-चौकियों और फायर स्टेशनों में भी ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया।

गणतंत्र दिवस पर सीपीयूकर्मी को सम्मानित करते मंडलायुक्त दीपक रावत।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर में ध्वज फहराते परिसर निदेशक।

ग्राफिक एरा में निदेशक ने फहराया ध्वज

भीमताल : ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर में भारत का 77वां गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय थीम "वन्दे मातरम् के 150 वर्ष" के अनुरूप मनाया गया। निदेशक, भीमताल परिसर ने सार्जेंट सारांश बिष्ट ने नेतृत्व में निकली एनसीसी टुकड़ी की परेड का निरीक्षण करने के बाद ध्वज फहराया। कार्यक्रम में एनएसएस इकाई द्वारा देशभक्ति नृत्य तथा स्वर तरंग क्लब ने देशभक्ति गीत पेश किए। कार्यक्रम का कुशल संचालन भूमिका नयाल और सक्षम अवस्थी ने किया।

पर्वतीय उत्थान मंच में भी फहराया गया तिरंगा

हल्द्वानी : हीरानगर स्थित पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के प्रांगण में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह उत्साह से साथ मनाया गया। यहां मंच संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर व अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल ने तिरंगा फहराया। इस मौके पर मंच के उपाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, सचिव देवेन्द्र तोलिया, कोषाध्यक्ष त्रिलोक बनौली, भुवन जोशी, शोभा बिष्ट, चंद्रशेखर परगांई, संदीप भैसोड़ा, धर्म सिंह बिष्ट, कमल किशोर, ब्रजमोहन बिष्ट, रितिक आर्या और सुरेश पांडे आदि रहे।

ओखलकांडा में भी मनी 26 जनवरी

धानाचूली : धारी–ओखलकांडा क्षेत्र में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। धारी तहसील में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में एसडीएम अंशुल भट्ट ने तिरंगा फहराया, जबकि विकास खंड मुख्यालय पर ब्लॉक प्रमुख भावना ने ध्वज फहराया। ओखलकांडा के विद्यालयों में प्रभातफेरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और देशभक्ति प्रस्तुतियां हुईं। वक्ताओं ने संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण पर विचार रखे। कार्यक्रमों में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान तहसीलदार धारी मनीषा बिष्ट, बीडीओ महेश गंगवार, एबीडीओ प्रकाश कांडपाल, कानूनगो सहित कई अधिकारी व कर्मचारी रहे।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में हुए कार्यक्रम

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया। एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि गणतंत्र दिवस सभी भारतीयों के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

एमबीपीजी में गणतंत्र दिवस पर निकाली प्रभात फेरी

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज से प्रभात रैली निकाली गई। मुख्य कार्यक्रम एमबीपीजी कॉलेज में हुआ। कार्यक्रम में मेयर गजराज बिष्ट, विधायक सुमित हृदयेश, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट जीएस चौहान आदि रहे। नगर निगम परिसर में भी मेयर ने झंडारोहण किया। जूनियर हाईस्कूल बद्रीपुरा की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गौलापार अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में ओपन क्रॉस कंट्री हुई। इधर, शहर के विभिन्न स्कूलों में भी कार्यक्रम हुए। राबाइका किशनपुर में गणतंत्र दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य उषा सिंह, अभिभावक–शिक्षक संघ अध्यक्ष महेश चंद्र त्रिपाठी ने झंडारोहण किया।

नगर से गांवों तक गूंजे देशभक्ति गीत

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः नगर और ग्रामीण अंचलों में 77वां गणतंत्र दिवस हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। जय मोहन इंटर कालेज कनिया में विद्यालय के संस्थापक गोपाल दत्त जोशी, कोषाध्यक्ष हेमा जोशी और प्रधानाचार्य एमडी. तेवाड़ी ने ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि रानीखेत विधायक डॉ. प्रमोद नैनवाल और विशिष्ट अतिथि दौलत राम उपस्थित रहे। आदर्श बाल एकेडमी (आईसीए) टांडा में प्रधानाचार्य एमएस रावत एवं सहप्रबंधक शेरसिंह रावत ने प्रभात फेरी निकाली। जीपीपी कन्या इंटर कालेज, एमपी इंटर कालेज, शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल, कौशल एकेडमी, रिनेशा होटल मैनेजमेंट और किड्स जी सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में भी कार्यक्रम हुए। पीरूमदरा के मेहरा पब्लिक स्कूल में भी तिरंगा ध्वज फहराया। प्रबंधक कुबेर सिंह मेहरा और निदेशक पंकज सिंह मेहरा ने छात्रों को प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियां दीं, जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों की वेशभूषा में विद्यार्थी भी शामिल थे। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में प्राचार्य प्रो. एमसी. पाण्डे ने ध्वजारोहण किया गया और एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। मुख्य वक्ता इतिहास विभाग प्रभारी डॉ. शरद भट्ट ने राष्ट्र के विकास और समृद्धि के लिए छात्रों को प्रेरित किया।

पीरूमदरा में रैली निकालते मेहरा पब्लिक स्कूल के बच्चे।

सृजन स्पास्टिक सोसायटी में गणतंत्र दिवस मनाते बच्चे।

सृजन स्पास्टिक सोसायटी में हुए विभिन्न कार्यक्रम

हल्द्वानी : सृजन स्पास्टिक सोसायटी पीलीकोठी में गणतंत्र दिवस मनाया गया। विशेष बच्चों के लिए संचालित होने वाले स्कूल में बच्चों ने गणतंत्र दिवस की थीम पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य श्रद्धा कांडपाल, नंदन कांडपाल, दया जोशी, दीपा रहे।

बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनातीं इनरव्हील क्लब की पदाधिकारी।

इनरव्हील क्लब ने बच्चों के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

हल्द्वानी : इनरव्हील क्लब हल्द्वानी ने गणतंत्र दिवस राजकीय प्राथमिक विद्यालय बमोरी में बच्चों के साथ मनाया। तिरंगा फहराने के बाद बच्चों ने देशभक्ति के गीत गाए। बच्चों ने 'मेरा प्रिय कार्टून', 'मेरा अनोखा सपना', 'इन्द्रधनुष' और 'तितली' विषय पर लेख लिखने में गर्मजोशी के साथ प्रतिभाग किया। क्लब की तरफ से बड़े को दो व छोटे बच्चों को 3 अवार्ड दिए गए। क्लब सचिव निवेदिता पांडे एवं आइएसओ सुशीला भाकुनी द्वारा बच्चों को स्टेशनरी एवं मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शशि खंडेलवाल, नीरजा बोरा, पायल अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, रितु त्यागी मौजूद रहीं।

बिड़ला स्कूल में गणतंत्र दिवस समारोह में मौजूद प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा व सहयोगी।

बिड़ला स्कूल में हुए देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम

हल्द्वानी : आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। विद्यालय के खेल मैदान में प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा ने तिरंगा फहराया। केके यादव के मार्गदर्शन में कक्षा 9 एवं 11 के विद्यार्थियों ने मार्च–पास्ट के माध्यम से अनुशासन, एकता और राष्ट्रप्रेम का सशक्त संदेश दिया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संविधान के मूल्यों, कर्तव्यों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से संवैधानिक राष्ट्रीयता, पर्यावरण के प्रति समर्पण और मातृभूमि के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार, प्रबंधक इन्फ्रास्ट्रक्चर्स सुरेश बाजपेयी, वरिष्ठ संकाय प्रमुख अनिता भट्ट, सभी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कार्मिक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

देवभूमि एकेडमी स्कूल में कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रधानाचार्य भागीरथी बिष्ट व विद्यार्थी।

देवभूमि एकेडमी में बच्चों के कार्यक्रमों ने मन मोहा

हल्द्वानी : देवभूमि एकेडमी में 77वें गणतंत्र दिवस पर प्रभात रैली निकाली गई। इसके बाद स्कूल परिसर में ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुमित हृदयेश, यशपाल आर्य उपस्थित रहे। उन्होंने अनुशासन, एकता और संविधान के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति नृत्य, भाषण और कविता पाठ प्रस्तुत किया। इस मौके पर स्कूल की प्रबंधक भागीरथी बिष्ट और प्रधानाचार्य पूजा बिष्ट सहित अन्य मौजूद रहे।

वेंडी स्कूल में गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी व अन्य।

वेंडी स्कूल में भी फहराया झंडा, हुए कार्यक्रम

हल्द्वानी : गौलापार स्थित वेंडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में डायरेक्टर डॉ. विकल बावड़ी ने ध्वजारोहण किया। डायरेक्टर डॉ. विकल बावड़ी ने संविधान के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, भाषण, नाटक और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. भावना बावड़ी, उप–प्रधानाचार्य विजय जोशी, कोऑर्डिनेटर मंजू थापा आदि उपस्थित रहे।

स्वराज आश्रम में नेता प्रतिपक्ष आर्य व विधायक सुमित हृदयेश ने फहराया तिरंगा

हल्द्वानी : कांग्रेस भवन स्वराज आश्रम में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और विधायक सुमित हृदयेश ने संयुक्त रूप से ध्वज फहराया किया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें भारतीय संविधान के मूल मूल्यों न्याय, समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे की निरंतर याद दिलाता है। विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि भारतीय संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को अधिकार, सम्मान और समान अवसर प्रदान करता है। यहां महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, सतीश नैनवाल, हरीश मेहता, एन. बी. गुणवंत, विजय सिजवाली, शोभा बिष्ट, मलय बिष्ट, राधा आर्य, सुहैल सिद्दीकी, गोविन्द बगडवाल, राजेंद्र उपाध्याय, जाकिर हुसैन, सतनाम सिंह, बिनोद कुमार, शरीफ पार्षद, मनोज बिष्ट रहे।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

समान नागरिक संहिता

उत्तराखण्ड, 2024

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

"समान नागरिक संहिता हर नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और सुरक्षा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

देश का पहला राज्य उत्तराखण्ड

जहाँ हर नागरिक के लिए एक कानून

एक अधिकार | एक सम्मान

संपत्ति अधिकार
01 सभी धर्म-समुदायों के सभी वर्गों के लिए बेटा-बेटी को संपत्ति में समान अधिकार।

वैवाहिक आयु निर्धारित
02 सभी धर्मों में विवाह की न्यूनतम उम्र लड़कों के लिए 21 वर्ष और लड़कियों के लिए 18 वर्ष निर्धारित।

वैवाहिक पंजीकरण
03 विवाह के तय समय के भीतर विवाह पंजीकरण करवाना अनिवार्य। एक पति-पत्नी नियम समान रुप से लागू।

समान अधिकार
04 पत्नी को पति जैसा समान अधिकार, सभी धर्म और सम्प्रदायों के महिला-पुरुषों को समान अधिकार।

माता-पिता हेतु
05 किसी व्यक्ति की मृत्यु के पश्चात उसकी सम्पत्ति में माता-पिता का भी समान अधिकार होगा।

अनुसूचित जनजाति
06 अनुसूचित जनजाति को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से बाहर रखा गया है।

लिव - इन रिलेशन
07 लिव-इन रिलेशन में जन्मे बच्चों को जैविक संतान के समान सभी विधिक अधिकार

UCC - 1 साल

ऑनलाइन पंजीकरण
* लगभग 5 लाख विवाह पंजीकरण
* लगभग 100% ऑनलाइन प्रक्रिया
* औसतन 1400 पंजीकरण प्रतिदिन
* पहले जहाँ प्रतिदिन केवल 67 पंजीकरण होते थे
* अब औसतन 5 दिन में प्रमाणपत्र जारी

UCC - सिर्फ कानून नहीं, व्यवस्था में परिवर्तन
* सोच बदली
* प्रक्रिया बदली
* व्यवस्था बदली
* उत्तराखण्ड बना मॉडल राज्य

महिला और बाल अधिकारों की सुरक्षा
* विवाह और तलाक में समान नियम
* महिलाओं को कानूनी सुरक्षा और सम्मान
* बच्चों के अधिकारों को मजबूती
* कुप्रथाओं पर प्रभावी नियंत्रण

न्याय की नई परिभाषा
* कानून से आगे बढ़कर सुशासन
* समानता को व्यवहार में उतारने का उदाहरण
* नागरिकों का विश्वास मजबूत
* संविधान की भावना का सशक्त क्रियान्वयन

डिजिटल सुविधा | पारदर्शी व्यवस्था
* घर बैठे ऑनलाइन आवेदन
* वीडियो बयान की सुविधा
* दंपति व गवाह कहीं से भी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं
* सब-रजिस्ट्रार कार्यालय जाने की बाध्यता समाप्त
* समय, श्रम और खर्च की बचत
* AI के माध्यम से 22 अधिसूचित भारतीय भाषाओं में पंजीकरण सुविधा।

रजिस्ट्रेशन करने हेतु लॉग इन करें....ucc.uk.gov.in

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

सिटी ब्रीफ

तीन अजगर और एक कोबरा रेस्क्यू किया

रामनगर : वन प्रभाग की तराई पश्चिमी रेंज के अंतर्गत बाजपुर और रामनगर के टांडा क्षेत्र के आबादी क्षेत्र से स्नेक कैचर तालिब हुसैन ने तीन विशाल अजगर तथा एक कोबरा को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया। तालिब हुसैन ने बताया कि रेस्क्यू किए गए अजगर काफी बड़े आकार के हैं। इनमें एक अजगर का वजन लगभग 45 से 50 किलोग्राम, दूसरे का करीब 40 किलोग्राम और तीसरे का वजन 35 से 40 किलोग्राम के बीच है। इसके अलावा एक कोबरा सांप भी इसी क्षेत्र से पकड़ा गया। तालिब हुसैन ने स्पष्ट किया कि रेस्क्यू के दौरान किसी भी सांप को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। रेस्क्यू के बाद वन विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी अजगरों और कोबरा को उनके प्राकृतिक आवास, घने जंगल क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया है।

भागीरथी बिष्ट ने कांग्रेस के प्रति जताई प्रतिबद्धता

हल्द्वानी : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या, विधायक सुमित हृदयेश व अन्य वरिष्ठ कांग्रेसियों ने पार्षद भागीरथी बिष्ट के विद्यालय देवभूमि एकेडमी पहुंचकर गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं दीं। विगत कुछ समय से भागीरथी बिष्ट ने कांग्रेस पार्टी से दूरी बना ली थी, लेकिन अब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी आस्था को पुनः सुदृढ़ करते हुए संगठन के साथ सक्रिय रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

छोटा कैलाश में मेले की तैयारी को लेकर आयोजित बैठक में हंगामा

बैठक में हुए विवाद से भड़के विधायक राम सिंह कैड़ा बैठक छोड़कर जाने लगे

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

सर्किट हाउस में मेले की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में मौजूद विधायक कैड़ा व जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारी हंगामे के बीच छोटा कैलाश मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न हो गई। हंगामे के बीच हुई बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष व मुख्य विकास अधिकारी ने मेले के आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंगलवार को गौलापार स्थित सर्किट हाउस सभागार में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्म्वाल कर रही थीं। बैठक में भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि इस बीच बैठक में किसी बात को लेकर विधायक कैड़ा का पारा चढ़ गया। उन्होंने संबंधित लोगों से जवाब मांगा और उचित जवाब नहीं मिलने पर खूब खरी खोटी सुनाई। बाद में विधायक बैठक कर छोड़ जाने लगे। इस बीच सीडीओ अरविंद कुमार पांडे भी मौके पर पहुंच गए। बाद में लोगों के समझाने पर विधायक ने बैठक में हिस्सा लिया। एक बार फिर से मेले को लेकर तैयारियों पर चर्चा हुई। इसमें जिपं अध्यक्ष दीपा दर्म्वाल ने कहा कि पूर्व की भांति मेले की व्यवस्थाएं की जाएंगी। मेले के आयोजन में जिला पंचायत की ओर से जो भी काम किए जाने हैं, उन्हें समय रहते पूर्ण किया जाए।

विधायक कैड़ा ने कहा कि पिछले वर्ष छोटा कैलाश मंदिर में लगभग 4.5 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे, इस वर्ष 5 से 7 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। इसको लेकर जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं। अधिकारियों को हिदायत दी कि सभी विभाग मेले की तैयारियों को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं जनता का भी अवश्य सहयोग लें। सीडीओ पांडे ने कहा कि मंदिर मार्ग में साइनेज, बोर्ड, पार्किंग श्रद्धालुओं के रूट प्लान, साफ-सफाई, शौचालय, बिजली-पेयजल आदि व्यवस्थाओं को 10 फरवरी से पूर्व पूरा कर लिया जाए। उन्होंने लोनिवि, जलसंस्थान, बिजली ईई को निर्देश दिए कि शीघ्र ही छोटा कैलाश मन्दिर का स्थलीय भ्रमण करें। मंदिर में अधिक क्षमता के टांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए ताकि बिजली आपूर्ति बाधित नहीं हो। जलसंस्थान को श्रद्धालुओं के लिए मार्ग पर पेयजल टैंकर भी खड़े करने, पुलिस को भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस एवं होमगार्ड जवानों की तैनाती के भी निर्देश दिए।

पर्यटन विभाग को प्लास्टिक मुक्त मन्दिर के साइनेज लगाने को कहा। अपर मुख्य अधिकारी को मार्गों पर डस्टबिन भी लगाने तथा मेला समाप्ति के पश्चात समय से कूड़ा निस्तारण को कहा। अंत में उन्होंने कहा कि वह स्वयं छोटा कैलाश मन्दिर का जायजा लेंगे ताकि पिछले वर्ष की खामियों को दूर किया जा सके। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख हरीश बिष्ट, एडीएम शैलेन्द्र नेगी, मंजू भट्ट आदि मौजूद रहे।

मुए थाई चैंपियनशिप में जीते चार पदक

हल्द्वानीः हैदराबाद में आयोजित सातवीं राष्ट्रीय सीनियर मुए थाई चैंपियनशिप-2026 में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने राज्य की झोली में चार पदक डाले हैं। 22 से 25 जनवरी तक यूनाइटेड मुए थाई एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 1 रजत और 3 कांस्य पदक जीते। कांस्य मुए थाई एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष सतीश जोशी ने कहा कि इसमें राज्य के 10 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

देहरादून की संचिता पोखरियाल ने कड़े मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। सपना जवाड़ी, 6 कुमाऊं रेजीमेंट के अग्निवीर अनिल बोरा व अल्मोड़ा की हिमानी मेर ने कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता में देश के 28 राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। उत्तराखंड की टीम का मार्गदर्शन मुख्य कोच व विश्व पदक विजेता प्रज्ञा जोशी और टीम मैनेजर नीलेश जोशी ने किया, जबकि दीपक नौटियाल ने राष्ट्रीय रेफरी की भूमिका निभाई। पहली बार उत्तराखंड को जून माह में राष्ट्रीय यूथ मुए थाई चैंपियनशिप की मेजबानी का अवसर मिला है। खेल मंत्री रेखा आर्य, खेल परिषद के उपाध्यक्ष हेमराज बिष्ट, प्रदेश महासचिव नीलेश जोशी उप-निदेशक खेल रशिका सिद्दीकी ने बधाई दी है।

अव्यवस्थाओं को लेकर अधिवक्ताओं का धरना

नैनीताल में विरोध-प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः राजस्व न्यायालयों सहित विभिन्न प्राधिकरणों में व्याप्त अनियमितताओं के विरोध में अधिवक्ताओं ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं के धरने की सूचना पर सीडीओ अरविंद पांडेय मौके पर पहुंचे और डीएम को संबोधित ज्ञापन लिया।

धरने को संबोधित करते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि पूर्व में दो बार जिलाधिकारी को पत्र सौंपे जा चुके हैं लेकिन इसके बावजूद व्यवस्थाओं में कोई सुधार नहीं हुआ और राजस्व न्यायालयों की स्थिति जस की तस बनी हुई है अधिवक्ताओं का आरोप है कि राजस्व न्यायालयों में ऐसे बाहरी व्यक्ति कार्य कर रहे हैं जिनके पास कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। इसके साथ ही अधिकारियों द्वारा निर्धारित समय पर न्यायालयों में न बैठने की शिकायत भी सामने आई अधिवक्ताओं ने बताया कि पत्रावलियों में क्रमांक अंकित नहीं किए जाते जबकि पटवारी और कानूनगो समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर रहे जिससे वादकारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने समाधान न होने पर 11 फरवरी से अनिश्चितकालीन प्रदर्शन की चेतावनी दी है। प्रदर्शन में अध्यक्ष भगवत प्रसाद, सचिव दीपक रुबाली, प्रताप पडियार, नीरज साह, ज्योति प्रकाश बोरा, राजेन्द्र पाठक, अखिलेश साह, एमबी सिंह, मान सिंह बिष्ट, गिरीश खोलिया, प्रमोद बहुगुणा, अरुण बिष्ट, मनोहर सिंह मेर, पुलक अग्रवाल, भगवत जंतवाल, अनिल हर्नवाल रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में वरदान साबित होगी जी राम जी योजना

संवाददाता, कालाढूंगी

जिला सम्मेलन को संबोधित करते स्वामी यतीश्वरानंद व मंचासीन विधायक भगत व अन्य।

अमृत विचारः विकसित भारत जी राम जी जनजागरण अभियान के तहत कालाढूंगी में जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता पूर्व राज्य मंत्री स्वामी यतीश्ववरानन्द ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत जी राम जी कर इसमें कई बदलाव किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि पहले मनरेगा में श्रमिकों को 100 दिन रोजगार की गारंटी मिलती थी, जिसे बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है। साथ ही बेरोजगारी भत्ता दिए जाने का भी प्रावधान किया गया है। पूर्व में बेरोजगारी भत्ता मिलना संभव नहीं था, लेकिन नए बदलावों से यह प्रतिबंध हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस योजना को लेकर भ्रम फैला रहा है, इसलिए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर इसकी सही जानकारी पहुंचानी होगी।

दर्जा मंत्री शांति मेहरा ने कहा कि यह योजना ग्राम स्तर पर लागू की जाएगी तथा कार्य योजना ग्राम सभा में ही तय होगी। इस मौके पर कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत, लालकुआं विधायक मोहन सिंह बिष्ट, दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट, महापौर गजराज बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, प्रदीप जनौटी, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, ब्लॉक प्रमुख विक्रम जंतवाल, ब्लॉक प्रमुख हल्द्वानी मंजू गौड़, जिपं सदस्य दीपा दरम्वाल, दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा आदि मौजूद रहे।

अनदेखी से नाराज बुजुर्ग ने की आत्मदाह की कोशिश

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः तहसील परिसर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को भवानीगंज निवासी उमेश शर्मा खुद पर कैरोसिन डाल कर आग लगाने की कोशिश की। जिससे वहां हड़कंप मच गया लेकिन शोर शराबा होने से मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों व आस-पास के लोगों ने बुजुर्ग को पकड़ लिया। एसडीएम ने उमेश शर्मा को समझा-बुझाकर शांत कराया और उनकी समस्या सुनकर मामले की जांच का भरोसा दिलाया।

उधर बुजुर्ग उमेश शर्मा ने बताया कि 2005 में जाटव बस्ती स्थित स्कूल में एक शिक्षा मित्र की फर्जी तरीके से नियुक्ति की गई। इसका खुलासा उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत किया था। उन्होंने बताया कि तत्कालीन जिलाधिकारी के सामने उन्होंने मामले से संबंधित साक्ष्य रखकर फर्जी नियुक्ति को निरस्त करने की मांग उठाई थी, लेकिन किसी ने भी बात नहीं सुनी। उमेश शर्मा ने बताया कि इस मामले को लेकर वह पिछले 17 सालों से अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। नहीं कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने अतिक्रमण बताकर उनका घर भी तोड़ दिया। जिसके चलते आज वह बेघर है और गिरिजा मंदिर परिसर में ही रहते हैं। वहीं उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी ली जा रही है। जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

यूसीसी को लेकर पंचायतें सम्मानित

संवाददाता, हल्द्वानी

विजेता प्रतिभागियों के साथ मेयर गजराज बिष्ट, डीएम एलएम रयाल व अन्य।

अमृत विचार : राज्य में समान नागरिक संहिता लागू होने के एक साल पूरा होने पर जिले के सभी विकासखंडों और विभिन्न स्थानों पर यूसीसी दिवस मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम एमबीपीजी कॉलेज में हुआ, जिसका उद्घाटन मेयर गजराज बिष्ट, दर्जा राज्यमंत्री शंकर कोरंगा, डॉ. अनिल कपूर डब्बू, रेनू अधिकारी और डीएम ललित मोहन रयाल ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में शत-प्रतिशत यूसीसी पंजीकरण करने वाली ग्राम पंचायतों के प्रधान, ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों और यूसीसी से संबंधित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मेयर गजराज ने कहा कि यूसीसी के लागू होने से विवाह, तलाक, लिव-इन, गोद लेना, भरण-पोषण, संपत्ति व उत्तराधिकार जैसे मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान कानून की व्यवस्था हुई है। डीएम ललित मोहन रयाल ने कहा कि पंजीकरण कराने से भविष्य में हक, दावे और अधिकारों से जुड़े मामलों में कोई परेशानी नहीं होगी। बताया कि अब तक जिले की 292 ग्राम सभाओं में शत-प्रतिशत यूसीसी पंजीकरण पूरा हो चुका है। दर्जा राज्यमंत्री शंकर कोरंगा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समान नागरिक संहिता लागू कर समानता और न्याय का संकल्प धरातल पर उतारा है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल किशोर पंत ने कहा कि यूसीसी लागू होने से सभी को समान अधिकार प्राप्त हुए हैं। यूसीसी से संबंधित प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। दर्जा मंत्री रेनू अधिकारी, सीडीओ अरविंद कुमार पांडे, एडीएम शैलेन्द्र नेगी, नगर आयुक्त परितोष वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट जीएस चौहान, एसडीएम राहुल शाह, प्राचार्य, महिला डिग्री कॉलेज आभा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हॉकी ट्रॉफी चैंपियनशिप में देहरादून की टीम बनी विजेता। ● अमृत विचार

देहरादून ने पिथौरागढ़ को हराकर जीती ट्राफी

हल्द्वानी : मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय अंडर-19 बालक वर्ग हॉकी प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को देहरादून की खिताबी जीत के साथ हुआ। फाइनल मुकाबले में देहरादून ने पिथौरागढ़ को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए पहले सेमीफाइनल में देहरादून ने पौड़ी को एकतरफा मुकाबले में 9-0 के विशाल अंतर से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में पिथौरागढ़ ने नैनीताल के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की। देहरादून और पिथौरागढ़ के बीच हुए मुकाबला में देहरादून के खिलाड़ियों ने सटीक तालमेल का प्रदर्शन करते हुए पिथौरागढ़ को 4-1 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इससे पूर्व, तीसरे स्थान के लिए हुए कड़े मुकाबले में पौड़ी ने नैनीताल को 1-0 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में देहरादून प्रथम, पिथौरागढ़ द्वितीय और पौड़ी तृतीय स्थान पर रही।

बैंक कर्मियों की हड़ताल, ग्राहक परेशान

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में मांगों को लेकर प्रदर्शन करते बैंकों के कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के आह्वान पर मंगलवार को सभी बैंक हड़ताल पर रहे, जिससे आम जनता को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। भारतीय स्टेट बैंक, रामनगर की शाखा कर्मियों सहित हल्द्वानी मुख्य शाखा में भी बैंक कर्मचारी धरना प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग की।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन, दिल्ली सर्किल के अध्यक्ष कुलदीप सिंह बवेजा ने चेताया कि मांगें पूरी न होने पर हड़ताल और लंबी हो सकती है। एसोसिएशन हल्द्वानी मॉड्यूल के सहायक महासचिव चन्दन सिंह बिष्ट ने कहा कि "फाइव डे बैंकिंग हमारा अधिकार है और इसे हम प्राप्त करेंगे।" हड़ताल का संचालन क्षेत्रीय सचिव ओम प्रकाश नियोलिया ने किया, जबकि आंचलिक सचिव हेम चंद्र आर्या, रमेश बिष्ट, विजय जोशी, बाला दत्त जोशी, दरवान सिंह बिष्ट, राजेंद्र कुमार, राकेश तिवारी और हेमलता पाण्डेय सहित कई बैंक कर्मचारी मौजूद रहे। यूएफबीयू के अनुसार बैंकिंग क्षेत्र में पांच कार्य दिवस लागू करने सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर देशभर के लगभग आठ लाख रुपये बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी हड़ताल पर रहे। इससे नकद लेनदेन, चेक क्लियरेंस, ऋण प्रक्रिया, ड्राफ्ट, पासबुक अपडेट और शाखा सेवाएं प्रभावित रहीं। यूनियनों ने जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह आंदोलन विवशता में किया जा रहा है।

बैंक कर्मचारियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

हल्द्वानी : सरकारी बैंक कर्मचारियों ने हड़ताल की और डीएम कैंप कार्यालय के सामने एसबीआई मुख्य ब्रांच पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि बैंक कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है।

जिला सचिव योगेश पंत ने कहा कि कोविड काल में भी हमने जिम्मेदारी निभाई। लेकिन सरकार अब हमारी पांच दिवसीय बैंक की मांग को अनसुना कर रही है। क्षेत्रीय सचिव ओम प्रकाश निमोलिया व एआईबीओसी से दीपक पांडे ने कहा कि पांच दिवसीय की बैंकिंग हमारा अधिकार है जिसे पूरा करना ही होगा। प्रदर्शन में सहायक महासचिव चंदन बिष्ट, आंचलिक सचिव हेम चंद्र आर्या, क्षेत्रीय सचिव ऑफिसर एसोसिएान मुकेश बमेठा, त्रिभुवन सिहं पांगती, रोहित वर्मा, कुलदीप सिंह, हेमलता पांडे, खुशबू आदि रहे।

निदेशक ने लिया कैंसर इंस्टीट्यूट का जायजा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः चिकित्सा शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. डॉ. अजय आर्या ने मंगलवार को स्वामी राम कैंसर इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। उन्होंने संस्थान में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, उपचार व्यवस्थाओं एवं चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का विस्तारपूर्वक जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान निदेशक कैंसर इंस्टीट्यूट डॉ. केसी पांडे, निदेशक ने स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में स्थापित अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों, उपलब्ध संसाधनों तथा कैंसर रोगियों के उपचार की कार्यप्रणाली को चर्चा की। निदेशक डॉ. आर्या ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को विभागाध्यक्ष के साथ समन्वय स्थापित करते हुए शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरो करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को और अधिक बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी स्थित कैंसर हॉस्पिटल न केवल कुमाऊं मंडल बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कैंसर रोगियों के लिए भी एक वरदान साबित हो रहा है। इससे क्षेत्र के मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो पा रहा है। इस मौके पर एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी, डॉ. निर्दोष पंत, डॉ. जलज गौड़, डॉ. ललित, डॉ. नलिन गोयल, नर्सिंग सुप्रिडेंटेंड जीबी मोल टी. मैथ्यू, डिप्टी नर्सिंग सुप्रिडेंटेंड इला चौधरी रहे।

आयोजन | पांच दिवसीय प्रेक्षण विज्ञान कार्यशाला का शुभारंभ

वैज्ञानिक मंच तैयार करने को कार्यशाला आयोजित

संवाददाता, भीमताल

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एरीज) में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद। ● अमृत विचार

अमृत विचारः ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर और आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एरीज), नैनीताल के संयुक्त तत्वावधान में प्रेक्षण विज्ञान कार्यशाला प्रेक्षण विज्ञान में तकनीकी उन्नतिः वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की दिशा का शुभारंभ एरीज, नैनीताल में किया गया।

उद्घाटन एरीज निदेशक डॉ. मनीष नाजा ने किया और उन्होंने दोनों संस्थानों के बीच प्रभावी शैक्षणिक संवाद पर बल दिया। ग्राफिक एरा के निदेशक प्रो. एके नायर ने एरीज़ को देवभूमि में स्थित ब्रह्मांडीय खोज का मंदिर बताते हुए इस साझेदारी को अकादमिक और वैज्ञानिक अनुसंधान में सेतु सुदृढ़ करने वाला कदम बताया। प्रो. (डॉ.) एमसी लोहानी ने ग्राफिक एरा और एरीज के बीच चल रही समृद्ध अकादमिक यात्रा पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. मनीष नाजा ने एरीज की सुविधाओं, प्रमुख विभागों और खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी तथा वायुमंडलीय विज्ञान में चल रहे अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। द्वितीय सत्र में प्रो. लोहानी ने ग्राफिक एरा की सुव्यवस्थित शैक्षणिक संरचना और शोध-केंद्रित संस्कृति पर प्रकाश डाला। तृतीय सत्र में डॉ. जीवन चंद पांडे ने संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, छात्र इंटर्नशिप और फैकल्टी एक्सचेंज की संभावनाओं पर चर्चा की। समापन प्रो. (डॉ.) अंकुर बिष्ट के विशेषज्ञ व्याख्यान क्षितिज के पारः जेनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्रह्मांड का समन्वय के साथ हुआ।

मेधावी प्रतिभाओं को किया सम्मानित

हल्द्वानी : वैश्य महासभा की ओर से गणतंत्र दिवस व माघ माह के अवसर पर सोमवार को रामपुर रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष रामबाबू जायसवाल ने ध्वजारोहण से किया। इसके बाद वैश्य समाज के 18 घटकों के वरिष्ठ जनों, प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम के बाद खिचड़ी वितरण किया गया। मंच का संचालन महामंत्री तनुज गुप्ता ने किया। सांसद अजय भट्ट, मेयर गजराज बिष्ट, राजेंद्र अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, बद्री प्रसाद गुप्ता, भगवान सहाय अग्रवाल, राजेंद्र गुप्ता, देवेंद्र केसरवानी, उमेश वार्ष्णेय, राजीव अग्रवाल, बसंत अग्रवाल, अशोक वार्ष्णेय, भोलानाथ केसरवानी रहे।

शाइनिंग स्टार के छात्र अवार्ड सेरेमनी में भाग लेने को रवाना

अंकिता रजवार।

अंशिका नेगी।

राशि तिवारी।

जागृत तिवारी।

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः विप्रो कंपनी द्वारा संचालित प्रतिष्ठित विप्रो अर्थिंग परियोजना में उत्तराखंड के रामनगर स्थित शाइनिंग स्टार स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

शाइनिंग स्टार स्कूल, रामनगर की टीम ने रामनगर क्षेत्र में वेस्ट मैनेजमेंट पर नवाचारपूर्ण समाधान प्रस्तुत किया। इस उत्कृष्ट प्रस्तुति के चलते टीम को पूरे भारत की टॉप 20 टीमों में चयनित किया गया और उन्हें विप्रो अर्थिंग नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। शाइनिंग स्टार स्कूल की यह विजेता टीम अब 28 से 31 जनवरी तक बेंगलुरु में आयोजित अवार्ड सेरेमनी में भाग लेने रवाना हो गई। टीम में छात्राएं राशी तिवारी, जाग्रत तिवारी, अंशिका नेगी और अंकिता रजवार शामिल हैं। प्रबंध निदेशक डीएस रावत ने सफलता पर विद्यार्थियों को बधाई दी है।

उपनिदेशक टीम ने जीती रस्साकशी

हल्द्वानीः गणतंत्र दिवस पर जिला खेल कार्यालय की ओर से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। इसके बाद रस्साकशी और महिलाओं की वॉक रेस कराई गई।

रस्साकशी मुकाबला उपनिदेशक खेल टीम और जिला क्रीड़ा अधिकारी टीम के बीच खेला गया। जिसमें उपनिदेशक की टीम ने बाजी मारी। महिलाओं की वॉक रेस में 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सहायक निदेशक खेल (कुमाऊं) विनोद वर्मा ने विजेता खिलाड़ियों और टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर खेल विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न खेलों के कोच और खिलाड़ियों के अभिभावक उपस्थित रहे।

रुद्रपुर में पुलिस परेड को सलामी देते कैबिनेट व प्रभारी मंत्री गणेश जोशी। ● अमृत विचार

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को पौधा भेंट करते डीएम-एसएसपी। ● अमृत विचार

युवा शक्ति के कंधों पर है विकसित भारत का उत्तरदायित्व

रुद्रपुर : चंदोला होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और वसुंधरा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ.केसी चंदोला ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान कॉलेज प्रबंध निदेशक डॉ.चंदोला ने आज जब हम आजाद हवा में सांस ले रहे हैं तो हमें उन गुमनाम नायकों को नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने अपनी जवानी देश पर कुर्बान कर दी। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल डिग्री धारक तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील चिकित्सक बनाना है जो अपनी जड़ों से जुड़े हों और जिनके हृदय में राष्ट्र प्रथम का भाव हो। यदि हमारा युवा स्वस्थ और संकल्पित है तो भारत को पुन: विश्व गुरु बनने से कोई शक्ति नहीं रोक सकती। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय विश्वकर्मा, प्रबंधक सागर तिवारी, डॉ. टीएस द्विवेदी, डॉ. जे घोष, डॉ. एचएस चौहान, डॉ. निरंजन यादव, डॉ. आशीष पंत, डॉ. नवीन, डॉ. देवेन्द्र कुमार, डॉ. आलिया, डॉ. रश्मि नेगी, डॉ. नीरजा, डॉ. सीमा, डॉ. ललित सनवाल, डॉ. नरेन्द्र कुमार और डॉ. राजीव कुमार, मीडिया प्रभारी विशाल मेहरा आदि मौजूद रहे।

26 पुलिस कर्मी उत्कृष्ट कार्य के लिए हुए सम्मानित

यूएस नगर में हर्षोल्लास से मना 77वां गणतंत्र दिवस, पुलिस लाइन में कैबिनेट व प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने किया ध्वजारोहण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: 77वें गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन में आयोजित हुआ। इस दौरान कैबिनेट व प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने बतौर मुख्य अतिथि पुलिस लाइन पहुंच कर ध्वजारोहण किया व पुलिस परेड की सलामी ली। परेड में नागरिक पुलिस, पीएसी, होमगार्ड, अग्निशमन, पीआरडी, एनसीसी के साथ ही विभिन्न विभाग की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। कैबिनेट मंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व उनके परिजनों को पौधा देकर सम्मानित किया। साथ ही पुलिस अधीक्षक स्वप्न किशोर सिंह सहित 26 पुलिस कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि आज का दिन उन अमर शहीदों को नमन करने का है, जिनके बलिदान से हमें यह स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र प्राप्त हुआ। आज का यह पावन दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है। जब 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ और भारत एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बना।

उन्होंने कहा कि आज भारत हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है-चाहे वह विकास, विज्ञान, तकनीक कृषि, रक्षा या खेल का क्षेत्र हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सेना के विभिन्न वीरता पुरस्कारों से सम्मानित सैनिकों को दी जाने वाली राशि में भी महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की गई है। इस दौरान सूचना विभाग के पंजीकृत दल और विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। प्रभारी मंत्री ने झांकी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया।

पर्यावरण मित्रों को सम्मानित करते महापौर और नगर आयुक्त। ● अमृत विचार

स्वच्छता में योगदान देने वाले 10 पर्यावरण मित्र सम्मानित

रुद्रपुर : नगर निगम रुद्रपुर ने 77वें गणतंत्र दिवस पर एक अनूठी और पर्यावरण-संवेदनशील पहल करते हुए जीरो वेस्ट इवेंट का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से निगम ने न केवल देशभक्ति का संदेश दिया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की। इस दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान देने वाले 10 सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण मित्रों को महापौर और नगर आयुक्त ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान महापौर विकास शर्मा ने कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य रुद्रपुर को स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश का नंबर-1 और एक आदर्श शहर बनाना है। नगर आयुक्त शिप्रा जोशी ने मौलिक कर्तव्यों का स्मरण कराते हुए कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण हमारी बुनियादी जिम्मेदारी है। एसबीएम विशेषज्ञ मयंक कुमार ने जीरो वेस्ट इवेंट की तकनीक पर प्रकाश डाला।

ये जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे मौजूद

विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, फरजाना बेगम, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, विवेक सक्सेना, अमित नारंग, जिला जज सिकंद कुमार त्यागी, डीएम नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, सीडीओ दिवेश शाशनी, वीसी जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, एडीएम पंकज उपाध्याय, अपर पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर, डॉ.उत्तम सिंह नेगी, सीएमओ डॉ.केके अग्रवाल, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, एसडीएम मनीष बिष्ट, गौरव पांडेय, डीडीओ सुशील मोहन डोभाल, सीईओ केएस रावत, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत, तहसीलदार दिनेश कुटौला, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमा शंकर नेगी, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन आदि उपस्थित थे।

डीएम ने जिला कार्यालय में किया ध्वजारोहण

रुद्रपुर : 77वें गणतंत्र दिवस जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने जिला कार्यालय में ध्वजारोहण किया और स्वतंत्रता सेनानी एवं उनके आश्रितों को फूल माला व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, महापुरुषों को नमन करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी ने विकास भवन में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्र मौजूद रहे।

बच्चों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

किच्छा : गणतंत्र दिवस पर विधायक तिलक राज बेहड़ के आवास विकास स्थित कार्यालय पर पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। भूतपूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष पूर्व सूबेदार मेजर लाल सिंह कोरंगा ने विधायक बेहड़ एवं दर्जनों लोगों की मौजूदगी में कार्यालय पर ध्वजारोहण किया। विधायक बेहड़ ने पूर्व सूबेदार मेजर लाल सिंह कोरंगा सहित भूतपूर्व सैनिक उमेश चंद तिवारी, कैलाश गहलोत, लक्ष्मण कश्यप, भास्कर पांडे, वेद सिमरन, नरेश जोशी, गणेश जोशी, कल्याण सिंह, महेंद्र जोशी, दीवान सिंह बिष्ट, कुंवर सिंह, परशुराम दुमका, देवेंद्र सिंह कोरंगा, कल्याण सिंह कोरंगा, रमेश चंद जोशी सहित 45 भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। मौके पर निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली, राजेश प्रताप सिंह, भूपेंद्र चौधरी बबलू, दानिश मलिक, विनोद कोरंगा, बिशन सिंह कोरंगा, प्रेम आर्य, जीवन जोशी, हरभजन सिंह, नजाकत खान, दिलीप सिंह बिष्ट मौजूद रहे। नगर स्थित पर्ल्स पब्लिक स्कूल में प्रबंधक एम रहमान अंसारी एवं युवा समाजसेवी भूपेंद्र पपनेजा बंटी ने मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। मौके पर प्रिंसिपल हिमानी पाल, सरताज अंसारी आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल परिसर में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

बाजपुर में रैली निकालकर दिया राष्ट्र प्रेम का संदेश

बाजपुर : क्षेत्र में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के रंग में सराबोर होकर मनाया गया। एसडीएम कार्यालय में प्रभारी प्रधान प्रबंधक एसडीएम डा.अमृता शर्मा, सहकारी चीनी मिल व बीसीएसएफ इंटर कालेज में संबंधित अधिकारियों, कोतवाली में सीओ विभव सैनी, नगरपालिका में पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते, इंटर कालेज में प्रबंधक सुरेंद्र शर्मा, जीजीआईसी में प्रधानाचार्या मीता बोस, आदर्श कन्या इंटर कालेज में अध्यक्ष डा.नरेंद्र खत्री, ज्ञानदीप ग्लोबल स्कूल में चेयरमैन सुरेंद्र सिंह कहलो, रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल में डायरेक्टर हरमंदिर सिंह बरार, जीनियस ग्लोबल स्कूल में पूर्व सांसद बलराज पासी व डायरेक्टर रेखा पासी ने ध्वजारोहण किया। खंड विकास कार्यालय में ब्लाक प्रमुख सुखमन कौर औलख व विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर, तहसील परिसर में तहसीलदार प्रताप सिंह चौहान, सेंट मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मुख्य अतिथि डा.ज्योति शर्मा व प्रधानाचार्या शाइनी पाल, विकास भारती स्कूल में चेयरमेन चौधरी संसार सिंह व प्रधानाचार्या स्मिता गुप्ता ने तिरंगा फहराया। एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति रैली निकालकर लोगों को राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। इस अवसर पर छह गाइड छात्राओं को राज्यपाल पुरस्कार तथा 16 छात्राओं को स्काउट-गाइड प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। विभिन्न विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने कविता पाठ, नृत्य व भाषण प्रस्तुत किए। रिवरडेल इंटरनेशनल स्कूल में अध्यक्ष हरमंदर सिंह बरार के नेतृत्व में मार्चपास्ट व पीटी प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रमों में प्रधानाचार्य योगेश सक्सेना, निर्देशिका रेखा पासी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

कोलम्बस पब्लिक स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र। ● अमृत विचार

देश-प्रेम और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए किया प्रेरित

रुद्रपुर : कोलम्बस पब्लिक स्कूल के प्रांगण में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय के चेयरमैन केसर दास खेड़ा ने ध्वजारोहण कर, विद्यालय परिवार संग सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने छात्र-छात्राओं को देश-प्रेम व सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम अपने देश को और भी मजबूत और समृद्ध करें। विद्यालय के हेड बॉय पार्थ यश ने अपने भाषण में देश की प्रगति का किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनोज खेड़ा ने कहा कि हमें संविधान का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर देश सेवा में अपना योगदान करना चाहिए। विद्यालय की उपप्रधानाचार्या डॉ.कामेश मित्तल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस दौरान राज कुमार त्यागी, भरत लाल शाह, रामेश्वर शाह, मनमोहन सिंह, एसके नैय्यर, प्रबंध समिति के सदस्य, अभिभावक व समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

लिटिल किंगडम में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। ● अमृत विचार

लिटिल किंगडम में बच्चों ने किए रंगारंग कार्यक्रम

रुद्रपुर : लिटिल किंगडम स्कूल में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान वरिष्ठ प्रशासक हरविंदर पुरी और विद्यालय प्रशासिका परविंदर पूरी ने ध्वजारोहण किया। साथ ही कहा कि गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है। राष्ट्रीय पर्व होने के कारण इसका महत्व सभी जाति और सभी संप्रदाय के लोगों के लिए समान है। इस दौरान विद्यालय में प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा पांचवी तक विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें नाटक, सामूहिक नृत्य गायन वादन, एकल नृत्य सुंदर झलकियां के साथ प्रस्तुत किया। स्कूल की वरिष्ठ प्रशासिका परविंदर पुरी ने कहा कि बच्चों की देशभक्ति और धर्म के प्रति रुचि देखकर बहुत ही प्रसन्नता हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्या गायत्री खन्ना ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे अनोखा संविधान है। ये हमें समानता, स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता का अधिकार देता है। उपप्रधानाचार्य सिमरन पुरी ने आजादी के महत्व के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। विद्यालय के संचालक लक्ष्य शर्मा ने कहा कि गणतंत्र दिवस के दिन हम संकल्प लें कि हम अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगे और देश की अखंडता और एकता को बनाये रखने के लिए काम करेंगे। आइए हम सब अपने देश के संविधान का सम्मान करें और इसे मजबूत बनाने में अपना योगदान दें। इस कार्यक्रम में कार्यालय प्रभारी मानसी और सहायक अध्यापिकाएं मौजूद रहीं।

किच्छा में कार्यक्रम के दौरान मौजूद सम्मानित लोग। ● अमृत विचार

पंतनगर में लिया संकल्प

पंतनगर : गणतंत्र दिवस पर कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने विवि अधिकारियों की मौजूदगी में कुलपति आवास पर ध्वजारोहण किया। जिसके बाद गांधी मैदान में विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को देश की एकता व बंधुता को बनाए रखने का संकल्प दिलाया। इधर विवि फार्म पर मुख्य महाप्रबंधक (फार्म) डॉ. जयंत सिंह, विभिन्न शोध केंद्रों पर उनके प्रभारियों ने ध्वजारोहण किया।

दिनेशपुर में ध्वजारोहण करतीं अध्यक्ष मनजीत कौर और ईओ मोहम्मद यामीन।

दिनेशपुर में पंचायत अध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

दिनेशपुर : स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चों व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने ध्वजारोहण कर धूमधाम से मनाया। नगर पंचायत कार्यालय में नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर व अधिशासी अधिकारी मोहम्मद यामीन, अटल उत्कृष्ट स्व. चितरंजन राहा राइका में प्रधानाचार्य मधुसूदन मिश्रा, स्व.महंगाराम राबाइका में प्रधानाचार्य हंसी जोशी, थाना कार्यालय में थानाध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट, लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर में प्रबंधक तरुण कुमार सिंह, किड्स पैराडाइज स्कूल में प्रबंधक सत्येंद्र सिंह मान, एसडीएसएन इंटर कॉलेज दुर्गापुर में प्रबंधक सुभाष व्यापारी, न्यू एरा पब्लिक स्कूल में प्रबंधक रविंद्रपाल सिंह, कृष्णा पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य रीना यादव, नवोदय इंटर कॉलेज चक्कीमोड़ में प्रबंधक हरीश जोशी, सैनिक कॉन्वेंट राउवि चक्कीमोड़ में प्रधानाध्यापिका पुष्पा नेगी, राप्रावि दलीपनगर में पूर्व सूबेदार भगवत सिंह पांगती, राप्रावि ललपुरी से भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक के पास व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, महिला अधिकार मंच कार्यालय में समाजसेवी का हीरा जंगपांगी रौतेला ने ध्वजारोहण किया।

खटीमा के स्कूलों में देशभक्ति कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस पर विद्यालयों में बच्चों द्वारा प्रभातफेरी निकालकर और सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। विधायक भुवन कापड़ी ने सेंट जेवियर अमाऊं और तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी तुषार सैनी ने ध्वजारोहण किया। वहीं तहसीलदार वीरेंद्र सिंह सजवाण मौजूद रहे। नगरपालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी नगर पालिका में ध्वजारोहण किया। जहां बीजेपी महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष विनीता सक्सेना, मनोज वाधवा, मनोज शाही, अधिशाषी अधिकारी प्रियंका आर्या आदि मौजूद रहे। पूर्व सैनिकों ने कैंटीन प्रांगण में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया। जहां पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष कैप्टन गंभीर सिंह धामी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर नारायण सिंह सौन, दान सिंह बोरा, दान सिंह धामी, राजेन्द्र सिंह अधिकारी, अमर सिंह बोरा, धन सिंह बोरा आदि उपस्थित रहे।

सिटी कॉन्वेंट स्कूल में 77वें गणतंत्र दिवस विद्यालय के संस्थापक मोहन चंद्र उपाध्याय, प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्राचार्य शुभ्रा सक्सेना, राजेश जोशी ने ध्वजारोहण किया। हिंद पब्लिक स्कूल में एमडी नीरज कुमार ने ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ समारोह की शुरुआत की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य भुवन चंद्र जोशी, उप प्रधानाचार्या पूजा जोशी, नीमा कन्याल, उपासना बिष्ट, पूजा पांडे मौजूद रहे। सरस्वती एकेडमी बिगराबाग में बच्चों ने नारेबाजी करते हुए प्रभात फेरी निकली। जिसके बाद चेयरपर्सन ज्योति पाल ने ध्वजारोहण किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंत में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वालों को सम्मानित किया गया।

खटीमा के सिटी कान्वेंट स्कूल में सम्मानित हुए एनसीसी तीनों विंग के कैडेट्स।

एकलव्य में धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

खटीमा : एकलव्य आदर्श विद्यालय में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ प्रधानाचार्य भारती यादव ने ध्वजारोहण कर किया। खेलकूद शिक्षक की देखरेख में बच्चों ने मार्चपास्ट किया। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। वहीं सीनियर्स के फेयरवेल कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अंत में प्रधानाचार्य यादव ने संगीत शिक्षिका दीपा धामी और कला शिक्षक महेंद्र आर्य, अर्चित टंडन, सोबरन सिंह, दीप सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

सितारगंज में लहराया तिरंगा

सितारगंज : सितारगंज में एसडीएम कोर्ट में एसडीएम रविंद्र जुवांठा, तहसील परिसर में, तहसीलदार हिमांशु जोशी, कोतवाली में इंस्पेक्टर सुंदरम शर्मा, खंड विकास कार्यालय में ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल और बीडीओ सीआर आर्य, नगर पालिका में पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, उप जिला अस्पताल में सीएमएस डॉ. कुलदीप यादव, सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेश कंसल, एसआरएम इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधक गोविंद मित्तल, ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल गोपाल सिंह बिष्ट, स्कॉलर वैली इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधक कमलजीत कौर, विभिन्न संस्थानों में वहां के प्रमुख लोगों ने झंडा फहराया। स्कूलों में बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीपाल राणा मौजूद रहे।

स्कूलों में हुए कार्यक्रम

शांतिपुरी : शांतिपुरी के सैनिक स्मारक पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ ही क्षेत्र के आदर्श विद्यालय राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या हाई स्कूल शांतिपुरी, सेंट लामार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल शांतिपुरी सत्संग आश्रम, एच एम जोशी सीनियर सेकेंडरी स्कूल शांतिपुरी, दून अकेडमी स्कूल जवाहरनगर, हीरावती माध्वानंद जोशी सीनियर सेकेंड्री स्कूल शांतिपुरी, के सी एम कॉन्वेंट पब्लिक जे एच स्कूल जवाहरनगर, ग्रेट मदर टेरेसा हायर सेकेंड्री स्कूल शांतिपुरी भरतपुर, संस्कृति इण्टर नेशनल अकेडमी शांतिपुरी ढाकानी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय शांतिपुरी नंबर दो में कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने तीन दर्जन से अधिक पूर्व सैनिकों को शॉल एवं फूल मालाओं से सम्मानित किया।

आयोजन

गौरव सेनानी वीरनारी उत्थान समिति गदरपुर के तत्वावधान में किया कार्यक्रम

देश सेवा में राज्य के जवानों का विशेष योगदान

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: गौरव सेनानी वीरनारी उत्थान समिति गदरपुर के तत्वावधान में गणतंत्र दिवस की संध्या पर एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सूबेदार मेजर विक्रम सिंह रावत ने कहा कि देश की तीनों सेनाओं में उत्तराखंड के जवानों का विशेष योगदान रहा है। इस दौरान अतिथियों, वीरनारियों व वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सोमवार को रामलीला मैदान चक्कीमोड़ में गौरव सेनानी वीरनारी उत्थान समिति गदरपुर के तत्वावधान में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे ध्वजारोहण से किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर विक्रम सिंह रावत, अति विशिष्ट अतिथि डीसीबी डायरेक्टर मोहन सिंह पानू, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर, गूलरभोज नपं अध्यक्ष सतीश चुघ, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह नयाल, समाजसेवी बलविंदर साहू व कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने संयुक्त रूप से शहीद रमेश सिंह पानू, शहीद मनोज रावत, शहीद त्रिलोक सिंह, शहीद भोपाल सिंह कोश्यारी व शहीद अशोक शाही के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। तत्पश्चात न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर, होली कृष्णा स्कूल दिनेशपुर, किड्स पैराडाइज पब्लिक स्कूल दुर्गापुर, लिटिल चैंपियन स्कूल मदनापुर व नवोदय इंटर कॉलेज चक्कीमोड़ के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों व नुक्कड़ नाटकों के साथ उत्तराखंड की संस्कृति पर गीतों और नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अध्यक्षता समिति अध्यक्ष कैप्टन धन सिंह कोरंगा व संचालन सूबेदार मेजर हिम्मत सिंह कोरंगा, समिति सचिव भगत सिंह धर्मशक्तू, रमेश कन्याल ने किया। इस मौके पर विशिष्ट तिथि में कूल्हा प्रधान गीता देवी, मदनपुर प्रधान अवतार सिंह, जिपंस भावना कोरंगा, भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू, कोपा प्रधान मौसमी देवी आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित करते पूर्व सैनिक।

काशीपुर में आकर्षक ढंग से सजाए सरकारी कार्यालय

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर नगर क्षेत्र में 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, गौरव और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। नगर निगम व कोतवाली समेत कई सरकारी कार्यालय आकर्षक ढंग से सजाए गये। नगर निगम में महापौर दीपक बाली, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा और पूर्व महापौर उषा चौधरी एवं निगम पार्षदों द्वारा नगर निगम में सार्वजनिक ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान पत्रकार विनोद भगत की पुस्तक दरकते सपने का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट, कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा, पार्षद दीपा पाठक आदि मौजूद रहे। समर स्टडी हॉल में स्कूल अध्यक्षा मुक्ता सिंह, लिटिल एकेडमी में संचालिका अर्चना लोहनी, गन्ना एवं चीनी उद्योग में आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया, उदयराज हिन्दू इंटर कॉलेज में नरेंद्र चंद्र सिंह, केंद्रीय विद्यालय में प्रधानाचार्य मधुबाला, मास्टर इंटरनेशनल स्कूल में प्रबंधिका शिल्पी गर्ग, सम्राट पृथ्वीराज कॉलेज में मैनेजिंग डायरेक्टर महेश सिंह चौहान ने झंडारोहण किया। इधर शिवालिक होली माउंट स्कूल में स्कूल प्रबंधक वीवी भट्ट समेत अतिथियों ने झंडारोहण किया। उधर काशीपुर बार एसोसिएशन ने बार भवन में कार्यक्रम किया। जिसमें द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीतेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा को सम्मानित किया गया। वहां पर न्यायिक अधिकारी द्वितीय अपर जिला जज रीतेश कुमार श्रीवास्तव, न्यायिक मजिस्ट्रेट विनीत कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे।

काशीपुर के नगर निगम में झंडारोहण करते मेयर व अन्य। ● अमृत विचार

झंडा आधा झुका मिलने से खलबली

काशीपुर : उस समय प्रशासन में खलबली मच गई जब यह पता चला कि जल संस्थान में फहराया गया झंडा आधा झुका हुआ मिला। किसी ने इसकी सूचना एसडीएम अभय प्रताप सिंह को दी। उनके निर्देश पर तहसीलदार पंकज चंदोला मौके पर पहुंचे और जल संस्थान के अधिकारियों को मौके पर बुला उसे ठीक करने को कहा। जल संस्थान के सहायक अभियंता नरेंद्र रेखाड़ी ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज में पतंग लिपटी पड़ी थी।

सिटी ब्रीफ

लूट का आरोपी गिरफ्तार, जेवर बरामद

किच्छा : पुलिस ने विकास कॉलोनी में वृद्ध महिला से हुई लूट की वारदात का महज़ तीन दिनों में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने बरेली निवासी आरोपी अरविंद कुमार उर्फ ''कबीर'' को गिरफ्तार कर उसके पास से लूटे गए शत-प्रतिशत आभूषण बरामद कर लिए हैं। बता दें कि आरोपी ने पड़ोस में रहने वाली वृद्ध शोभा सक्सेना के घर में घुसकर उनसे सोने के कुंडल और चांदी की चेन व पाजेब लूट ली थी। तहरीर मिलने पर उपनिरीक्षक ओम प्रकाश नेगी के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को घेराबंदी कर दबोच लिया।

पत्रकार के घर में चोरी

रुद्रपुर : चोरों ने वरिष्ठ पत्रकार के घर धावा बोलकर लाखों रुपये के आभूषण और बेटे की फीस के लिए रखी नगदी भी चोरी कर ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तलाश तेज कर दी है।

बताते चलें कि 23 जनवरी से लेकर 26 जनवरी की रात्रि तक चोरों ने थाना ट्रांजिट कैंप में तीन और कोतवाली इलाके में चार बड़ी चोरियों की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस को तहरीर देकर हुए वरिष्ठ पत्रकार सत्यपाल अरोड़ा ने बताया कि वह परिवार के साथ भूरारानी रोड स्थित नैना कॉलोनी में रहता है। 9 जनवरी को घर पर ताला लगाकर देहरादून चला गया था, जबकि पत्नी बिजनौर गयी हुई थी। 26 जनवरी की सुबह सवा 11 बजे जब पत्नी के साथ घर लौटा तो देखा कि ताला टूटा हुआ पड़ा था और घर का सामान बिखरा हुआ था।

पूर्व विधायक पर लोक लज्जा हनन का मुकदमा दर्ज

पूर्व पालिकाध्यक्ष ने दिया कोतवाली में धरना, वर्ष 2024 में वायरल हुआ था कथित ऑडियो

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वर्ष 2024 में पूर्व विधायक का ऑडियो जिन्न एक बार फिर बाहर निकल चुका है। इस बार पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा के कोतवाली में धरना देने के बाद पुलिस ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल पर महिला की लोक लज्जा खनन करने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंगलवार को पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा और महानगर अध्यक्ष ममता रानी सहित कई महिलाएं कोतवाली में एकत्रित हुईं। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन करते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल पर कार्रवाई का मुद्दा उठाया। धरना प्रदर्शन की भनक लगते ही पुलिस ने ठुकराल पर महिला की लोक लज्जा को हनन करने का मुकदमा दर्ज कर लिया।

धरना देते हुए शिकायतकर्ता एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा ने बताया कि दिसंबर 2024 में तत्कालीन भाजपा विधायक राजकुमार ठुकराल का एक अशोभनीय एवं अभद्र भाषा का ऑडियो वायरल हुआ था। जिसमें पूर्व विधायक द्वारा उनके व पति के खिलाफ अश्लील टिप्पणी की गई थी। उन्होंने इस दौरान कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया, लेकिन सत्ता का दबाव होने के कारण मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। उन्होंने ऐलान किया कि यदि जांच कर ठुकराल के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है तो अप्रिय कदम उठाने को विवश होगी। इस मौके पर पूनम गुप्ता, सरोज रानी, माधुरी देवी, श्वेता शर्मा, भूरी देवी कोली, कविता जोशी आदि मौजूद रहे।

कोतवाली में धरना देतीं पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा। • अमृत विचार

पूर्व विधायक ठुकराल एआई व डीप फेक का देते रहे हवाला

रुद्रपुर : पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा का यह भी आरोप था कि वर्ष 2024 से लेकर 2026 तक पूर्व विधायक ठुकराल यह बोलते रहे कि यह ऑडियो एआई या फिर डीप फेक द्वारा बनाई गई है। हर व्यक्ति यह जानता है कि ठुकराल की भाषा शैली क्या है। यदि ठुकराल वास्तव में सच्चाई बोल कर माफी मांगते तो शायद उनका परिवार माफ कर देता, लेकिन हर बार ठुकराल उनकी लोक लज्जा का हरण करते रहे। जिसे अब बर्दाश्त नहीं करूंगी और पुलिस ऐसे नेताओं के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई करे।

बोली मीना शर्मा-कर लूंगी आत्महत्या

रुद्रपुर : पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए शिकायतकर्ता एवं कांग्रेस नेत्री मीना शर्मा ने पुलिस से सवाल पूछे। पुलिस ने अभी तक 2 अक्टूबर 2011 दंगे का मास्टरमाइंड कौन है, किसने 2021 में गोवंशीय पशुओं की हत्या करवाई, किसने ऑडियो बनाई और किसने वायरल की। अभी तक सत्यता की पुलिस ने जांच क्यों नहीं की। यदि उनके आरोप गलत हैं तो वह जेल जाने को तैयार हैं। उन्होंने ऐलान किया कि यदि पुलिस ने जल्द सवालों के जवाब नहीं दिए तो वह कोतवाली में आकर सुसाइड करेंगी। मीना शर्मा के तेवर देख पुलिस में खलबली मची रही।

सीओ-एसडीएम ने दिया आश्वासन

रुद्रपुर : पूर्व विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद सीओ प्रशांत कुमार और एसडीएम मनीष बिष्ट कोतवाली पहुंचे। उन्होंने पूर्व पालिकाध्यक्ष को आश्वासन दिया कि जल्द ही पुलिस प्रकरण की शुरू करेगी और सार्वजनिक तौर पर जांच का खुलासा भी करेगी। उन्होंने कहा कि ऑडियो को जांच के लिए भी भेजा जाएगा। जिसके लिए कोतवाल को आदेशित कर दिया है। पुलिस जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी।

तो क्या ठुकराल के कांग्रेस में आने की खबर से है हलचल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधानसभा का चुनाव हो या फिर निकाय का चुनाव हो, हर बार स्वतंत्र राजनीति कर रहे पूर्व विधायक के कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा शुरू हो जाती है। वर्ष 2027 में विधानसभा का चुनाव नजदीक आने लगा तो ठुकराल के कांग्रेस में जल्द शामिल होने की हलचल होने लगी।

हर बार की भांति एक फिर ठुकराल पर लोक लज्जा हनन का ऑडियो का जिन्न बाहर निकला। अब सवाल यह उठता है कि कांग्रेस यह भी जानती है कि ठुकराल के आने से पार्टी मजबूत होगी। अभी तक किसी भी नेता या जिला स्तरीय पदाधिकारी ने प्रकरण को नियंत्रित करने के लिए अहम रोल नहीं निभाया तो क्या रुद्रपुर के नेताओं को अपनी राजनीति खिसकती हुई नजर आती है। अब देखना यह है कि क्या इस बार भी ठुकराल अकेले रहेंगे या फिर कांग्रेस हाईकमान अपने इरादे साफ करती है।

वर्ष 1989 से तीन बार रुद्रपुर डिग्री कॉलेज छात्र संघ अध्यक्ष, वर्ष 2003 से 2008 और वर्ष 2012 से 2022 तक भाजपा से राजकुमार ठुकराल विधायक रहे। भाजपा से टिकट कटने के बाद राजकुमार ठुकराल ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और निर्दलीय होने के बाद भी 27 हजार मत प्राप्त किए थे। इससे ठुकराल का राजनीति कद काफी बढ़ा है। मगर अक्सर जुबान फिसल जाने के कारण वह उतनी ही चर्चाओं में भी रहे हैं। जानकारों का मानना यह भी है कि जिस प्रकार कांग्रेस रुद्रपुर विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना देखती है तो उस डूबती नैया को यदि कोई पार लगा सकता है तो वह ठुकराल हैं।

चर्चा यह भी है कि ठुकराल के कांग्रेस में आने के बाद शायद कई स्थानीय नेताओं की राजनीतिक जमीन खिसक सकती है। इसी कारण कांग्रेस के नेता ही ठुकराल की राह में रोड़ा बिछाने का काम कर रहे हैं। पूछने पर नेताओं का कहना है कि ठुकराल ने हमेशा भाजपा का साथ दिया। निकाय चुनाव में भी भाजपा समर्थित मेयर को खुलेआम चुनाव लड़ाया और समझाने के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी को हराने का काम किया है। अब देखना है कि बदलते क्रम में ठुकराल क्या फैसला लेते हैं।

व्यापार मंडल चुनाव में चिह्न आवंटित

खटीमा : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के चुनाव के लिए 26 जनवरी को हुए नामांकन में अध्यक्ष पद के तीन सहित 11 नामांकन दाखिल किए गए थे। मंगलवार को किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया और शाम को चुनाव चिह्न आवंटित किए गए।

मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल बत्रा, दिनेश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल और अमित वर्मा की देखरेख में सोमवार को 11 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे जिनकी शाम को हुई जांच में सभी वैध पाए गए थे। चुनाव अधिकारी मंगलवार को 11 से दो बजे तक नाम वापसी वालों का इंतजार करते रहे लेकिन किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया। जिसके बाद चुनाव अधिकारियों द्वारा चुनाव चिह्न आवंटित किए गए। जिनमें अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अमन अरोड़ा को को कार, तारा दत्त कांडपाल को उगता सूरज और रबीश भटनागर को छाता चुनाव चिह्न आवंटित किया गया। वहीं महामंत्री पद के प्रत्याशी कश्यप मोटवानी को ट्रैक्टर, गुलफाम अली को पतंग, मोहम्मद शरीफ को गैस सिलेंडर, रवि अग्रवाल को केतली और विजय गुप्ता को गुड़िया चुनाव चिह्न दिया गया। वहीं कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी गौरव अग्रवाल को शेर, मोहम्मद जरीफ को हवाई जहाज, शुभम गोयल को कप प्लेट चुनाव चिह्न मिला।

चलती कार में युवती से रेप, आरोपी दबोचा

- ट्रांजिट कैंप इलाके की है वारदात, लिफ्ट देने के नाम पर कार में बैठाया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप में बदमाशों ने राह चलती एक युवती को लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठाया और फिर रेप कर डाला। चंगुल से भागी युवती ने घटना की जानकारी थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक की तलाश शुरू कर दी है।

25 जनवरी की सुबह आवास विकास की रहने वाले एक युवती सिडकुल कंपनी से जा रही थी। इस बीच युवती चौराहे पर खड़े होकर टेंपो की प्रतीक्षा में पैदल जा रही थी। अचानक रास्ते में कार सवार दो युवक आए और कंपनी छोड़ने की बात कहने लगे। बोलचाल में सज्जन लगने के कारण युवती कार की पिछली सीट पर जाकर बैठ गयी। इस बीच एक युवक उतरते ही पिछली सीट पर आकर बैठ गया और चलती कार में छेड़छाड़ करने लगा।

आरोप था कि युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और सिडकुल चौराहे पर छोड़कर भाग गए। युवती ने फौरन थाना ट्रांजिट कैंप पहुंचकर घटना की जानकारी दी। सूचना के आधार पर दरोगा महेश कांडपाल ने अपनी टीम के साथ दबिश देकर आदर्श कॉलोनी निवासी राहुल दास को गिरफ्तार कर लिया। राहुल मूलरूप से गांव गबिया सराई रामनगर माधोटांडा पीलीभीत का रहने वाला है।

रेप कांड के आरोपी के साथ पुलिस।

रेप करता रहा युवक, धमकी देता रहा दोस्त

रुद्रपुर : पीड़िता के बयान के आधार पर पता चला कि जिस वक्त कार सवार युवकों ने उसे कंपनी छोड़ने के लिए लिफ्ट दी थी। उस वक्त राहुल नाम का युवक आगे बैठा हुआ था और दोस्त कार चला रहा था। जब युवक ने छेड़छाड़ शुरू की तो कार संचालक दोस्त बार-बार यही धमकी दे रहा था कि अगर शोर मचाया तो गला दबाकर मार देना और फिर रेप कर देना। जिसके बाद युवती सहम गई और अभियुक्त बलात्कार करता रहा। युवती ने पुलिस को बताया कि अभियुक्त भी उसकी हत्या की धमकी दे रहा था। जिसके बाद पुलिस ने दोस्त को अभियुक्त बनाकर सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

चलती रही कार, लुटती रही आबरू

रुद्रपुर : पीड़िता का कहना था कि जिस वक्त उसे लिफ्ट देने के बहाने कार में बिठाया था, उस वक्त उसे यह नहीं पता था कि कार सवार युवकों के इरादे ठीक नहीं है। जब वह पिछली सीट पर बैठी तो राहुल सामान निकालने के बहाने आया और फौरन पिछली सीट पर बैठते ही दोस्त से कार भगाने को कहा। जिसके बाद कार तेज रफ्तार में चलती रही। अभियुक्त उन रास्तों पर कार दौड़ा रहा था जिन पर आवाजाही बेहद कम होती है। कार के शीशे काले होने के कारण कोई घिनौनी घटना को देख नहीं पाया। अभियुक्तों की दरिंदगी के आगे युवती बेबस हो गई।

सितारगंज में लगाया बहुउद्देशीय शिविर

सितारगंज, अमृत विचार : यूसीसी दिवस पर सितारगंज में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें यूसीसी के अंतर्गत विभिन्न प्रमाणों के साथ आधार कार्ड, जाति, स्थायी व आय प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। शिविर में 187 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। मंगलवार को तहसील परिसर में आयोजित शिविर में राजस्व, पंचायती राज, नगर पालिका, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग व बाल विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के स्टाल लगाए गए। यूसीसी के अंतर्गत सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों को डीएम की ओर जारी प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में जीआईसी रुदपुर से मयंक विश्वास, वाद-विवाद प्रतियोगिता में जीआईसी शक्तिफार्म से आयुष पासवान, चित्रकला में जीआईसी शक्तिफार्म से ध्रुव मंडल, स्लोगन प्रतियोगिता में जीआईसी रुदपुर से ज्योति, निबंध प्रतियोगिता में जीआईसी शक्तिफार्म से करन सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

यूसीसी दिवस पर लगा जनसुविधा शिविर

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून लागू होने का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यूसीसी दिवस गौरव के साथ मनाया गया। इस दौरान नगर निगम और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से एक विशाल कार्यशाला एवं जनसुविधा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर विकास शर्मा ने फीता काटकर किया गया।

मंगलवार को गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महापौर के साथ जिलाधिकारी नितिन भदौरिया सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड देश का वह पहला राज्य है जिसने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में समान नागरिक संहिता को धरातल पर उतारकर एक मिसाल पेश की है। अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सराहना करते हुए कहा कि धामी सरकार विशेष रूप से अल्पसंख्यक बहनों के लिए एक फरिश्ते के रूप में कार्य कर रही है। जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने कार्यशाला में कहा कि आज प्रथम यूसीसी दिवस मनाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, एडीएम पंकज उपाध्याय, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल, कीरतपुर ग्राम प्रधान आशीष यादव, ग्राम प्रधान मंदीप वर्मा, देवभूमि व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंह, एसडीएम मनीष बिष्ट, सीडीओ दिवेश शाशनी आदि मौजूद रहे।

जनसुविधा शिविर में स्टॉलों से जानकारी लेते महापौर और डीएम। • अमृत विचार

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते लोक कलाकार। • अमृत विचार

सांस्कृतिक संध्या में झूमे पंतनगर वासी

पंतनगर : गणतंत्र दिवस पर सोमवार को रामलीला मैदान में उत्तरायणी कौथिग कमेटी की ओर से उत्तरायणी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लोक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं। मेले में नगला, जवाहर नगर सहित आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध लोक कलाकार जितेंद्र तोमक्याल एवं पुष्कर मेहर पार्टी ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन आशीष ढांडा और कमेटी अध्यक्ष हरीश भट्ट ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्राध्यापक डॉ. जीसी जोशी, डॉ. बृजेश सिंह, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, पालिकाध्यक्ष सचिन शुक्ला, हरीश पनेरु, विवेक सक्सेना, ईश्वर पाल सिंह चैहान व पिंकी डिमरी आदि मौजूद रहे।

फाइनेंस कर्मी से हड़पे पांच लाख

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके के रहने वाले एक फाइनेंस कर्मी से लाखों रुपये साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। जिसके बाद पीड़ित लगातार थाना-चौकी और साइबर क्राइम थाने के चक्कर काट रहा है और कार्रवाई की जानकारी जुटा रहा है।

जानकारी के अनुसार थाना ट्रांजिट कैंप निवासी कौशल गंगवार ने बताया कि वह बजाज फाइनेंस में काम करता है। 3 जनवरी की दोपहर को मोबाइल पर साढ़े छह लाख रुपये का मैसेज आता है और जैसे ही उसने मैसेज देखा। उसके दो मिनट बाद ही एक लाख और पांच मिनट बाद ही चार लाख रुपये निकासी का मैसेज आया। जिसे देखकर वह हैरान हुआ।

अमीर युवकों को हनी ट्रैप में फंसाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- गिरोह की दो युवतियां व एक युवक गिरफ्तार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना गदरपुर पुलिस ने एक ऐसे हनी ट्रैप गिरोह का पर्दाफाश किया है जो अमीर युवकों को प्रेमजाल में फंसाकर अश्लील वीडियो बना लेता था और फिर ब्लैकमेल कर रंगदारी मांगता था। पुलिस ने दो युवतियों और एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि फरार तीन आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने बरामद कार को सीज कर दिया है।

हनी ट्रैप प्रकरण का खुलासा करते हुए एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि रामपुर यूपी के रहने वाले दाऊद ने थाना गदरपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि युवतियों ने सोशल मीडिया पर मैसेज भेजकर प्रेमजाल में फंसाया। फिर मोबाइल पर ही अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। बार-बार धमकी देते हुए युवतियों ने 1.35 लाख रुपये हड़प लिए। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी गदरपुर संजय पाठक ने तफ्तीश शुरू की और सर्विलांस और आधुनिक तकनीक की मदद से 25 जनवरी की शाम को दबिश देकर चादर बाला रामपुर निवासी जौहर उर्फ महक, राजपुरा कोने वाली गली रामपुर निवासी राबिया अहमद और स्वार गेट मुंडिया नाहर बाग निवासी रोहन सिंह को गिरफ्तार कर लिया और कब्जे से वाहन को बरामद कर लिया है। जबकि फरार दीपक कुमार, राहुल और शिवम उर्फ हैप्पी की तलाश तेज कर दी है।

अभियुक्त के साथ खुलासा करते एसएसपी मणिकांत मिश्रा। • अमृत विचार

बेबस बनकर युवकों को फंसाती थी महक

रुद्रपुर : हनी ट्रैप का मायाजाल फैलाने वालों में किसी एक व्यक्ति का दिमाग नहीं है, बल्कि दस सक्रिय सदस्यों की रणनीति होती है। जिसमें सबसे ज्यादा किरदार महक निभाती है जो अमीर युवकों को सोशल मीडिया के माध्यम से एजेंसी कर्मी बताती है। वह एक बेबस लड़की की कहानी बताकर भावुक करती है। शिकायतकर्ता को भी महक ने एजेंसी कर्मी बताया और फिर शुरू किया, ब्लैकमेलिंग का खेल। थाना प्रभारी गदरपुर संजय पाठक ने बताया कि रामपुर का रहने वाला दाऊद जिस वक्त तहरीर लेकर आया था। उस वक्त शिकायतकर्ता ने बताया कि महक नाम की युवती ने सोशल मीडिया पर मैसेज भेजकर पहले दोस्ती की। उसने खुद को गदरपुर स्थित ऑटो कंपनी में काम करने वाली बताया था। उसने बताया कि परिवार की जिम्मेदारी उसके कंधों पर है। यदि कोई सच्चा जीवन साथी मिल जाए तो वह शादी कर अपना घर बसा सकती है। जांच में यह भी पता चला कि वीडियो बनाते ही गिरोह के सक्रिय दस सदस्य शिकार को फोन कर बदनाम करने, दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने और जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी वसूलते हैं। जांच में यह भी पता चला है कि अपनी बेबसी की कहानी बताकर महक ने कई युवकों को हनी ट्रैप में फंसाया। जिस कारण यूपी में महक के खिलाफ हनी ट्रैप और रंगदारी के कई मामले पंजीकृत हैं। जिसको लेकर यूपी पुलिस से संपर्क किया जा रहा है।

आक्रोश | बैठक कर दिया एकजुटता का संदेश, जल्द बनाई जाएगी 11 सदस्यीय कमेटी

भाजपा नेता के अमर्यादित बयान पर भड़क उठा सिख-खत्री समाज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर भाजपा नेता द्वारा अमर्यादित बयान के खिलाफ भड़के सिख-खत्री समाज ने एक बैठक की। साथ ही निर्णय लिया कि यदि कोई भी व्यक्ति समुदाय के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी करता है तो मुकदमा दर्ज कर मजबूती के साथ मुकदमा लड़ा जाएगा। भाजपा नेता के बयान को लेकर जल्द ही एक 11 सदस्यीय कमेटी बनाने का भी निर्णय लिया गया है।

बताते चलें कि कुछ दिन पहले पार्षद पति एवं भाजपा नेता राधेश शर्मा ने सोशल मीडिया पर खुलेआम सिख और खत्री समाज से जुड़े कुछ नेताओं को चैलेंज करते हुए अमर्यादित बयान दिया था। जिसके बाद व्यापारी नेता संजय जुनेजा और राधेश शर्मा के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। सोमवार की शाम अचानक सिख और खत्री समुदाय की आपात बैठक पांच मंदिर में बुलाई गई। बैठक में भाजपा नेता की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया गया कि कुछ लोग शहर की कौमी एकता को खंडित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसे सिख-खत्री समाज अब बर्दाश्त नहीं करेगा।

निर्णय लिया गया कि पंजाबी नेता हरीश जल्होत्रा व केवल कृष्ण बत्रा की अगुवाई में 11 सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी। जहां विवादित बयान देने वाले भाजपा नेता को बुलाया जाएगा और बयान देने का कारण पूछा जाएगा। संतोषजनक जवाब देने पर कमेटी विचार करेगी। यह भी निर्णय हुआ है कि यदि कोई भी व्यक्ति अनर्गल बयानबाजी कर समाज की भावनाओं को आहत पहुंचाता है तो समुदाय उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करेगा और अंजाम तक पहुंचाने तक उसकी पैरवी करेगी। इस मौके पर राजकुमार फुटेला, जगदीश तनेजा, विजय फुटेला, नरेश शर्मा, राजेश पुंछी, गौरव गांधी, अभिमन्यु ढींगरा, सुरेंद्र मिड्ढा, राकेश सुखीजा, हरीश सुखीजा, राजेश पप्पल मौजूद रहे।

भाजपा नेता के बयान के खिलाफ बैठक करते सिख-खत्री समुदाय। • अमृत विचार

> पिछले कुछ दिन पहले जगतपुरा निवासी भाजपा नेता राधेश शर्मा ने सोशल मीडिया पर खुलेआम इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल किया था। जिसे सुनकर हर सिख-खत्री समुदाय आक्रोशित था और बेहद ही आहत हुआ। उसी को लेकर एक बैठक बुलाई गई। जिसका निर्णय अब 11 सदस्यीय कमेटी ही लेगी, लेकिन कौमी एकता को खंडित करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। **-संजय जुनेजा**, व्यापारी नेता

> विधानसभा में हर जाति-धर्म का व्यक्ति रहता है जो हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। कुछ लोग ऐसे है जो सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने के लिए देश-पंजाबी वाद कर लोगों को बांटने और भड़काने की राजनीति पर उतारू है। भाजपा नेता का बयान शर्मसार करने वाला रहा। जल्द ही कमेटी भाजपा नेता ने संतोषजनक जवाब नहीं लेगी तो समुदाय ठोस रणनीति बनाएगा। **-सुशील गाबा**, समुदाय नेता

> कोई भी जाति-धर्म का व्यक्ति हो भारत का कानून किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं देता है। आरोपी को सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। निर्णय लिया है कि कोई भी व्यक्ति जातिवाद की राजनीति करता है। खासतौर पर पंजाबी खत्री समुदाय के खिलाफ बोलता है तो खुद अपना वकालतनामा पेश कर निशुल्क पैरवी करेंगे। ताकि शहर की फिजा बिगड़ने से बचाया जा सके। **-कुलवीर सिंह ढिल्लो**, अधिवक्ता

> खत्री व सिख समुदाय के कुछ नेता लगातार समाज के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर रहे थे। जिसको लेकर उनके द्वारा आवेश में आकर सोशल मीडिया पर अपना बयान दिया था। उनका उद्देश्य संपूर्ण समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं था, लेकिन कुछ नेताओं को लेकर नाराजगी थी। बैठक होने की जानकारी मिली है और गठित कमेटी यदि बुलाएगी तो वह प्रबलता से अपना पक्ष रखेंगे। **-राधेश शर्मा**, भाजपा नेता

प्रेम विवाह कर युवती को किया आत्महत्या पर विवश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: पश्चिम बंगाल के रहने वाले एक युवक पर युवती को प्रेमजाल में फंसाकर प्रेम विवाह करने और फिर आत्महत्या के लिए विवश करने का मामला सामने आया है। युवती की मां की याचिका पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मूल रूप से समोदार पाडा गंगापुर नदिया वेस्ट बंगाल एवं हाल निवासी शिव गार्ड कॉलोनी ट्रांजिट कैंप की रहने वाली दीपाली दास ने बताया कि वर्ष 2022 में उसकी बेटी सुचित्रा दास ने गांव सेंट्रल पल्ली गगनापुर नदिया वेस्ट बंगाल के साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के कुछ समय बाद ही दामाद बेटी को घर ले गया। जिसके बाद दामाद ने बेटी को गुमराह कर रुद्रपुर सिडकुल आकर नौकरी करने लगा और वेस्ट बंगाल आता जाता रहा, लेकिन जब बेटी पति को आने को कहती थी तो जेठ विश्वजीत भद्र, सास शिप्रा भद्र मानसिक व शारीरिक यातनाएं देने लगे। आरोप था कि घर वालों के भड़काने पर दामाद भी बेटी को यातनाएं देने लगा। जिसके बाद से बेटी मानसिक अवसाद से गुजरने लगी। बताया कि 8 नवंबर 2025 की रात्रि सूचना मिली कि बेटी सुचित्रा ने सुसाइड कर लिया। जिसकी लिखित सूचना थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को दी। शिकायतकर्ता का कहना था कि ससुराल पक्ष ने इतनी यातनाएं दी होंगी कि बेटी को आत्महत्या करने पर विवश कर दिया।

ब्रीफ न्यूज

पर्वतीय क्षेत्रों में डीडीए से जनता परेशान: जोशी

अल्मोड़ा : जिला विकास प्राधिकरण के खिलाफ मंगलवार को सर्वदलीय संघर्ष समिति ने धरना दिया। इस दौरान शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर जल्द डीडीए समाप्ति का शासनादेश जारी करने की मांग उठाई। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। नगर के मालरोड स्थित गांधी पार्क में आयोजित धरना स्थल पर समिति के संयोजक पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी ने कहा कि बीते दस साल से संघर्ष समिति डीडीए को समाप्त करने की मांग कर रही है। लेकिन अब तक डीडीए समाप्ति को लेकर सरकार कोई भी फैसला नहीं ले सकी है।

भतरौजखान में गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा : भतरौजखान पुलिस ने मोहान के पास एक युवक को गांजे के साथ दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से 9.358 किलो गांजा बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार भतरौजखान थानाध्यक्ष अवनीश कुमार के नेतृत्व में टीम ने आईएमपीसीएल फैक्ट्री मोहान के पास बाइक संख्या यूके 18 एम 2075 को रोका। तलाशी में आरोपी पुष्पेन्द्र पुत्र चन्द्र पाल सिंह, निवासी काली माता मन्दिर बन्नाखेड़ा, बाजपुर, ऊधमसिंहनगर के कब्जे से गांजा बरामद किया गया।

बैंकों में हड़ताल से कामकाज ठप

बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर बैंक कर्मी मुखर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: बैंक क्षेत्र में सप्ताह में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को अल्मोड़ा में तमाम बैंकों में कर्मचारी हड़ताल पर रहे। जिससे सामान्य बैंकिंग कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर मंगलवार को अल्मोड़ा में एसबीआई, पीएमबी, कैनरा समेत अन्य बैंक कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। इस मौके पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव मोहम्मद यासर अंसारी ने कहा कि बैंक कर्मी लंबे समय से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

कहा कि केंद्र सरकार के अधिकांश विभागों में पांच दिवसीय कार्य प्रणाली लागू है, ऐसे में बैंकिंग सेक्टर को इससे बाहर रखना न्यायसंगत नहीं है। इसके अलावा कर्मचारियों ने कार्यभार में कमी, स्टाफ की कमी दूर करने और बेहतर कार्य-परिस्थितियों की भी मांग उठाई। हड़ताल के कारण जिले में कराड़ों रुपये का लेनदेन प्रभावित होने का अनुमान लगाया गया है। यहां प्रदर्शन करने वालों में अर्जुन वाल्मीकि, मयंक गुप्ता, वेदिका जोशी, मुकुल चौहान, अखिलेश, दीपिका, धर्मेश कुमार, स्वीटी बिष्ट, प्रीति पांगती आदि बैंकों के कर्मचारी मौजूद रहे।

आम जनता पर पड़ा असर: अल्मोड़ा में हड़ताल के चलते बैंक शाखाओं के बाहर ताले लटके रहे, जिससे आम उपभोक्ताओं, व्यापारियों, किसानों, पेंशनधारकों और छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, चेक क्लीयरेंस, कैश डिपॉजिट और अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय कार्य ठप रहे।

अल्मोड़ा में मंगलवार को मांगों को लेकर प्रदर्शन करते बैंक कर्मचारी। ● अमृत विचार

समस्याओं का निदान नहीं होने पर कर्मचारियों में आक्रोश

अल्मोड़ा : 18 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर राज्य कर्मचारियों का आंदोलन जारी है। मंगलवार को भी कर्मचारियों ने विभागों में गेट मिटिंग कर समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के आह्वान पर मंगलवार को भी विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने गेट मीटिंग की। कहा कि कर्मचारी लंबे समय से 18 सूत्रीय मांगों को लेकर शासन से वार्ता कर रहे हैं। सरकार की ओर से कई बार मांगों को पूरा करने के लिए आश्वासन भी दिए गए, लेकिन इसके बावजूद मांगों को पूरा करने के लिए कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। इससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। यहां प्रदर्शन करने वालों में जिलाध्यक्ष उमापति पांडे, प्रांतीय संप्रेक्षक रमेश सिंह कनवाल, महामंत्री ग्राम विकास अधिकारी संघ पंकज रौतेला, करुणा टम्टा, अनीता टम्टा, आशा भैसोड़ा, हर्षिता पांडे, सुमन जोशी, नीरज सनवाल, बची राम, हरिहर मेहता आदि रहे।

मल्टीलेवल पार्किंग के लिए 6.64 करोड़ रुपये हुए स्वीकृत

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनपद चम्पावत के ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में जनपद चम्पावत के विकासखंड पाटी अंतर्गत खेतीखान क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण के अनुक्रम में नियोजन विभाग की तकनीकी संपरीक्षा प्रकोष्ठ द्वारा कार्यदायी संस्था ग्रामीण निर्माण विभाग, चम्पावत को 664.49 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत धनराशि का 40 प्रतिशत, लगभग 265.796 लाख जारी कर दिया गया है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना के पूर्ण होने से खेतीखान क्षेत्र में लंबे समय से बनी पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। इससे स्थानीय निवासियों, पर्यटकों तथा वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी और यातायात व्यवस्था भी अधिक सुगम बनेगी।

शटडाउन के दौरान करंट आने से लाइनमैन की मौत

संवाददाता, अल्मोड़ा

- धौलादेवी ब्लॉक के कोटुली गांव में हुआ हादसा
- शटडाउन लेकर फॉल्ट ठीक करने गया था लाइमैन

अमृत विचार: धौलादेवी ब्लॉक के कोटुली गांव में ऊर्जा निगम की लापरवाही का मामला सामने आया है। फाल्ट ठीक करते समय शटडाउन लाइन में करंट दौड़ गया। जिससे लाइनमैन की मौत हो गई। घटना के बाद ऊर्जा निगम ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

मिली जानकारी अनुसार बीते दिनों जिलेभर में बारिश और बर्फभारी के चलते धौलादेवी में कई गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई हो गई थी। तमाम जगह आए फाल्ट को ठीक करने के लिए कर्मचारी लगाए गए थे। वहीं, 45 वर्षीय लाइनमैन पूरन सिंह, निवासी ग्राम काना जागेश्वर क्षेत्र में बिजली फाल्ट ठीक कर वापस घर लौट गए थे। इसी दौरान कोटूली गांव में विद्युत लाइन में आग लगने की सूचना मिली। समस्या को ठीक करने के लिए पूरन सिंह को दोबारा मौके पर बुलाया गया।

लाइन पर कार्य के दौरान उन्हें शटडाउन दिया गया था, लेकिन इसी बीच तोली पावर हाउस से किसी अन्य कर्मचारी द्वारा बिना पुष्टि किए शटडाउन वापस ले लिया गया। शटडाउन हटते ही लाइन में अचानक विद्युत प्रवाह शुरू हो गया, जिससे पूरन सिंह करंट की चपेट में आ गए और तारों से चिपक गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो चुकी थी। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है और ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शटडाउन देने और लेने की प्रक्रिया में भारी लापरवाही बरती गई।

> मामले की जांच के आदेश के साथ ही वरिष्ठ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर को जांच सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिजनों को विभाग की ओर से चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। –**कन्हैया जी मिश्रा**, अधिशासी अधिकारी, ऊर्जा निगम, अल्मोड़ा

रानीखेत में सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय में झंडा रोहण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

रानीखेत में 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया

रानीखेत, अमृत विचार : 77वें गणतंत्र दिवस पर नगर क्षेत्र के सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। तहसील परिसर में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने ध्वजारोहण किया, जबकि केआरसी मुख्यालय में ब्रिगेडियर यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सीमान्त मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल रानीखेत में मुख्य अतिथि उप महानिरीक्षक परीक्षित बेहरा ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद ध्वजारोहण किया गया और सैन्य टुकड़ी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। समारोह के दौरान उप महानिरीक्षक द्वारा आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन एवं प्रशासनिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 5 अधीनस्थ अधिकारियों व 10 जवानों को महानिदेशक प्रशंसा पत्र, डिस्क और आंतरिक सुरक्षा पदक से अलंकृत किया गया। नगर क्षेत्र के गांधी चौक, सुभाष चौक, विजय चौक, जय जवान जय किसान पार्क, लाल बहादुर शास्त्री पार्क व पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क में भी ध्वजारोहण हुआ। चिलियानौला नगर पालिका परिषद कार्यालय में अध्यक्ष अरुण रावत व अधिशासी अधिकारी दीपा परिहार ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर सभासद, कर्मचारी और आमजन उपस्थित रहे। विद्यालयों में छात्रों ने देशभक्ति व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

समान नागरिक संहिता राज्य का गौरव: गैड़ा

अल्मोड़ा : राज्य में लागू समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को जनपद में प्रथम देवभूमि समान नागरिक संहिता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवीन कलेक्ट्रेट भवन में जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा की अध्यक्षता में किया गया।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा ने कहा कि समान नागरिक संहिता उत्तराखंड का गौरव है। यह कानून समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार सुनिश्चित करता है और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है। कार्यक्रम के दौरान यूसीसी के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनहित में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीडीओ रामजी शरण शर्मा ने कहा कि यूसीसी से महिलाओं को सुदृढ़ किया गया है।

अल्मोड़ा में धूमधाम से मनाया 77 वां गणतंत्र दिवस

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। सरकारी व निजी कार्यालयों में झंडारोहण कर देश के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले अमर शहीदों को याद किया गया।

गणतंत्र दिवस के आसर पर सुबह नंदादेवी से मालरोड स्थित चौघानपाटा तक स्कूली बच्चों और जनप्रतिनिधियों ने प्रभात फेरी निकाली। इसके बाद कलक्ट्रेट में डीएम अंशुल सिंह ने झंडा फहराया और सामूहिक राष्ट्रगान हुआ और कर्मचारियों ने देश की देश की एकता-अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों को सम्मानित किया गया। डीएम ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों से सीख लेनी चाहिए।

पुलिस लाइन में आयोजित परेड की सलामी लेते केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा।

इसके अलावा डीएम ने डेयरी विभाग के एटीएम दुग्ध वाहन का फीता काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में एडीएम युक्त मिश्र, सीडीओ रामशरण शर्मा आदि मौजूद रहे। इधर, पुलिस लाइन में एसएसपी देवेंद्र पींचा की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने परेड की सलामी ली। कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों एवं संविधान निर्माताओं ने जो सपना देखा था आज हम उसे पूरा करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को सम्मानित किया। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा, कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ चौहान, कुंदन लटवाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, रवि रौतेला, रमेश बहुगुणा, गिरीश खोलिया आदि रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

बागेश्वर, अमृत विचार : गणतंत्र दिवस जनपद में हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य समारोह नुमाइशखेत मैदान में हुआ, जहां जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने ध्वजारोहण किया तथा लोगों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। यहां जिलाधिकारी, विधायक एवं जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों नंदी देवी, भगवती देवी, पार्वती देवी एवं बसंत बल्लभ पांडे को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों एवं समाजसेवियों को भी सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक पार्वती दास, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के, मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल आदि रहे।

अमर रहे गणतंत्र हमारा

बैरती (अल्मोड़ा) : क्षेत्र में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्राथमिक विद्यालय पान, तिरौटा–बैरती, बसभीड़ा, महतगांव, सीमा, आगरनौला, सरस्वती शिशु मंदिर महाकालेश्वर, नव प्रभात पब्लिक हाईस्कूल बसभीड़ा, श्री भोलानाथ शिशु व विद्या मंदिर ककनर, राउमावि महतगांव, राजकीय इंटर कालेज महाकालेश्वर एवं चित्रेश्वर तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम हुए।

बनबसा में भी मनाया

बनबसा : गणतंत्र दिवस पर स्कूलों, कार्यालयों में ध्वजारोहण किया गया। थाना परिसर में सुरेंद्र सिंह कोरंगा, टनकपुर पावर स्टेशन एनएचपीसी में पावर स्टेशन प्रमुख ऋषि रंजन आर्य, केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 कैंट में प्राचार्य सीएस पिलखवाल, पूर्व सैनिकों के कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष कैप्टन भानी चंद, मैक्सटन स्ट्रांग स्कूल में डायरेक्टर क्लिफटन शिफवे ने ध्वजारोहण किया।

काशीपुर

युवक से मारपीट में मुकदमा दर्ज

काशीपुर: ग्राम सरवरखेड़ा में सड़क पर बाइक चलाने को लेकर पड़ोसियों ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने पिता और उसके दो बेटों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम सरवरखेड़ा निवासी मो. तसलीम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 13 जनवरी की रात करीब 9:30 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। घर के पास कोहरा होने के कारण उसे नई बनी सड़क दिखाई नहीं दी और उसने बाइक उस पर चढ़ा दी। इसी बात को लेकर पड़ोस में रहने वाले जमील ने उसे गालियां देना शुरू कर दिया। आरोप है कि जमील अपने दो बेटों इरशाद और इसरार को मौके पर बुला लिया। बताया कि तीनों आरोपियों ने तसलीम को लात-घूसों से उसकी बेरहमी से पिटाई की।

डंपर-कार की भिड़ंत में तीन की मौत

संवाददाता, काशीपुर

- गंभीर रूप से दो घायलों को कराया अस्पताल में भर्ती
- मृतक के परिजन की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अमृत विचार: कार और डंपर की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। एक मृतक आकाश के मौसेरे भाई कनकपुर निवासी मंजोत सिंह की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट की है।

काशीपुर के ग्राम गुलजारपुर निवासी आकाश दीप छीना (26) पुत्र बलविंदर सिंह बीते रविवार की शाम को टैक्सी लेकर दिल्ली गए थे। टैक्सी चालक आकाश दीप छीना यूपी के अफजलगढ़ कासमपुर गढ़ी निवासी शिक्षक खादिम (48) पुत्र मुनव्वर हुसैन, कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम भरतपुर निवासी व एक फाइनेंस कंपनी के शाखा प्रबंधक गुरजिंदर सिंह (30) पुत्र अवतार सिंह, अफजलगढ़ के नेजे सराय निवासी मोहम्मद नईम पुत्र यूनुस और काशीपुर के मोहल्ला मझरा लक्ष्मीपुर पट्टी निवासी राजे आलम पुत्र बुंदू हाजी को काशीपुर लेकर आ रहे थे। सोमवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे आईटीआई थाना के पैगा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम बांसखेड़ा खुर्द में तेज रफ्तार डंपर से आमने-सामने कार की टक्कर हो गयी। हादसे में टैक्सी चालक आकाश दीप छीना (26), शिक्षक खादिम व गुरजिंदर सिंह (30) की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई। जबकि अफजलगढ़ के नेजे सराय निवासी व एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षक मोहम्मद नईम व मोहल्ला मझरा लक्ष्मीपुर पट्टी निवासी राजे आलम गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को परिजनों ने अलग-अलग निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं हादसे परिवार में कोहराम मच गया। उधर सोमवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक आकाश दीप छीना के परिजनों ने बताया कि वह बीते रविवार की शाम लगभग पांच बजे टैक्सी लेकर दिल्ली गए थे। वहां से सोमवार की तड़के काशीपुर लौट रहे थे। बताया कि आकाश दीप अपने परिवार का इकलौता बेटा था। वह अविवाहित था। वहीं मृतक खादिम के परिजनों ने बताया कि वह संविलयन विद्यालय पुक्खेवाला अफजलगढ़ बिजनौर में सहायक शिक्षक के पद पर तैनात थे।

कच्ची शराब की भट्टियां कीं नष्ट

काशीपुर: ग्राम खाईखेड़ा, कटैया गांव के जंगलों में अवैध रूप से धधक रही दो कच्ची शराब की भट्टियों को आबकारी विभाग की टीम ने तोड़ा। इस दौरान छह हजार लीटर लहन नष्ट करते हुए 150 लीटर कच्ची शराब बरामद की।

आबकारी निरीक्षक दिवाकर चौधरी ने बताया कि काशीपुर के ग्राम खाईखेड़ा, कटैया के जंगलों में लंबे समय से कच्ची शराब बनाने की सूचना मिल रही थी। कार्रवाई करते हुए टीम ने दोनों स्थानों पर दो कच्ची शराब की भट्टियों को तोड़ा। मौके से छह हजार लीटर लहन को नष्ट करते हुए 150 लीटर कच्ची शराब बरामद की। कार्रवाई टीम में उप आबकारी निरीक्षक मो. आशीष सिद्दीकी, प्रधान आबकारी सिपाही कैलाश भट्ट, कृष्णा चंद्र आदि रहे।

काशीपुर में हड़ताल के दौरान प्रदर्शन करते बैंक कर्मी। ● अमृत विचार

नीतियों के विरोध में बैंक कर्मियों ने की हड़ताल

काशीपुर, अमृत विचार : मजदूरी नियमों और बैंक कर्मी विरोधी नीतियों के विरोध में बैंक कर्मी हड़ताल पर रहे। इस दौरान बैंक बंद रहे। मंगलवार को उत्तरांचल बैंक इंप्लाइज यूनियन के बैनर तले बैंक कर्मचारी बड़ी संख्या में बाजपुर रोड स्थित केनरा बैंक की मुख्य शाखा के बाहर एकत्र हुए और सभा की। सभा का संचालन करते हुए यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के सहायक महामंत्री स्वतंत्र कुमार मेहरोत्रा ने बताया कि बैंक कर्मी काफी लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि बैंक कार्य दिवस सप्ताह में 5 दिन हो, श्रम कानून कर्मचारियों के विरोध में न हो, महंगाई पर अंकुश लगाया जाए, ग्राहकों की जमा राशि के प्रति सरकार द्वारा ठोस योजना बनाई जाए, बैंकों का निजीकरण रोका जाए व आउटसोर्सिंग बंद हो। पंजाब नेशनल बैंक के संगठन मंत्री मयंक राणा ने मांगों का समर्थन किया। यहां सत्यपाल शर्मा, ललित कुमार तिवारी, अमित कुमार, रोबिन कुमार, गिरीश पोखरियाल, अर्पित सिंह, सुनील चौधरी, मोनिका पाठक, देव सिंह, हरिओम, विनीत कुमार रहे।

रुद्रपुर में बैंक कर्मी रहे हड़ताल पर

रुद्रपुर: बैंकों में पांच दिन तक काम करने और हर शनिवार बैंक बंद करने की मांग को लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक समेत विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों ने हड़ताल कर कार्य बहिष्कार किया। साथ ही रैली निकाली।

मंगलवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंकर्स यूनियन के आह्वान पर मंगलवार को सभी बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर रहे। बैंक यूनियन के पूर्व महासचिव गिरीश चंद्र जोशी ने कहा कि बैंकिंग कार्य अत्यधिक दबावपूर्ण हो गया है। महिला कर्मचारी घर और बच्चों को समय नहीं दे पा रही हैं। इसलिए पांच दिवसीय बैंकिंग बेहद जरूरी है। यहां नारायण महाजन, आरके छाबड़ा, रवीना खाती, विकास कुमार, फकीर सिंह बिष्ट आदि रहे।

एनएसएस शिविर का शुभारंभ करतीं प्रधानाचार्या मीता बोस व जनप्रतिनिधि।

विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया

बाजपुर, अमृत विचार : पीएमश्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बाजपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य मीता बोस द्वारा किया गया। शिविर के दौरान सात दिवसीय कार्ययोजना को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए स्वयंसेविकाओं के विभिन्न समूह गठित किए गए। कार्यक्रम प्रभारी विमला रावत ने शिविर के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए अनुशासन बनाए रखने तथा सभी के सहयोग की अपील की। शिविर के पहले दिन स्वयंसेविकाओं द्वारा विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही बौद्धिक सत्र में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन डा. शशि जोशी ने किया। इस मौके पर परमजीत कौर सैनी, शशिवाला, सुनीता डोभाल, गीतांजलि, सरिता, किरण, ममता, गीता रावत, एसएमसी अध्यक्ष शहादत खां, पीटीए अध्यक्ष साजिद हुसैन, नासिर हुसैन रहे।

'जी राम जी' योजना को बताया उपयोगी

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: कुंडेश्वरी मंडल के अनुष्का गार्डन में मंगलवार को भाजपा द्वारा जिला स्तरीय 'विकसित भारत और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (जी राम जी)' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

मंगलवार को कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ''जी राम जी'' योजना ग्रामीण क्षेत्रों के श्रमिकों और अन्नदाताओं के लिए वरदान साबित होगी। यह योजना न केवल समय पर साप्ताहिक भुगतान सुनिश्चित करेगी, बल्कि गांवों की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए भी क्रांतिकारी कदम है।

काशीपुर में कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। ● अमृत विचार

विधानसभा प्रत्याशी राजेश कुमार ने कहा कि जहां पहले केवल 100 दिन का मानक था, वहीं मोदी सरकार की यह पहल 125 दिन का रोजगार सुनिश्चित करती है। काम न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते का भी प्रावधान है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस अब केवल अच्छे कार्यों की निंदा करने तक सीमित रह गई है। जिलाध्यक्ष मनोज पाल की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में दर्जा राज्य मंत्री डॉ. विनय कुमार रुहेला, पूर्व सांसद बलराज पासी और पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री अमित सिंह ने किया।

इस दौरान पूर्व प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी, गोपाल कोछड़, मंडल अध्यक्ष धर्मपाल, जिला सह प्रभारी भारत भूषण मौजूद रहे।

क्रॉस कंट्री में दीपक व मोनिका ने मारी बाजी

काशीपुर: खेल निदेशालय उत्तराखंड देहरादून के सौजन्य से गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनपदीय ओपन पुरुष एवं महिला वर्ग की क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन किया गया।

ओपन पुरुष में प्रथम स्थान पर दीपक, द्वितीय स्थान पर आदर्श, तृतीय स्थान पर कुलदीप, चतुर्थ स्थान पर हर्षित नेगी, पांचवें स्थान पर संतराम एवं छठे स्थान पर अशोक रहे। महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर मोनिका, द्वितीय स्थान पर वैष्णवी, तृतीय स्थान पर गीता रहीं। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व क्रॉस कंट्री रेस का उद्घाटन जगदीश यादव अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, रमेश खर्कवाल, नीरज कुमार, मोहित द्वारा किया गया।

समान नागरिक संहिता कानून की जानकारी दी

काशीपुर : समान नागरिक संहिता कानून को एक वर्ष पूरा होने पर नगर निगम सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर दीपक बाली ने इस कानून को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की एक बड़ी उपलब्धि बताया। मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समान नागरिक संहिता को लेकर प्रेजेंटेशन भी किया गया, जिसमें उसके सभी नियमों को दर्शाया गया। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सायरा बानो ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से जो समान नागरिक संहिता कानून बनाया गया है, उससे महिलाओं का सशक्तिकरण हो रहा है और विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं को ताकत मिली है। इस दौरान नगर निगम में नियुक्त समान नागरिक कानून के उपनिबंधक अंकित खर्कवाल को 5280 आवेदनों का शत प्रतिशत पंजीकरण और निदान करके प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

आईजीएल ने दिया कंप्यूटर का निशुल्क प्रशिक्षण

काशीपुर : इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा निशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जहां 100 अभ्यर्थियों ने निशुल्क प्रशिक्षण लिया। इसका शुभारंभ आईजीएल के ईएचएस विभागाध्यक्ष डॉ. आरके शर्मा, विक्रांत चौधरी व एनएसआईसी और वसुधैव समिति के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। सोमवार को बाजपुर रोड स्थित उद्यम "राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) भवन में 50 अभ्यर्थियों को ब्यूटीशियन कोर्स एवं 50 अभ्यर्थियों को बेसिक कंप्यूटर कोर्स का प्रशिक्षण दिया गया। सभी अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र तथा 50 अभ्यर्थियों को ब्यूटीशियन किट वितरित की गई। यहां एनएसआईसी केंद्र प्रभारी पुनीत कुमार, वसुधैव सोसाइटी एनजीओ के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत सिंह आदि रहे।

अमृत विचार

बुधवार, 28 जनवरी 2026

जिस दिन आपको कोई समस्या न आए, मान लीजिए कि आप निश्चित रूप से गलत रास्ते पर चल रहे हैं।

-विवेकानंद, दार्शनिक

विवादों का विश्वकप

पाकिस्तान का कहना है कि वह बांग्लादेश के समर्थन और भारत के विरोध में काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरेगा। भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगा। यदि विश्व कप के मैच राजनीतिक बहिष्कार, काली पट्टियों या प्रतीकात्मक विरोधों के बीच खेले जाएं, तो प्रतिस्पर्धा की पवित्रता प्रभावित होगी। दर्शक खेल कौशल देखना चाहते हैं, न कि सियासी संदेश। आईसीसी के नियम साफ हैं, मैदान राजनीतिक प्रदर्शनों का स्थल नहीं। अतीत में इस तरह की कोशिशों पर जुर्माना और प्रतिबंध लगाए गए हैं। यदि आईसीसी ऐसे कदमों की अनुमति देती है, तो भविष्य में हर विवादित मुद्दा मैदान तक पहुंच जाएगा। खेल का मैदान प्रतीकात्मक विरोध का मंच बना जाएगा।

पाकिस्तान भारत के खिलाफ मैदान में न उतरकर विरोध दर्ज कराता है, तो यह केवल एक मैच का बहिष्कार नहीं होगा, यह पूरे टूर्नामेंट की संरचना और विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न लगाएगा। विश्व कप द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं, बल्कि बहुपक्षीय आयोजन है। इसमें भाग लेना नियमों की स्वीकृति के साथ होता है। यदि कोई टीम चुनिंदा मैच खेले और चुनिंदा का बहिष्कार करे तो प्रतियोगिता की निष्पक्षता समाप्त हो जाएगी। यदि पाकिस्तान भारत से नहीं खेलता, तो अंक गंवाने से उसका सेमीफाइनल या खिताब जीतने का रास्ता कठिन होगा। इससे यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि उसका प्राथमिक उद्देश्य प्रतिस्पर्धा है या राजनीतिक संदेश? फिर भी वह औपचारिक रूप से टूर्नामेंट से बाहर होने की घोषणा नहीं करना चाहता, क्योंकि ऐसा करने पर आर्थिक दंड, प्रसारण राजस्व में कटौती और प्रायोजन हानि का भारी जोखिम है। पीसीबी और उसके खिलाड़ियों को विश्व कप से प्रतिष्ठा के अलावा भपूर पैसा भी मिलता है। बहिष्कार की स्थिति में खिलाड़ियों की मैच फीस, आईसीसी राजस्व हिस्सेदारी और भविष्य की द्विपक्षीय श्रृंखलाओं पर असर पड़ सकता है, जो तात्कालिक ही नहीं, दीर्घकालिक भी नुकसानदेह होगा। क्रिकेट कूटनीति ने भारत-पाकिस्तान के बीच 1987 की 'क्रिकेट डिप्लोमेसी' से लेकर 2004 की ऐतिहासिक श्रृंखला तक, कई बार संवाद के दरवाज़े खोले हैं, लेकिन इस बार टी20 विश्व कप 2026 के संदर्भ में जो घटनाक्रम सामने है, वह उलटी दिशा का संकेत दे रहे हैं। यहां क्रिकेट संवाद का माध्यम बनने के बजाय राजनीतिक संदेशों का मंच बनता दिख रहा है। पाकिस्तान की रणनीति का संदेश घरेलू राजनीतिक दबाव के परिणाम स्वरूप अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को घेरने की कोशिश है? वस्तुतः वैश्विक स्तर पर भारत की छवि पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय खेल समुदाय नियम-आधारित व्यवस्था को महत्व देता है। यदि कोई बोर्ड राजनीतिक कारणों से अनुबंधित दायित्वों का पालन नहीं करता, तो प्रश्न उसी पर उठेंगे।

फिलहाल, आईसीसी को इस मामले में सख्त रुख अपनाना चाहिए, वह या तो सभी के लिए सभी मैच खेलना अनिवार्य करे या अनुपालन न करने वाली टीम को बाहर कर दे, यह शर्त टूर्नामेंट की साख के लिए आवश्यक है। इस विवाद का समाधान यही है कि खेल संस्थाएं स्पष्ट आचार संहिता लागू करें। राजनीतिक प्रतीकों और बहिष्कार को अस्वीकार्य घोषित करें।

प्रसंगवश

पंचायतों के फरमान और अधिकार की बहस

देश के अलग–अलग हिस्सों में पंचायतों और खापों की ओर से समाजहित के नाम पर जारी किए जा रहे फरमान एक बार फिर राष्ट्रीय बहस का विषय बन गए हैं। कोई इन्हें परंपरा, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों की रक्षा का प्रयास मान रहा है, तो कोई इन्हें महिलाओं और युवाओं की आज़ादी पर सीधा हमला बता रहा है। हाल ही में राजस्थान के जालोर और उत्तर प्रदेश के बागपत से सामने आए दो मामले इस टकराव की स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं, हालांकि पंचायतों द्वारा सामाजिक निर्देश जारी करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार लिए गए फैसलों का केंद्र बच्चों का भविष्य, शिक्षा और संस्कार बताए जा रहे हैं, जिसने बहस को और गहरा कर दिया है।

हाल ही में राजस्थान के जालोर जिले की सुंधामाता पट्टी में चौधरी समाज की पंचायत ने जब 15 गांवों की बहू-बेटियों के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फरमान जारी किया, जिसे 26 जनवरी 2026 से लागू किया जाना था, लेकिन पंचायत के फैसले के साथ ही पूरे प्रदेश में एक नई बहस छिड़ गई। पंचायत के आदेश को महिला विरोधी माना जा रहा था। इस फैसले में महिलाओं को न केवल घर से बाहर मोबाइल ले जाने से रोका गया, बल्कि सार्वजनिक समारोहों, शादियों और यहां तक कि पड़ोसी के घर जाते समय भी स्मार्ट फोन साथ रखने पर पाबंदी लगा दी गई। महिलाओं को केवल सामान्य की-पैड फोन (बातचीत के लिए) इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई थी। यह फरमान सामने आते ही महिला संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शहरी वर्ग ने इसे महिलाओं की स्वतंत्रता और आधुनिक जीवनशैली पर सीधा हमला बताया।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

दूसरी ओर पंचायत से जुड़े लोगों का कहना था कि यह निर्णय महिलाओं को नियंत्रित करने के लिए नहीं, बल्कि बच्चों और परिवारों को मोबाइल की लत से बचाने के उद्देश्य से लिया गया था। पंचायत के सदस्यों का कहना है कि यह निर्णय महिलाओं की शिकायत के आधार पर लिया गया था, जिसमें कहा गया था कि बच्चे स्कूल से आने के बाद अत्यधिक समय मोबाइल पर बिताते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। उनका तर्क था कि मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है और परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है। विरोध इतना तेज हुआ कि पंचायत को अपना निर्णय वापस लेना पड़ा। पंचायत अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने स्पष्ट किया कि फैसले को गलत अर्थों में लिया गया और चूंकि यह समुदाय को स्वीकार्य नहीं था, इसलिए इसे रद्द कर दिया गया।

भले ही जालोर में पंचायत को अपने कदम पीछे खींचने पड़े, लेकिन इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया। क्या पंचायत का फैसला पूरी तरह गलत था या बच्चों के हित में लिए गए निर्णय के उद्देश्य को समाज ठीक से समझ नहीं पाया? यही सवाल उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में भी उठ रहा है, जहां खाप पंचायत के फैसलों ने नई बहस छेड़ दी है।

बागपत में खाप पंचायत ने 18 वर्ष से कम उम्र के लड़के-लड़कियों के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के साथ-साथ लड़कों और लड़कियों दोनों के हाफ-पैंट (शॉर्ट्स) पहनने को भी अनुचित बताते हुए प्रतिबंध की बात कही है। पंचायत का दावा है कि यह कदम पश्चिमी प्रभाव से संस्कृति की रक्षा, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और बच्चों को भटकाव से बचाने के लिए उठाया गया है। खाप नेताओं का कहना है कि मोबाइल फोन बच्चों के जीवन में पढ़ाई से ध्यान भटकाने वाला सबसे बड़ा कारण बन गया है।

अमेरिका को जवाब है यूरोपीय यूनियन से एफटीए

दिग्विजय सिंह
कानपुर

यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए कारोबारियों के लिए फायदेमंद तो है ही महंगाई घटाने में भी अहम रोल निभाएगा। अमेरिका के 50 फीसद टैरिफ से उबरने में भी बड़ी मदद मिलेगी।

भारत और यूरोपीय यूनियन के लिए मंगलवार का दिन बेहद खास और ऐतिहासिक रहा। दोनों पक्षों के बीच फ्री ट्रेड डील साइन हो गई। यह समझौता दोनों देशों के कारोबारियों के लिए फायदेमंद तो है ही महंगाई घटाने में भी अहम रोल निभाएगा। अमेरिका ने 50 फीसद टैरिफ लगाकर जो झटका भारतीय कंपनियों और निर्यातकों को दिया है, उससे उबरने में बड़ी मदद मिलेगी। यह डील यूरोपीय बाजारों में हमारे निर्यातकों को अपने उत्पादों की पहुंच बढ़ाने का बड़ा अवसर देगी। टेक्सटाइल्स, लेदर, डायमंड और ज्वैलरी, इंजीनियरिंग सामान और प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स का निर्यात बढ़ेगा। इतना ही नहीं इससे सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी और डिफेंस सेक्टर में यूरोप की विनिर्माण इकाइयों को भारत में स्थापित होने का मौका भी मिलेगा। जो मेक इन इंडिया को भी बढ़ावा देने में सहायक होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगा चुके हैं। अभी वे ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर लगातार यह धमकी दे रहे हैं कि जो देश उनका इस मुद्दे पर समर्थन नहीं करेगा उसे और टैरिफ की मार झेलनी पड़ेगी। भारत ही नहीं दुनिया के तमाम देश अमेरिकी टैरिफ के हंटर से नाराज हैं। यही वजह है कि वे अमेरिका को जवाब देने में जुटे हुए हैं। भारत से तमाम देश अपनी नजदीक बढ़ाने में जुटे हुए हैं। भारत ने तो यूनाइटेड किंगडम, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान, सिंगापुर, कोरिया, जापान, मलेशिया, आस्ट्रेलिया, मॉरीशस के साथ आसियान व आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ से भी समझौता पहले कर लिया था।

भारत ने इन देशों से फ्री ट्रेड डील करके अमेरिका को बता दिया है कि वह दबाव में नहीं आने वाला है। साथ ही कारोबार के लिए अमेरिका पर भी अपनी निर्भरता घटाने में सक्षम है। भारत पिछले कई सालों से यूरोपियन यूनियन से यह डील साइन करने को लेकर प्रयास कर रहा था। उसे अब सफलता मिली है। यह सफलता बहुत ही ऐतिहासिक है। यूरोपियन यूनियन का बाजार भारत के कुल निर्यात का लगभग 17 प्रतिशत है और इस समूह का भारत को निर्यात उसके कुल विदेशी शिपमेंट का 9 प्रतिशत है। यह दुनिया का सबसे बड़ा व्यापार समझौता हुआ है। ये समझौता यूरोपियन यूनियन की 450 मिलियन आबादी को भारत के करीब 1.4 अरब की आबादी से जोड़ने वाला है।

2030 तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा कंज्यूमर मार्केट बनने की राह पर है। ऐसे में भारत, यूरोपियन सामानों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार होगा। यूरोपीय यूनियन की अर्थव्यवस्था 19.5 ट्रिलियन डॉलर की है, जबकि भारत की अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा है, इसीलिए यूरोपियन यूनियन ने इसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। इस डील के साथ ही भारत जल्द ही यूरेशियन आर्थिक संघ से भी एफटीए करेगा। इसकी शुरुआत हो चुकी है। इस संबंध में भारत क रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी कई दौर की वार्ता हो चुकी है। इस समझौते से रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और आर्मेनिया में हमारे उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी, जो अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं होगी।

दुनिया के लिए सबसे बड़े बाजार के रूप में स्थापित भारत से यूरोपीय यूनियन ही नहीं, कई ऐसे संघ हैं जो समझौते को आतुर हैं। खास बात यह है कि भारत ने अपनी शर्तों पर फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है, ताकि हमारे किसानों के हित सुरक्षित रहें। किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए ही अभी तक भारत और अमेरिका के बीच समझौता नहीं हो पाया है। भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से अमेरिकी नेतृत्व को बता दिया है कि वह किसान हित से समझौता नहीं करेगी। परिणाम स्वरूप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अलग-अलग बहानों से 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, लेकिन भारत सरकार ने बिना किसी तीखी प्रतिक्रिया के अपना काम किया और एक के बाद एक देश से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करके अमेरिका को जवाब भी दे दिया।

खास बात यह है कि अब कनाडा भी भारत के साथ कई समझौते करने को आतुर दिख रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी मार्च में भारत आ सकते हैं। उनके मंत्री टिम हॉजसन इसी हफ्ते भारत की यात्रा करेंगे। इस वक्त कनाडा भी अमेरिकी दादागिरी से परेशान है और भारत से अपने रिश्ते सुधारने की हर संभव कोशिश कर रहा है। अलग-अलग देशों से हो रहे भारत के व्यापार समझौते पर अमेरिका की भी नजर है। चीन भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे समझौतों पर निगाह लगाए रखता है, क्योंकि इस समझौते का असर उसके भी निर्यातकों पर पड़ेगा, क्योंकि भारतीय उत्पादों की पहुंच समझौते वाले देशों में आसानी से बढ़ेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति और उसके रणनीतिकार लगातार यह बयान दे रहे हैं कि भारत से अमेरिका के रिश्ते मधुर हैं और जल्द व्यापार समझौता होगा। अमेरिका को लगता है कि वह अपनी शर्तों पर भारत को झुका लेगा और समझौता हो जाएगा, लेकिन उसे यह पता है कि इस वक्त भारत की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में है, जो भारतीय हितों से न तो समझौता करेंगे और न ही किसी महाशक्ति के आगे झुकेंगे। खुद राष्ट्रपति ट्रंप पीएम मोदी को टफ निगोशिएटर कह चुके हैं। इससे यह पता चलता है कि अमेरिका भी मानता है कि भारत को झुकाना नामुमकिन है।

भारत सरकार भी कह चुकी है कि अमेरिका से जल्द ही डील हो जाएगी, हालांकि इस डील का इंतजार पूरी दुनिया को है। अमेरिकी टैरिफ का नुकसान हमारे निर्यातकों को हो रहा है, यह बता किसी से छिपी नहीं है, लेकिन देश के सम्मान में भी झुकने को तैयार नहीं हैं। भारत सरकार लगातार अलग-अलग देशों से समझौते करके उनके लिए नए-नए मार्केट तैयार कर रही है।

आमने सामने

12 बजे सोकर उठने वाले बबुआ को कहां फुर्सत थी कि गरीबों के बारे में सोच सकें। जिस प्रदेश का मुखिया 12 बजे सोकर उठता होगा, उसके लिए कोई सूर्योदय की बात करेगा तो वो उसे सपना मानेगा, क्योंकि उसे देश दुनिया की कोई जानकारी नहीं होगी और वह लेना भी नहीं चाहेगा।

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, यूपी

कुछ लोग नींद से तो उठ जाते हैं, लेकिन होश में नहीं आते और आंखें दिन भर बंद रहती हैं। ऐसे लोग जाग कर भी मदहोश रहते हैं। सुना है कि एक कोई सतुआ बाबा और बथुआ बाबा हैं। वैसे ये सीजन तो बथुआ का है। आज तो इस सरकार ने शंकराचार्य के सामने भी संकट पैदा कर दिया है।

-अखिलेश यादव
सपा मुखिया

तेल, डॉलर और वैश्विक सत्ता का खेल

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

पेट्रो-डॉलर एक साधारण-सा शब्द लगता है, लेकिन इसकी जड़ें आपकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी तक जाती हैं।

पेट्रो-डॉलर एक साधारण-सा शब्द लगता है, लेकिन इसकी जड़ें आपकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी तक जाती हैं। पेट्रोल-डीज़ल के दाम, रुपये की चाल, महंगाई, ईएमआई और सरकार के बजट तक। पेट्रो-डॉलर का मतलब यह नहीं कि अमेरिका 'तेल छापता' है, बल्कि यह एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय तेल व्यापार का प्रमुख हिसाब-किताब अमेरिकी डॉलर में होता है और तेल निर्यातक देशों के पास जमा होने वाले डॉलर का बड़ा हिस्सा सुरक्षित, तरल और भरोसेमंद जगह। ज्यादातर अमेरिकी सरकारी बॉन्ड (US Treasuries) और डॉलर-आधारित संपत्तियों में वापस निवेश हो जाता है। इसी को 'पेट्रो-डॉलर रीसाइक्लिंग' कहा जाता है। 1970 के दशक में तेल संकट के बाद, जब दुनिया को स्थिर आपूर्ति, सुरक्षा और भुगतान की स्पष्ट व्यवस्था चाहिए थी, तब डॉलर-आधारित तेल व्यापार ने एक तरह से वैश्विक ऊर्जा बाजार को 'स्टैंडर्ड करंसी' दे दी।

इस व्यवस्था से अमेरिका को क्या फायदा होता है, यह आम आदमी के लिए एक लाइन में समझिए- दुनिया को तेल खरीदने के लिए डॉलर चाहिए, इसलिए दुनिया डॉलर जमा भी रखती है और डॉलर में लेन-देन भी करती है। नतीजा यह कि डॉलर की वैश्विक मांग बनी रहती है। आज भी वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर का हिस्सा लगभग 56% के आसपास है और अंतर्राष्ट्रीय भुगतान में डॉलर की भागीदारी लगभग 50% के आसपास बताई जाती है। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक व्यापार-भुगतान और बचत का बड़ा आधार अब भी डॉलर ही है। इस 'मांग' का बड़ा लाभ अमेरिका को सस्ते में कर्ज लेने की क्षमता के रूप में मिलता है। उदाहरण के लिए, अमेरिकी कुल सरकारी कर्ज जनवरी 2026 में लगभग 38.5 ट्रिलियन डॉलर के आसपास दिखता है। इतना बड़ा कर्ज किसी भी देश के लिए भारी है, लेकिन डॉलर की वैश्विक मांग और अमेरिकी बॉन्ड बाजार की गहराई (लिक्विडिटी) इसे चलाने में मदद करती है।

अब सवाल आता है— अमेरिका इस व्यवस्था को बनाए रखने के लिए 'आक्रामक कदम' क्यों उठाता दिखता है? क्योंकि पेट्रो-डॉलर केवल मुद्रा का मामला नहीं, शक्ति का भी मामला है। अमेरिका के पास डॉलर-आधारित वित्तीय नेटवर्क, बैंकिंग चैनल, भुगतान प्रणालियों और पूंजी बाजारों का प्रभाव है। जब कोई देश या तंत्र इस व्यवस्था से बाहर निकलकर वैकल्पिक भुगतान-व्यवस्था बनाता है या डॉलर पर निर्भरता घटाता है, तो अमेरिका की वित्तीय पकड़ और प्रतिबंध (sanctions) की ताकत कमजोर हो सकती है, इसलिए आप अक्सर देखेंगे कि अमेरिका ऊर्जा-समृद्ध क्षेत्रों में समुद्री मार्गों की सुरक्षा, रणनीतिक गठबंधनों, वित्तीय निगरानी, और प्रतिबंधों के जरिए अपना प्रभाव बनाए रखता है। यह केवल 'तेल' नहीं, बल्कि 'तेल+मुद्रा+सुरक्षा' का संयुक्त खेल है।

तो फिर देश पेट्रो-डॉलर से बाहर क्यों आना चाहते हैं? पहला कारण है— प्रतिबंधों का डर। अगर आपका व्यापार और भुगतान डॉलर-आधारित है, तो अमेरिकी नियंत्रण वाली वित्तीय कड़ियों पर आपकी निर्भरता बढ़ती है। दूसरा कारण है—विनिमय दर का जोखिम। जब डॉलर मजबूत होता है, तो आयातित महंगाई बढ़ती है। तेल, गैस, खाद्य तेल, उर्वरक जैसी चीजें महंगी लगने लगती हैं। तीसरा कारण है— भूराजनीतिक स्वायत्तता। कई देश चाहते हैं कि उनका व्यापार स्थानीय मुद्राओं में हो, ताकि डॉलर-शॉक (अमेरिकी ब्याज दरों और डॉलर की चाल) का असर उनके घरेलू रोजगार, महंगाई और विकास पर कम पड़े। चौथा कारण है— वैकल्पिक व्यवस्था बनाने की महत्वाकांक्षा। कुछ ब्लॉक्स और देशों ने स्थानीय मुद्राओं में समझौते, बार्टर-टाइप सेटलमेंट, या सोने/कमोडिटी के जरिए भुगतान के प्रयोग बढ़ाए हैं, ताकि 'एक मुद्रा' पर अत्यधिक निर्भरता घटे।

इतिहास बताता है कि पेट्रो-डॉलर व्यवस्था के विरुद्ध जाने की कोशिशें अक्सर 'मुद्रा संकट, निवेश पलायन, महंगाई और रोजगार झटकों' के साथ जुड़ी दिखाई देती हैं। हालांकि हर देश के पतन का कारण सिर्फ यही होता है, ऐसा कहना सही नहीं है। घरेलू नीतियां, भ्रष्टाचार, युद्ध, संस्थागत कमजोरी और वैश्विक कीमतें भी उतनी ही बड़ी वजहें होती हैं। फिर भी, डॉलर-आधारित सिस्टम से टकराव करने वाले कई देशों पर प्रतिबंधों और वित्तीय अलगाव का असर बहुत तेज़ रहा है।

ईरान का उदाहरण लें। लंबे समय के प्रतिबंधों और उच्च महंगाई के बीच, वहां मुद्रास्फीति 35% से ऊपर बनी रही और मुद्रा रियाल अत्यधिक गिरावट के साथ लगभग 11.5 लाख रियाल प्रति डॉलर जैसे स्तरों तक चर्चा में रही। ऐसी स्थिति में आम आदमी की क्रय-शक्ति टूटती है, आयात महंगा होता है, उद्योग की लागत बढ़ती है और रोजगार पर दबाव आता है। यही कारण है कि जब कोई देश डॉलर-आधारित ढांचे से बाहर निकलने की बात करता है, तो उसका असर केवल 'विदेश नीति' नहीं रहता। वह जीडीपी ग्रोथ, निवेश, रोजगार, महंगाई और मुद्रा सब पर आता है।

सोशल फोरम

पंजाब की अंतिम राजकुमारी

राजकुमारी बंबा सोफिया जिंदन दलीप सिंह, जिन्हें पंजाब की अंतिम राजकुमारी के रूप में जाना जाता है, का जन्म 29 सितंबर 1869 को लंदन में हुआ था और उनका निधन 10 मार्च 1957 को लाहौर में हृदय गति रुकने से हुआ। वे सिख साम्राज्य के अंतिम शासक महाराजा दलीप सिंह की सबसे बड़ी बेटी थीं।

बंबा की माता बंबा मुलर थीं, जो एक जर्मन व्यापारी लुडविग मुलर और उनकी इथियोपियाई यहूदी पत्नी सोफिया की बेटी थीं। महाराजा दलीप सिंह ने 1864 में काहिरा में उनसे विवाह किया था। बंबा का नाम अरबी भाषा के शब्द से लिया गया था, जिसका अर्थ 'गुलाबी' होता है और यह नाम उनकी माता, नानी और दादी के नामों से प्रेरित था। बपतिस्मा के समय उनका पूरा नाम बंबा सोफिया जिंदन दलीप सिंह रखा गया। उनके भाई-बहनों में प्रिंस फ्रेडरिक, प्रिंसेस सोफिया और अन्य शामिल थे, लेकिन परिवार की सबसे बड़ी बेटी होने के कारण बंबा को विशेष महत्व प्राप्त था।

लखवीर सिंह नंदा
ब्लॉगर

उनका प्रारंभिक जीवन इंग्लैंड के एल्वेडन हॉल में बीता। 1887 में माता की किडनी फेल होने से मृत्यु और 1893 में पिता की पेरिस में मृत्यु ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। इसके बाद उनकी देखभाल आर्थर ओलिफेंट ने की, जो उनके पिता के एक कर्मचारी के पुत्र थे। शिक्षा के क्षेत्र में बंबा ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सोमरविल कॉलेज से पढ़ाई की और फिर अमेरिका जाकर शिकागो की नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी वूमन मेडिकल स्कूल से चिकित्सा की तीन वर्ष की शिक्षा प्राप्त की, लेकिन स्कूल बंद हो जाने के कारण वे डिग्री प्राप्त नहीं कर सकीं।

इसके बाद वे अपनी साथी मेरी एंटोनेट गॉट्समैन के साथ भारत आईं और लाहौर, शिमला तथा अन्य स्थानों पर रहीं, जहां उन्होंने अपनी पैतृक विरासत से जुड़ने का प्रयास किया। बाद में मेरी एंटोनेट ने उमराव सिंह शेरगिल से विवाह किया, जिनकी बेटी अमृता शेरगिल एक प्रसिद्ध चित्रकार बनीं, और बंबा उनकी गॉडमदर थीं।

1915 में, 46 वर्ष की आयु में, बंबा ने लेफ्टिनेंट कर्नल डेविड वाटर्स सुदरलैंड से विवाह किया, जो भारतीय सेना में डॉक्टर थे और 1909 से 1921 तक लाहौर के किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल रहे। विवाह के बाद वे लाहौर में बस गईं और 'गुलज़ार' नामक घर में रहने लगीं, जहां उन्होंने दुर्लभ गुलाबों की खेती की और अपने घर को क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों का केंद्र बना दिया।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

वकालत के पेशे पर एआई का बढ़ता प्रभाव

भारतीय न्यायिक प्रणाली में लगभग पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं और सर्वोच्च न्यायालय में ही अस्सी हजार से अधिक मामले वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा में हैं। ऐसे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न्याय प्रणाली में तेजी लाने का समाधान बताया जा रहा है, लेकिन क्या यह समाधान वकालत के पेशे के लिए संकट बनता जा रहा है? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल सहायक उपकरण बनकर रहेगा या धीरे-धीरे वकीलों की भूमिका को सीमित कर देगा? यह प्रश्न आज पूरे कानूनी पेशे के सामने एक गंभीर चुनौती बन गया है।

विश्व स्तर पर कानूनी उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। मैकिन्से की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक कानूनी कंपनियों में से 44 प्रतिशत पहले ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों का उपयोग कर रही हैं। थॉमसन रॉयटर्स की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि अमेरिकी कानूनी बाजार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित सेवाओं का उपयोग 68 प्रतिशत बढ़ा है। भारत में भी यह प्रवृत्ति तेज हो रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने 2023 में सुप्रेस यानी न्यायालय की दक्षता में सहायता के लिए सर्वोच्च न्यायालय पोर्टल नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित मंच लॉन्च किया है, जो मामलों की खोज, निर्णयों का विश्लेषण और कानूनी दस्तावेज़ तैयार करने में मदद करता है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित मामला प्रबंधन प्रणाली को अपनाना शुरू कर दिया है।

जयदेव राठी
अधिवक्ता

परंपरागत रूप से नए वकील, मामलों की खोज, मामलों का विश्लेषण, पिछले निर्णयों की खोज और प्रारूपण का काम करते थे। आज लेक्सिसनेक्सिस, मनुपात्रा और वेस्टलॉ जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण मिनटों में वह काम कर देते हैं, जिसमें पहले दिनों लग जाते थे। रॉस इंटेलिजेंस और केसटेक्स्ट जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच प्राकृतिक भाषा में पूछे गए सवालों का जवाब देते हैं और संबंधित मामलों के कानून तुरंत प्रदान करते हैं। गोल्डमैन सैक्स की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी पेशे में 44 फीसदी कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा स्वचालित हो सकते हैं, जिसमें अधिकतर नए वकीलों के काम शामिल हैं।

भारत में जहां हर साल लगभग डेढ़ लाख नए वकील बार परिषद में पंजीकृत होते हैं, वहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण उनके लिए प्रारंभिक रोजगार के अवसर सिकुड़ते जा रहे हैं। बड़ी कानूनी कंपनियां अब कम नए सहयोगी भर्ती कर रही हैं, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण उनका काम अधिक कुशलता से कर सकते हैं। नियमित कानूनी काम जैसे संविदा समीक्षा, उचित सावधानी और दस्तावेज़ विश्लेषण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दक्षता मानव वकीलों से कई गुना अधिक है। जेपी मॉर्गन चेज ने कॉइन यानी अनुबंध बुद्धिमत्ता नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम विकसित किया है, जो तीन लाख 60 हजार घंटों के मानव कार्य को कुछ सेकंड में पूरा कर देता है।

भारतीय संदर्भ में, संपत्ति मामलों, उपभोक्ता विवादों और सामान्य दीवानी मामलों में काम करने वाले वकीलों को खतरा है। ये मामले अक्सर दस्तावेज़-आधारित होते हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन्हें तेजी से संसाधित कर सकता है। डूनॉटपे जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित कानूनी सहायक ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं जब इसने स्वचालित रूप से यातायात टिकट से लड़ने में सफलता दिखाई, हालांकि बाद में नियामक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन यह एक संकेत था कि साधारण कानूनी सलाह के लिए लोग सस्ते कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधान की ओर रुख कर सकते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

मिट्टी की खुशबू और कन्नौज की सदियों पुरानी रिवायत

बारिश में कुछ बूंदें पृथ्वी का पहला स्पर्श करती हैं और पूरा वातावरण एक मोहक सुगंध से भर जाता है। मिट्टी की इस खुशबू को पेट्रिकोर कहते हैं। कई लोगों के लिए यह मिट्टी की खुशबू बचपन के बेफिक्र दिनों की पुरानी खुशबू है। दूसरों के लिए, यह प्रकृति का सुकून देने वाला स्पर्श है। भारतीय गीतकारों के लिए यह उनकी पसंदीदा प्रेरणा है। कई लोग इसके आरामदेह और शांत प्रभाव के लिए भी इसे संजोते हैं, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि यह सरल, लेकिन जटिल, विशिष्ट, लेकिन प्राकृतिक और गर्म, लेकिन ताजा खुशबू इतनी सारी कविताओं और गीतों का विषय रही है। आह! इस खुशबू का गर्म आलिंगन बेजोड़ है। मिट्टी के इत्र (जिसे अत्तर भी कहा जाता है), पेट्रिकोर परफ्यूम और सुगंधित मोमबत्तियों की बदौलत आप जादुई गंध का अनुभव कर सकते हैं। ये उत्पाद उस आरामदायक मिट्टी की सुगंध की नकल करने के लिए बनाए गए हैं, इसलिए आप इसे लगा सकते हैं या घर के अंदर प्रकृति के जादू का आनंद ले सकते हैं, जो मालोन और ला लेबो जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड पेट्रिकोर परफ्यूम बेचते हैं, लेकिन ये बहुत बाद में आए। यहां तक कि पेट्रिकोर शब्द भी बहुत बाद में आया।

देवेंद्र सिंह देव
शिक्षक, कन्नौज

सदियों पुरानी परंपरा और मिट्टी का इत्र

सदियों से कन्नौज के परफ्यूम बनाने वाले, जिसे भारत की परफ्यूम राजधानी के रूप में जाना जाता है। मिट्टी के इत्र बनाते रहे हैं, जो मौसम की पहली बारिश की खुशबू को छोटी बोतलों में कैद करते हैं, जहां तक पेट्रिकोर शब्द की बात है, इसे 1960 के दशक में ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं इसाबेल जॉय बेयर और रिचर्ड ग्रेनफेल थॉमस द्वारा सूखी धरती पर बारिश होने पर निकलने वाली इस विशिष्ट गंध का अध्ययन करने के बाद गढ़ा गया था। 1965 में नेचर जर्नल में प्रकाशित अपने अध्ययन में बेयर और थॉमस ने पाया कि मिट्टी की गंध शुष्क अवधि के दौरान कुछ पौधों द्वारा उत्सर्जित यौगिकों द्वारा उत्पन्न होती है। यह तेल, अन्य अणुओं के साथ, मिट्टी और चट्टानों द्वारा अवशोषित किया जाता है। जब बारिश होती है, तो इन छिद्रपूर्ण सामग्रियों के नम होने से तेल हवा में निकलता है, जो एक्टिनोमाइसेट्स जैसे मिट्टी में रहने वाले बैक्टीरिया द्वारा उत्पादित जियोस्मिन नामक एक अन्य यौगिक के साथ बंध जाता है।

पेट्रिकोर शब्द की उत्पत्ति

पेट्रिकोर शब्द- इसका ग्रीक पौराणिक कथाओं से संबंध है। शोधकर्ताओं की जोड़ी ने इस शब्द को ग्रीक शब्दों 'पेट्रा' से बनाया है, जिसका अर्थ है पत्थर और 'इकोर', जिसका अर्थ है देवताओं की नसों में बहने वाला तरल पदार्थ। कन्नौज में, जहां 300 से ज्यादा परफ्यूमरी हैं, जो सदियों पुरानी आसवन विधियों का उपयोग करके तेल-आधारित प्राकृतिक सुगंध (इत्र) तैयार करते हैं, मिट्टी का इत्र सदियों से बनाया जाता रहा है। पेट्रिकोर परफ्यूम अब दुनियाभर में लोकप्रिय हैं, भारत इस खुशबू का उपयोग करके धारण करने योग्य खुशबू बनाने वाला पहला स्थान था। कन्नौज में आपको कई परफ्यूमर्स मिल जाएंगे, जो ये सिग्नेचर मिट्टी के इत्र बेचते हैं। इनमें से ज्यादातर B2B कंपनियां हैं, जिनकी ऑनलाइन रिटेल मौजूदगी भी है, लेकिन इन छोटी-छोटी इत्र की बोतलों में क्या होता है, जो आपको तुरंत उस पल की याद दिलाती हैं, जिसका लंबे समय से इंतज़ार हो रहा है?

मिट्टी के इत्र का रहस्य

खैर, शुरुआत में कड़ी मेहनत के अनगिनत घंटे और पकी हुई मिट्टी की भारी मात्रा। मिट्टी के इत्र बनाने के लिए पारंपरिक देग और भापका विधि का उपयोग किया जाता है। 'अत्तर पकी हुई मिट्टी की खुशबू को आसवित करके बनाया जाता है, आमतौर पर मानसून के मौसम की पहली बारिश के बाद। मिट्टी को इकट्ठा किया जाता है, पकाया जाता है और फिर भाप से आसवित करके इसकी अनूठी सुगंध निकलती है," दिव्य गुप्ता बताते हैं। प्रक्रिया ऊपरी मिट्टी से मिट्टी निकालने से शुरू होती है, जिसे फिर भट्टी में पकाया जाता है। पकी हुई मिट्टी, अक्सर डिस्क या कुल्हड़ के रूप में, बैचों में डेग (एक बड़े तांबे के बर्तन) में पानी में डुबोई जाती है। भाप (मिट्टी के सार को ले जाने वाली) को ऊपर उठने देने के लिए डेग को सावधानी से गर्म किया जाता है। यह भाप फिर एक बांस की नली के माध्यम से एक भापका (एक रिसीवर फ्लास्क) में जाती है, जिसमें बेस ऑयल होता है और अत्तर बनता है। एक लीटर मिट्टी का इत्र बनाने में एक हफ्ते से लेकर एक महीने तक का समय लग सकता है, जो कि वांछित गुणवत्ता और तीव्रता पर निर्भर करता है। 'पहले, मिट्टी के इत्र बनाने के लिए शुद्ध चंदन के तेल का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन बढ़ती कीमतों के कारण, अब कई लोग इसके बजाय कैरियर ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। मिट्टी का इत्र कन्नौज के परफ्यूम बनाने वालों के लिए सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पादों में से एक है।

अनोखी परंपरा

दुल्हन-दूल्हे की "ब्लैकनिंग"

शादी हर व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होती है और हर संस्कृति में इसे खास महत्व दिया जाता है। दुनिया के अलग-अलग देशों में विवाह को मनाने की परंपराएं अलग हैं, जिनमें से कई पहली नजर में अजीब लगती हैं, लेकिन उनके पीछे गहरे अर्थ छिपे होते हैं। कहीं शादी के दौरान दूल्हे का जूता चुराया जाता है, तो कहीं नए जोड़े के घर जाकर बर्तन तोड़ना शुभ माना जाता है। स्कॉटलैंड में शादी से पहले दूल्हा-दुल्हन पर कालिख और गंदी चीजें डालने की परंपरा है, जिससे यह परखा जाता है कि वे कठिन परिस्थितियों में भी साथ रह सकते हैं। जर्मनी में टूटे बर्तनों को मिलकर साफ करना जीवन की समस्याओं को साथ सुलझाने का प्रतीक है। ऐसी परंपराएं यह बताती हैं कि शादी केवल रस्मों का आयोजन नहीं, बल्कि आपसी समझ, सहयोग और जीवन की चुनौतियों के लिए मानसिक तैयारी भी है।

स्कॉटलैंड में शादी से पहले "ब्लैकनिंग ऑफ द ब्राइड (और ग्रूम)" रस्म प्रचलित है। इस रस्म में शादी से कुछ दिन पहले दूल्हा-दुल्हन या कभी-कभी दोनों को दोस्तों और रिश्तेदारों द्वारा पकड़कर, उन पर कालिख, आटा, अंडे, मछली, गोंद, दूध या दूसरी गंदी चीजें डाली जाती हैं। इसके बाद उन्हें गांव या मोहल्ले में घुमाया भी जाता है, ताकि सार्वजनिक रूप से उनका "अपमान" हो सके, लेकिन इसके पीछे भावनात्मक अर्थ काफी गहरा है। स्कॉटिश संस्कृति में माना जाता है कि विवाह जीवन की सबसे कठिन जिम्मेदारियों में से एक है। अगर कोई जोड़ा शादी से पहले इस तरह की शर्मिंदगी, मजाक और असुविधा को हंसते-हंसते और साथ-साथ सहन कर ले, तो वह आगे आने वाली आर्थिक, सामाजिक और मानसिक चुनौतियों का भी सामना कर सकता है।

आर्ट गैलरी

माइकल एंजेलो की 'सिस्टिन चैपल सीलिंग'

मशहूर रेनेसां कलाकार माइकल एंजेलो की 'सिस्टिन चैपल सीलिंग' को लगभग 1509 में बनाया गया था। यह कलाकृति धार्मिक पेंटिंग शैली की है और सिस्टिन चैपल पेंटिंग्स की बड़ी सीरीज का हिस्सा है। यह कलाकृति एरिथ्रियन सिबिल को दिखाती है, जो क्लासिकल दुनिया की भविष्य बताने वाली सिबिल में से एक थीं, जिनके बारे में कहा जाता था कि उन्होंने ईसाई धर्म के आने की भविष्यवाणी की थी। माइकल एंजेलो ने उन्हें हाई रेनेसां शैली के अनुसार भव्यता और गहरे ध्यान के साथ दिखाया है, जिसकी खासियत सामंजस्यपूर्ण रचना, रूप की स्पष्टता और शांत रंग हैं। सिबिल संगमरमर जैसे सिंहासन पर शक्तिशाली और शांत भाव से बैठी हैं, उनका शरीर मानव शरीर रचना में माइकल एंजेलो की विशेषज्ञता को दिखाता है। उन्होंने एक चमकीला नारंगी और हरा चोगा पहना है, जो कपड़े और उसकी सिलवटों पर रोशनी के खेल को दिखाने में कलाकार के कौशल को दर्शाता है। उनके सिर पर एक खास हेडपीस सजा है और उनकी नज़रें उस बड़ी किताब पर टिकी हैं, जिसे वह पढ़ रही हैं, जो शायद उनकी भविष्यवाणियों के ग्रंथों का प्रतीक हो सकती है। दो पुट्टी, या छोटे देवदूत जैसी आकृतियां उनके साथ हैं। एक उनके सिर के ऊपर एक किताब पकड़े हुए है, जो दृश्य के बौद्धिक और भविष्य बताने वाले विषय पर जोर देता है, जबकि दूसरा गति में लगता है, जो सिबिल के शांत स्वभाव के विपरीत एक गतिशील कंट्रास्ट प्रदान करता है।

आस-पास की वास्तुकला को भ्रम पैदा करने वाले तरीके से पेंट किया गया है, जो सिबिल को इस तरह से फ्रेम करता है कि वह चैपल की छत के बड़े सजावटी कार्यक्रम में एकीकृत हो जाती है। उनके नीचे लिखा 'एरिथ्रिया' शिलालेख शीर्षक और उनकी पहचान दोनों का काम करता है। आकृति की यथार्थवादिता और जीवंतता, संतुलित रचना और माइकल एंजेलो द्वारा फ्रेस्को तकनीक का शानदार उपयोग, इस कलाकृति को हाई रेनेसां कला के एक प्रमुख उदाहरण के रूप में एक स्थायी विरासत प्रदान करता है।

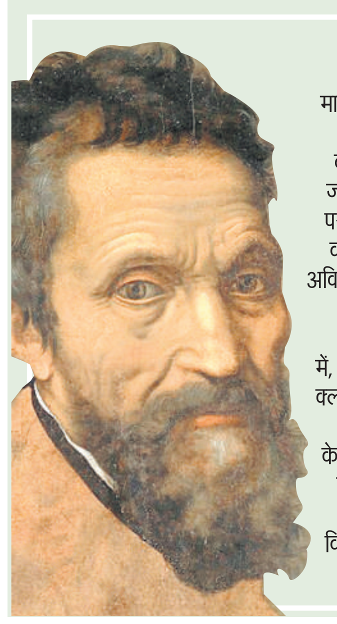

माइकल एंजेलो के बारे में

माइकल एंजेलो 1475 में पैदा हुए। वो इतालवी चित्रकार थे, जो रेनेसां काल के दौरान कला की दुनिया में अपने शानदार योगदान के लिए जाने जाते हैं। धार्मिक और क्लासिकल विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, माइकल एंजेलो के काम ने जटिल डिटेल्स को पकड़ने की उनकी अविश्वसनीय प्रतिभा को दिखाया। उनकी सबसे मशहूर उपलब्धि सिस्टिन चैपल सीलिंग है। रेनेसां आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में, माइकल एंजेलो ने प्राचीन ग्रीस और रोम की क्लासिकल कला और मूर्तिकला से बहुत प्रेरणा ली। यह प्रभाव उनके यथार्थवादी मानव रूपों के उपयोग, डिटेल्स पर ध्यान और अपने कामों में पौराणिक तत्वों को शामिल करने से साफ दिखता है। इसके अलावा, वह लियोनार्डो दा विंची और राफेल जैसे अन्य प्रसिद्ध कलाकारों से भी प्रेरित थे। उनकी मृत्यु 1564 में हुई।

लोकायन

नाटी: हिमाचल की लोकआत्मा का लयबद्ध उत्सव

हिमाचल प्रदेश की लोक संस्कृति में नाटी नृत्य केवल एक कला रूप नहीं, बल्कि सामूहिक जीवन, उत्सव और परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति है। सिरमौर, कुल्लू और शिमला जिलों से जन्मा यह नृत्य आज पूरे हिमाचल की पहचान बन चुका है। नाटी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे बड़े लोक नृत्य के रूप में दर्ज किया जाना इसकी लोकप्रियता और सामूहिकता का प्रमाण है। पर्व-त्योहारों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में जब सैकड़ों लोग एक साथ ताल में कदम बढ़ाते हैं, तो हिमाचल की सांस्कृतिक आत्मा सजीव हो उठती है।

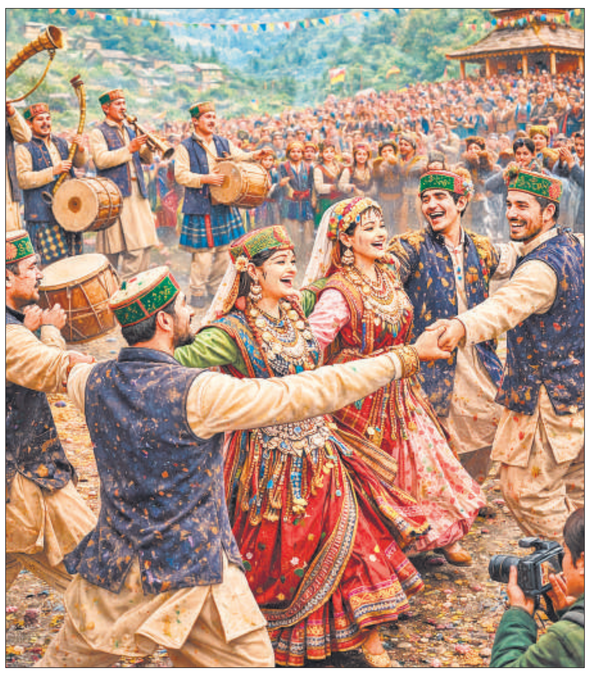

नाटी की लोकप्रियता राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। चंडीगढ़ जैसे शहरी क्षेत्रों में हिमाचली युवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से इसे नई पीढ़ी तक पहुंचा रहे हैं। वहीं उत्तराखंड के जौनसारी समुदाय में भी नाटी की परंपरा इसकी सांस्कृतिक व्यापकता को दर्शाती है। हिमाचल प्रदेश में नाटी की अनेक शैलियां प्रचलित हैं, जिनमें महासुवी, सिरमौरी, लाहौली और किन्नौरी नाटी प्रमुख हैं। किन्नौरी नाटी विशेष रूप से मूक अभिनय जैसी होती है, जिसमें नर्तक धीमी गति और सूक्ष्म भाव-भंगिमाओं के माध्यम से कथा कहते हैं। नाटी नृत्यों में 'लोसर शोने चुकसोम' का विशेष महत्व है, जिसका संबंध लोसाई यानी नव वर्ष से है। इस नृत्य में फसल बोने, काटने और ग्रामीण जीवन की गतिविधियों का सजीव चित्रण किया जाता है।

कुल्लू की नाटी अपने धार्मिक और नाटकीय पक्ष के लिए जानी जाती है। इसमें भगवान कृष्ण, गोपियों की रासलीला और चंद्रावली से जुड़े प्रसंगों को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। नर्तक एक-दूसरे के हाथ थामकर संगीत और ताल के अनुसार सामूहिक गति करते हैं। नाटी की लगभग तेरह शैलियां मानी जाती हैं। पहले यह नृत्य मुख्य रूप से पुरुषों द्वारा किया जाता था, जो पारंपरिक टोपी, चूड़ीदार पजामा और लहराते कुर्ते पहनते थे, लेकिन समय के साथ इसमें महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। नाटी किसी भी आयु वर्ग के लिए खुला नृत्य है। यह पेशेवर मंच से अधिक सामूहिक आनंद और सहभागिता का प्रतीक है। यह नृत्य तीन से चार दिनों तक सुबह और रात्रि दोनों समय किया जाता है। मूलतः लास्य शैली का यह नृत्य धीमी गति और सौम्यता के लिए जाना जाता है। पारंपरिक वेशभूषा, सजावटी पंखा, रंगीन रुमाल और नरसिंघा, करनाल, शहनाई, ढोल व नगाड़े की धुनों के साथ जब नाटी का जुलूस आगे बढ़ता है, तो यह केवल नृत्य नहीं रहता, वह हिमाचल की जीवित सांस्कृतिक विरासत बन जाता है।

कला में व्याख्या का प्रश्न : एक आलोचनात्मक विवेचना

समकालीन कला विमर्श में यह प्रश्न लंबे समय से केंद्र में रहा है कि क्या किसी कलाकार को अपनी कलाकृति की व्याख्या प्रस्तुत करनी चाहिए, अथवा कला को उसकी स्वायत्त दृश्य-भाषा के माध्यम से ही समझा जाना चाहिए। यह बहस केवल दर्शक और कलाकार के संबंध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कला की प्रकृति, उसके संप्रेषण और सौंदर्यशास्त्रीय स्वायत्तता से भी गहराई से जुड़ी हुई है। आधुनिक और समकालीन कला की जटिलताओं ने इस प्रश्न को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है, विशेषकर तब जब कला संस्थान, क्यूरेटर और आलोचक व्याख्या को दर्शक तक पहुंचने का अनिवार्य माध्यम मानने लगे हैं।

पश्चिमी कला-चिंतन में इस बहस की जड़ें इमैनुएल कांट के "निर्णय की आलोचना" तक जाती हैं, जहां उन्होंने सौंदर्य-अनुभव को निःस्वार्थ आनंद के रूप में परिभाषित किया। कांट के अनुसार, कला का आनंद किसी अवधारणात्मक ज्ञान या बाह्य उद्देश्य पर निर्भर नहीं करता। इस दृष्टि से, किसी कलाकृति की पूर्व-व्याख्या दर्शक के स्वतंत्र सौंदर्य-अनुभव को बाधित कर सकती है। आगे चलकर क्लाइव बेल और रोजर फ्राई जैसे औपचारिकतावादी चिंतकों ने भी यह तर्क दिया कि कला का मूल्य उसके 'सार्थक रूप' में निहित है, न कि किसी कथ्य या व्याख्या में।

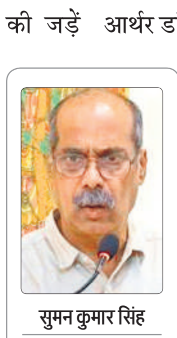

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

इसके विपरीत, बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में आर्थर डांटो और जॉर्ज डिकी जैसे दार्शनिकों ने यह स्थापित किया कि समकालीन कला को समझने के लिए संदर्भ, संस्थागत ढांचा और वैचारिक पृष्ठभूमि अत्यंत आवश्यक है। डांटो का प्रसिद्ध कथन- कला अपने आप में अर्थ का सन्निहित रूप है। यह संकेत करता है कि बिना वैचारिक संदर्भ के अनेक समकालीन कलाकृतियां 'अदृश्य' हो जाती हैं। इसी तर्क के आधार पर कलाकार के वक्तव्य और क्यूरेटरियल टेक्स्ट को समकालीन कला का अपरिहार्य अंग माना गया।

हालांकि इस प्रवृत्ति की आलोचना भी हुई है। सुसान सोंटैग ने अपने प्रसिद्ध निबंध "व्याख्या के विरुद्ध" में चेतावनी दी कि अत्यधिक व्याख्या कला के अनुभव को बौद्धिक बोझ में बदल देती है और उसकी संवेदी शक्ति को क्षीण कर देती है। उनके अनुसार, हमें कला को 'महसूस' करना चाहिए, न कि केवल 'समझना'। भारतीय कला-चिंतन इस संदर्भ में एक भिन्न, लेकिन समृद्ध दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। भारतीय सौंदर्यशास्त्र में कला का केंद्र 'अर्थ' नहीं, बल्कि 'अनुभव' है। भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में प्रतिपादित रस-सिद्धांत के अनुसार, कला का उद्देश्य किसी संदेश को संप्रेषित करना नहीं, बल्कि दर्शक में रस-निष्पत्ति कराना है। यहां कलाकार की निजी भावना (भाव) और दर्शक का अनुभव (रस) एक साझा, किंतु अनिर्दिष्ट प्रक्रिया के माध्यम से जुड़ते हैं। इस परंपरा में शब्दात्मक व्याख्या को गौण माना गया है, कृति स्वयं अपना अर्थ प्रकट करती है।

आनंद कुमार स्वामी और के.सी. भट्टाचार्य जैसे आधुनिक भारतीय चिंतकों ने भी कला की स्वायत्तता पर बल दिया। कुमार स्वामी के अनुसार, पारंपरिक भारतीय कला 'क्या कहा गया है' से अधिक 'कैसे कहा गया है' पर केंद्रित होती है। इस दृष्टि से समकालीन भारतीय कला में अत्यधिक व्याख्यात्मक आग्रह एक औपनिवेशिक-बौद्धिक विरासत भी प्रतीत होता है, जो दृश्य अनुभव पर शब्दों की प्रधानता स्थापित करता है।

फिर भी, यह स्वीकार करना आवश्यक है कि समकालीन कला आज वैश्विक संस्थागत ढांचों, बिनाले, संग्रहालय, आर्ट फेयर के भीतर कार्य कर रही है, जहां व्याख्या एक प्रकार की मध्यस्थ भाषा बन चुकी है। प्रश्न यह नहीं है कि व्याख्या हो या न हो, बल्कि यह है कि व्याख्या कला का विकल्प न बन जाए, जब शब्द कृति पर हावी हो जाते हैं, तब कला का अनुभव कहीं पीछे रह जाता है।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि कला की व्याख्या एक सहायक उपकरण हो सकती है, किंतु किसी भी स्थिति में अनिवार्य शर्त नहीं। भारतीय और पश्चिमी दोनों ही परंपराएं इस बात पर सहमत हैं कि कला का मूल उसके अनुभवात्मक और संवेदनात्मक पक्ष में निहित है। ऐसे में समकालीन कला में संतुलन की आवश्यकता है, जहां व्याख्या दर्शक को आमंत्रित करे, निर्देशित न करे और जहां कला स्वयं अपनी बहुअर्थी मौन में भी बोलने की स्वतंत्रता बनाए रखे।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,857.48	25,175.40
बढ़त	319.78	126.75
प्रतिशत में	0.39	0.51

सोना 1,66,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,70,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, बुधवार, 28 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

निर्यात-विनिर्माण को बढ़ावा देगा भारत-ईयू समझौता

निर्यातकों ने कहा - दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार तक पहुंच देश के लिए बड़ा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ की ओर से दी गई आयात शुल्क रियायतों से 27 देशों के समूह में देश के निर्यात को बढ़ावा मिलने के साथ घरेलू विनिर्माण को गति मिलेगी। निर्यातकों ने मंगलवार को यह भरोसा जताया। दोनों पक्षों ने मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की।

निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजारों में से एक में तरजीही बाजार पहुंच खुलने से वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और चमड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात को गति मिलेगी। यह समझौता निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगा क्योंकि यह शुल्क बाधाओं को कम करेगा और विशेषकर श्रम-प्रधान और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों को शुल्क-लाभ वाली पहुंच प्रदान करेगा।

डेलॉयट इंडिया के पार्टनर गुलजार दीदवानिया ने कहा कि वाइन, स्पिरिट और वाहन पर शुल्क रियायतों को पारस्परिक बाजार पहुंच के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, शराब क्षेत्र में चरणबद्ध उदारीकरण से आयात को औपचारिक रूप देने में मदद मिलेगी। वहीं वाहन क्षेत्र में, खासकर कलपुर्जों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सीमित स्तर पर बाजार खोलने से निवेश आकर्षित करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन ए. शक्तिवेल ने कहा कि यह समझौता परिधान निर्यात को बड़ा बढ़ावा देगा, जिसके अगले तीन वर्षों में दोगुना होने की उम्मीद है। ईयू विश्व का सबसे बड़ा परिधान आयातक है, जहां वित्त वर्ष 2024-25 में कुल परिधान आयात 202.8 अरब डॉलर रहा।

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया गया एफटीए संबंधी दस्तावेजों का आदान-प्रदान।

और मजबूत होंगे द्विपक्षीय रणनीतिक संबंध : ईयू अध्यक्ष

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते को एक नए इतिहास की शुरुआत करार देते हुए कहा है कि दोनों पक्ष अपने रणनीतिक संबंधों को भविष्य में और मजबूत बनाएंगे। उन्होंने समझौते की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत और यूरोप इतिहास बना रहे हैं। हमने वह समझौता कर लिया जो मदर ऑफ आल डील्स (अब तक का सबसे बड़ा समझौता) है। उर्सुला ने कहा, यह केवल शुरुआत है हम अपने रणनीतिक संबंधों को और भी मजबूत करेंगे।

अपने उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाए निर्यातक समुदाय

निर्यातक समुदाय एफटीए की पूरी संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाएं, कड़े नियामकीय मानकों का पालन करें और बड़ी, सटीक मांग वाले यूरोपीय बाजारों को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमता का विस्तार करें। - **एससी रल्हन**, फियो के अध्यक्ष

एफटीए से देश के घरेलू श्रमप्रधान क्षेत्रों को मिलेगा बढ़ावा : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत को ईयू बाजार में मूल्य के हिसाब से अपने 99% से अधिक निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर बाजार पहुंच मिलेगी। इससे घरेलू श्रम प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में एक रणनीतिक उपलब्धि है, जिससे 1.4 अरब लोगों के लिए 20 हजार अरब डॉलर के यूरोपीय संघ बाजार में अवसर खुलेंगे। यह साझेदारी दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुई है, जो वैश्विक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करती हैं। इससे भारतीय व्यवसायों के लिए व्यापार-निवेश अवसर पैदा होंगे और एमएसएमई, महिलाएं, युवा, कारीगर, श्रमिक, छात्र, कुशल पेशेवर, मछुआरे, किसान और निर्यातकों को लाभ मिलेगा।

ईयू दूसरों को देगा कार्बन रियायतें तो भारत पर भी होंगी लागू

नई दिल्ली। ईयू ने व्यापार समझौते में भारत को अपने कार्बन नियमों पर कोई सीधी रियायत नहीं दी है। हालांकि, इस बात पर सहमत हो गया है कि 27 देशों के इस समूह द्वारा सीबाम प्रावधानों के तहत किसी भी दूसरे देश को दी जाने वाली कोई भी ढील खुद ही भारतीय निर्यातकों को भी मिल जाएगी। एक अधिकारी ने बताया, एफटीए अधिकारों के पुनर्संतुलन का प्रावधान भी करता है। यह तब लागू होगा जब इस नियम के तहत ईयू के कदम भारतीय कंपनियों को मिलने वाले समझौते के लाभों को नुकसान पहुंचाते हैं। कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली (सीबएएम) या कार्बन कर एक जनवरी से प्रभावी हुआ है। यह भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते के सबसे विवादित मुद्दों में से एक था। इस व्यवस्था के तहत ईयू इस्पात, एल्युमीनियम, उर्वरक और सीमेंट जैसी वस्तुओं पर कार्बन कर लगाएगा, क्योंकि इनके निर्माण के दौरान एक निर्धारित सीमा से अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है।

भारत-ईयू एफटीए की मुख्य बातें

- भारत के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा यूरोपीय संघ के दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने से यह वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत हिस्सा और वैश्विक व्यापार का एक तिहाई है।
- भारत के 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात को यूरोपीय संघ में तरजीही प्रवेश मिलेगा जिससे वृद्धि की अपार संभावनाएं खुलती हैं।
- एमएसएमई के लिए नए अवसर खुलेंगे और महिलाओं, कारीगरों, युवाओं एवं पेशेवरों के लिए रोजगार सृजित होंगे।
- कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, रत्न व आभूषण जैसे श्रमप्रधान क्षेत्रों में 33 अरब डॉलर के निर्यात को लाभ की संभावना।
- समझौता लागू होते ही करीब 33 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात पर शुल्क 10% से घटकर शून्य हो जाएगा।
- मोटर वाहन क्षेत्र के लिए सुनियोजित एवं सावधानी से तैयार किया गया कोटा-आधारित उदारीकरण पैकेज शामिल।
- ईयू के मोटर वाहन विनिर्माताओं को भारत में उच्च मूल्य श्रेणी में मॉडल पेश करने की अनुमति मिलेगी, भविष्य में 'मेक इन इंडिया' और भारत से निर्यात की संभावनाएं भी खुलेंगी।
- भारतीय उपभोक्ताओं को एफटीए के बाद उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा से लाभ होगा।
- यूरोपीय संघ में पारस्परिक बाजार पहुंच से भारत में बने मोटर वाहनों के लिए भी अवसर खुलेंगे।
- भारत को ईयू के आईटी/आईटीईएस, व्यावसायिक सेवाएं और शिक्षा सेवाओं जैसे 144 उपक्षेत्रों तक पहुंच मिलेगी। ईयू को को भारत द्वारा प्रस्तावित 102 उपक्षेत्रों तक पहुंच मिलेगी।
- इससे ईयू से भारत में उच्चप्रौद्योगिकी सेवाएं और निवेश आएगा इससे पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यवस्था बनेगी।
- ईयू ने संविदात्मक सेवा आपूर्तिकर्ताओं के लिए 37 क्षेत्रों/उप-क्षेत्रों और स्वतंत्र पेशेवरों (आईपी) के लिए 17 क्षेत्रों/उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं भी पेश की हैं।
- भारत ने पांच साल की अवधि में सामाजिक सुरक्षा समझौतों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक ढांचा भी हासिल किया है।
- भारत ने ईयू के उन देशों में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों को स्वदेशी लाइसेंस के तहत काम करने की अनुमति सुनिश्चित की है जहां इनका विनियमन नहीं है।

ईयू अब भारत का 22वां मुक्त व्यापार समझौता भागीदार

पांच दिन की हड़ताल से देश भर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित

हैदराबाद में अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते बैंककर्मी।

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की पांच-दिवसीय देशव्यापी हड़ताल से मंगलवार को देश भर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कामकाज प्रभावित हुआ। अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले नौ संगठनों के संयुक्त निकाय यूएफबीयू द्वारा हड़ताल का यह आह्वान 23 जनवरी को मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई सुलह बैठक के विफल होने के बाद आया है।

चूंकि 25 जनवरी को रविवार और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर बैंक बंद रहे हैं, इसलिए, मंगलवार को हड़ताल से लगातार तीसरे दिन सेवाएं प्रभावित हुईं। यूएफबीयू के घटक अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के महासचिव सीएच वेंकटचलम ने कहा, सुलह कार्यवाही के दौरान विस्तृत चर्चा के बावजूद हमारी मांग पर कोई आश्वासन नहीं मिला। इसलिए, हम हड़ताल पर जाने को मजबूर हैं। हड़ताल से सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों (पीएसबी) और कुछ पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं में नकद जमा, निकासी, चेक क्लियरेंस आदि अन्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

श्रमिक संघों को समझौता वार्ता में मांगों पर नहीं मिला कोई आश्वासन

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक जैसे प्रमुख निजी क्षेत्र के बैंकों में कामकाज हालांकि काफी हद तक अप्रभावित रहने के आसार हैं क्योंकि उनके कर्मचारी हड़ताल करने वाले श्रम संघ का हिस्सा नहीं हैं। यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग सहित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं पहले की तरह ही काम करती रहेंगी।

सीतारमण ने हलवा समारोह में भाग लिया, बजट की तैयारी अंतिम चरण में

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पारंपरिक हलवा समारोह में भाग लिया जो एक फरवरी को लोकसभा में पेश किए जाने वाले आम बजट 2026-27 की तैयारी के अंतिम चरण का प्रतीक है।

यह समारोह रायसीना हिल्स स्थित नॉर्थ ब्लॉक में हुआ जो वित्त मंत्रालय का पुराना पता है। दरअसल, कर्तव्य भवन-1 स्थित नए परिसर में छापाखाना नहीं है। वित्त मंत्री और उनकी टीम के सदस्य सितंबर 2025 में प्रतिष्ठित और भव्य नॉर्थ ब्लॉक से कर्तव्य भवन स्थित आधुनिक केंद्रीय सचिवालय कार्यालय में स्थानांतरित हो गए थे। यह बजट से पहले होने वाला सालाना समारोह है, जिसमें पारंपरिक मिठाई हलवा तैयार की जाती है और वित्त मंत्रालय के उन अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसी जाती है जो बजट तैयार करने के काम में शामिल होते हैं।

ट्रंप ने दक्षिण कोरिया को दी टैरिफ बढ़ाने की धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह दक्षिण कोरियाई वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ा रहे हैं, क्योंकि वहां की नेशनल असेंबली ने अक्टूबर में तय हुए व्यापार ढांचे को मंजूरी नहीं दी है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि दक्षिण कोरिया से आयात होने वाली गाड़ियों, लकड़ी और दवाइयों पर आयात कर बढ़ाया जाएगा, जबकि अन्य वस्तुओं पर शुल्क की दर 15 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दी जाएगी।

सोना 1.66 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर, चांदी 3.7 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त चमक दिखी। बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 7,300 रुपये यानी 4.6 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। चांदी ने सोने को भी पीछे छोड़ा और 40,500 रुपये यानी 12.3 प्रतिशत की लंबी छलांग लगाकर सभी करों सहित 3,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम का नया शिखर छुआ। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते भू-राजनीतिक और व्यापारिक तनाव के बीच निवेशकों की मजबूत मांग और वैश्विक तेजी के कारण दोनों धातुएं रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। शुक्रवार को सोना 1,58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सर्राफा बाजार में एक बार फिर सोने को पीछे छोड़ दिया। सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सर्राफा बाजार बंद थे। पिछले सत्र में चांदी 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 320 अंक चढ़ा

मुंबई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 320 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 127 अंक की मजबूती रही। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख तथा भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा से सकारात्मक रुख के बीच बैंक और धातु शेयरों में भारी लिवाली से बाजार बढ़त में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक यानी 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,857.48 पर बंद हुआ। कारोबार दौरान यह 82,084.92 अंक तक ऊंचा गया जबकि 81,088.59 अंक तक नीचे आया। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 126.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,175.40 पर बंद हुआ।

यूजीसी : नए नियमों के खिलाफ दिल्ली और यूपी समेत कई राज्यों में प्रदर्शन

दिल्ली में छात्रों ने यूजीसी मुख्यालय के बाहर किया विरोध, पूरी तरह वापस लेने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ कई राज्यों में विरोध तेज हो गया है। यूजीसी के विरोध में यूपी के बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के इस्तीफे के साथ कई जिलों में जोरदार प्रदर्शन और भाजपा के पदाधिकारियों के पार्टी छोड़ने की घोषणा के बीच राष्ट्रीय राजधानी में भी छात्रों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि नए नियम परिसर में अराजकता पैदा कर सकते हैं।

भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के मकसद से सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने वाले नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम, 2026 में अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में ओबीसी, एससी, एसटी से जुड़े लोगों, दिव्यांग व्यक्तियों और महिलाओं को सदस्य के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। नए नियम ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता के संवर्धन हेतु) विनियम, 2012 का स्थान लिया है। 2012 का विनियम मुख्य रूप से परामर्श जैसी प्रकृति का था।

भारी बैरिकेडिंग और बारिश के बीच, दिल्ली भर के कॉलेजों के छात्रों के एक समूह ने दिल्ली में यूजीसी मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। समूह ने यूजीसी को मांगों की एक सूची सौंपी, जिसमें विनियमों को पूरी तरह वापस लेने की मांग भी शामिल है। दिल्ली विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र आलोकित त्रिपाठी ने कहा, यूजीसी के अधिकारियों ने हमारा प्रस्ताव प्राप्त किया। वे हमारी मांगों की सूची में से कुछ बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए सहमत हुए। यूजीसी के अधिकारियों ने कहा कि वे इक्विटी स्क्वाड में सामान्य समुदाय से एक सदस्य की नियुक्ति की हमारी मांग पर विचार करेंगे। यह भी आश्वासन दिया कि 15 दिन के भीतर यानी 12 फरवरी से पहले कोई समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि झूठी शिकायतों को रोकने के लिए शिकायतकर्ताओं की पहचान गुप्त नहीं रखी जाएगी।

नई दिल्ली में यूजीसी मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करते छात्र।

आइसा ने किया समर्थन

वाम समर्थित छात्र संगठन 'ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन' ने नए नियमों का समर्थन किया है। एक बयान में कहा गया कि ओबीसी को 'समता सुरक्षा' के दायरे में शामिल करना स्वागतयोग्य कदम है। हालांकि, समता समिति में एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम, अस्पष्ट और अपर्याप्त परिभाषित है। इसके अलावा, विनियम में भेदभाव को व्यापक और अमूर्त शब्दों में परिभाषित किया गया है, किसी ठोस कृत्यों या भेदभाव के उदाहरणों का उल्लेख किए बिना।

नियमों का दुरुपयोग और किसी के साथ भेदभाव नहीं होने देंगे : प्रधान

कई राज्यों में इन नियमों के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आश्वासन दिया कि किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा और नियमों का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं विनम्रतापूर्वक सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी को भी किसी प्रकार के उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ेगा, कोई भेदभाव नहीं होगा और किसी को भी भेदभाव के नाम पर इस नियम का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। प्रधान ने कहा, चाहे यूजीसी हो, केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, उनकी जिम्मेदारी है। मैं आश्वासन देता हूं कि यह संविधान के दायरे में ही रहेगा।

शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन : उमा भारती

भोपाल। प्रयागराज स्थित संगम में मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के मध्य जारी विवाद के बीच मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मंगलवार को कहा कि किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है।

विवाद का जल्द समाधान निकलने की उम्मीद जताई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रशासन और कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण रखने की नसीहत देते हुए, भारती ने उम्मीद जताई कि जल्द ही इस विवाद का कोई सकारात्मक समाधान निकलेगा। माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को मौनी अमावस्या स्नान करने से मेला प्रशासन और पुलिस द्वारा रोके जाने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद मेला प्रशासन ने उनके खुद को शंकराचार्य बताए जाने पर सवाल उठाए थे। जबाव में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की टीम ने प्रशासन पर शंकराचार्य और उनके शिष्यों की सदियों पुरानी परंपराओं में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था।

इसी विवाद पर भाजपा की वरिष्ठ नेता भारती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा। किंतु प्रशासनिक अधिकारियों ने शंकराचार्य होने का सबूत मांग कर मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है। यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों एवं विद्वत परिषद का है। उमा भारती के इस पोस्ट को जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरोध में देखा जाने लगा तो उन्होंने कुछ देर बाद एक अन्य पोस्ट में कहा, योगी विरोधी खुशफहमी ना पालें, मेरा कथन योगी जी के विरुद्ध नहीं है।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने कहा- जांच रिपोर्ट का इंतजार

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने मंगलवार को कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया जारी है और सरकार उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। बिरला ने न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद पिछले साल 12 अगस्त को उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति का गठन किया था।

न्यायमूर्ति वर्मा को 14 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में तब वापस भेज दिया गया था, जब उनके आधिकारिक आवास पर नोटों के जले हुए बंडल मिले थे। यह पूछे जाने पर कि क्या बुधवार से शुरू होने वाले संसद के आगामी बजट सत्र से पहले इस मामले पर चर्चा की जाएगी, रिजीजू ने टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा, प्रक्रिया के अनुसार सदन की सहमति से अध्यक्ष द्वारा गठित समिति को मामला भेज दिया गया है और प्रक्रिया जारी है। जांच समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाईकोर्ट न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और बर्खास्तगी की प्रक्रिया से परिचित अधिकारियों ने बताया कि संसद के किसी भी सदन में सांसदों के सामने अपना पक्ष रखते हुए न्यायमूर्ति वर्मा यह घोषणा कर सकते हैं कि वह पद छोड़ रहे हैं और उनके मौखिक बयान को उनका इस्तीफा माना जाएगा। यदि न्यायमूर्ति वर्मा इस्तीफा देने का निर्णय लेते हैं, तो वह उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को मिलने वाली पेंशन और अन्य लाभों के हकदार होंगे। अधिकारियों ने बताया कि अगर संसद द्वारा उन्हें पद से हटाया जाता है, तो उन्हें पेंशन और अन्य लाभों से भी वंचित होना पड़ेगा।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से तेजाब हमलों की जानकारी तलब

नई दिल्ली। तेजाब हमले के मामलों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कई तरह की जानकारी देने को कहा। इसमें ऐसे मामलों का वर्षवार ब्यौरा, अदालतों में उनकी स्थिति के साथ पीड़ितों की मदद के लिए किए गए पुनर्वास उपायों का विवरण भी शामिल है।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे तेजाब हमले के उन मामलों की जानकारी दें जिनमें अधीनस्थ अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं। उन्हें उन मामलों की जानकारी भी देनी होगी जिनमें अधीनस्थ अदालत स्तर पर फैसला हो चुका है या जो लंबित हैं। चार सप्ताह में विवरण देने का आदेश देते हुए पीठ ने उनसे ऐसे मामलों में हाईकोर्ट समेत अपीलीय अदालतों में दायर अपीलों की संख्या की भी जानकारी मांगी। पीठ ने उनसे हर पीड़ित की संक्षिप्त जानकारी उसकी शैक्षणिक योग्यता, नौकरी और वैवाहिक स्थिति तथा चिकित्सा उपचार और हो चुके या होने वाले खर्चों के बारे में भी जानकारी देने को कहा।

गैंगस्टर एक्ट और बीएनएस के प्रावधानों में टकराव पर उत्तर प्रदेश से जवाबतलब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की धारा 111 (संगठित अपराध) के बीच कथित संवैधानिक असंगति के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब तलब किया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और

न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोपित कई लोगों द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई कर रही थी।

आरोपियों ने याचिका में प्रावधानों को संविधान के विरुद्ध बताया

मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी, सिद्धार्थ दवे, विनय नवारे, अमित कुमार और संजय कुमार पाठक ने राज्य के कानून और हाल में लागू केंद्रीय कानून के बीच संवैधानिक टकराव का मुद्दा उठाया था। याचिकाओं में यूपी गैंगस्टर एक्ट की धारा 3 (दंड), धारा 12 (विशेष न्यायालयों द्वारा मुकदमे की प्राथमिकता), धारा 14 (संपत्ति की कुर्की), धारा 15 (संपत्ति की सुपुर्दगी), धारा 16 (संपत्ति अर्जन के स्वरूप की जांच) और धारा 17 (जांच के बाद आदेश) को चुनौती दी गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक क्रियाकलाप (निवारण) नियम, 2021 की कुछ धाराओं-नियम 16(3), 22, 35, 37(3) और 40 को भी असंवैधानिक बताया गया है।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी है कि ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 और 300-ए का उल्लंघन करते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने पीठ के समक्ष कहा कि बीएनएस की धारा 111 और यूपी गैंगस्टर एक्ट एक ही विधायी क्षेत्र में आते हैं और दोनों के बीच प्रत्यक्ष तथा अपूर्णीय टकराव है। उन्होंने तर्क दिया कि संसद ने धारा 111 को लागू करते समय संगठित अपराध और समूह आधारित आपराधिक गतिविधियों के लिए एक समग्र और पूर्ण कानूनी ढांचा बनाने का लक्ष्य रखा था, जिससे यूपी गैंगस्टर एक्ट जैसे राज्य कानून अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्थापित हो जाते हैं।

अमेरिका के उत्तर पूर्वी हिस्से में आए बर्फीले तूफान के कारण 25 की मौत

- ऑक्सफोर्ड विवि में पूरे सप्ताह के लिए कक्षाएं रद्द कर दी गईं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के पूर्वोत्तर भाग में सोमवार को बर्फीले तूफान के कारण 25 लोगों की मौत हो गई। तूफान के आखिरी चरण के असर से और बर्फबारी हुई तथा दक्षिण के कुछ हिस्सों में जमा देने वाली बारिश से परेशानी बनी रही तथा लाखों लोग बिजली के बिना ठंड में ठिठुरते रहे।

अर्कांसस से न्यू इंग्लैंड तक 2,100 किलोमीटर के क्षेत्र में एक फुट से अधिक ऊंचाई तक बर्फ जम जाने के कारण सोमवार को सड़क यातायात बाधित हुआ, उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और स्कूल बंद हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि पिट्सबर्ग के उत्तरी इलाकों में 20 इंच तक बर्फ पड़ी और तापमान शून्य से 31 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। पावरआउटेज डॉट कॉम के अनुसार, देश में सोमवार दोपहर तक 7,50,000 से अधिक जगहों पर बिजली गुल रही। मिसिसिपी के कुछ हिस्से 1994 के बाद राज्य के सबसे भीषण बर्फीले तूफान से जूझ रहे हैं। मिसिसिपी विश्वविद्यालय ने इसके ऑक्सफोर्ड परिसर के बर्फ से ढक जाने के कारण कक्षाएं पूरे सप्ताह के लिए रद्द कर दीं। अमेरिका में सोमवार को 8,000 से अधिक उड़ानों में देरी हुई और उन्हें रद्द किया गया।

ऑस्ट्रेलिया में छोटा विमान क्रैश, दो मरे

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में एक हल्का विमान मंगलवार को सुबह छह बजे उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें सवार दो लोगों पायलट और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। विमान नीचे आ गया और गोल्ड कोस्ट के बाहरी इलाके में स्थित छोटे से हवाई अड्डे के बाहर जमीन से टकरा गया।

सामाजिक न्याय पर छिड़ा संग्राम

यूजीसी समानता बिल

भारतीय उच्च शिक्षा के इतिहास में वर्ष 2026 एक बड़े वैचारिक और कानूनी बदलाव के गवाह के रूप में दर्ज हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले नियम, 2026 ने देश के शैक्षणिक परिसरों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। जहां एक ओर सरकार और यूजीसी इसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों (एससी, एसटी और अब ओबीसी) के लिए एक सुरक्षित और गरिमापूर्ण शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में क्रांतिकारी कदम बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सवर्ण समाज, शिक्षक संगठनों और सामान्य वर्ग के छात्रों के बीच इसे लेकर भारी आक्रोश है। कई नागरिक समूहों और संगठनों का तर्क है कि ये नियम समानता के नाम पर प्रतिगामी भेदभाव को जन्म देंगे।

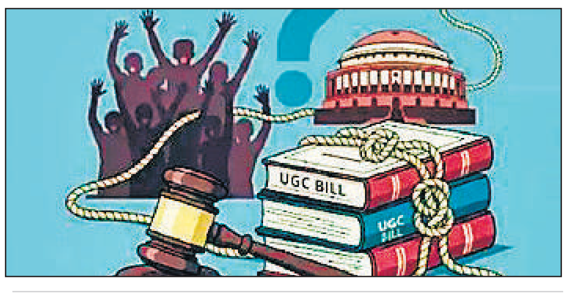

कई संवेदनशील मुद्दों को मिली हवा

- यह विवाद केवल प्रशासनिक बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने जातिगत राजनीति, योग्यता बनाम आरक्षण की पुरानी बहस और कैंपस की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों को फिर से हवा दे दी है। नए नियमों में सबसे विवादित पहलू भेदभाव की व्यापक परिभाषा और झूठी शिकायतों के खिलाफ दंडात्मक प्रावधानों का अभाव है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थिति सामान्य वर्ग के छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है, जिससे परिसरों में अविश्वास का माहौल पैदा होगा। इस विवाद ने सड़कों पर प्रदर्शनों से लेकर सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक का सफर तय कर लिया है।

पुराने बनाम नए नियम

- सुरक्षा का दायरा : वर्ष 2012 के पुराने नियम में मुख्य रूप से एससी और एसटी छात्रों तक सीमित जबकि वर्ष 2026 में प्रस्तावित नए नियम में एससी-एसटी के साथ ओबीसी, धर्म, मूल स्थान और ईडब्ल्यूएस को भी शामिल किया गया।
- संस्थागत ढांचा : पहले के नियम में एक नोडल अधिकारी और सामान्य शिकायत तंत्र था जबकि नई नियमावली में इक्विटी कमेटी और इक्विटी स्क्वॉड का अनिवार्य गठन किया गया है।
- झूठी शिकायत पर प्रावधान : पहले के नियम में झूठी शिकायत करने वाले छात्र के खिलाफ सजा का प्रावधान था। नए नियम में झूठी शिकायत के लिए सजा का प्रावधान हटा दिया गया है।
- जवाबदेही : पहले संस्थान के स्तर पर लचीलापन था। अब कुलपति (वीसी) को व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह बनाया गया है।
- निगरानी : पहले राष्ट्रीय निगरानी समिति नहीं थी। अब समिति द्वारा छमाही समीक्षा अनिवार्य।

विवाद की मुख्य वजह

- झूठी शिकायतों पर सजा का प्रावधान हटाने से सामान्य वर्ग को डर है कि प्रतिशोध के लिए इसका दुरुपयोग होगा।
- नए नियमों का ढांचा निर्दोष साबित होने तक दोषी की तर्ज पर है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।
- आलोचकों का कहना है कि कैंपस में इक्विटी स्क्वॉड जैसे तंत्र से भाईचारे के बजाय तनाव बढ़ेगा।
- यह स्पष्ट नहीं है कि जांच के दौरान आरोपी छात्र या शिक्षक को खुद को बचाने के लिए क्या सुरक्षा उपाय होंगे।

सरकार का पक्ष

- सरकार का कहना है कि ओबीसी छात्रों को परिसरों में सूक्ष्म भेदभाव का सामना करना पड़ता है, जिसे कानूनी सुरक्षा दी गई है। यूजीसी के अनुसार नियमों का उद्देश्य किसी को सजा देना नहीं, बल्कि तय करना है कि कोई भी छात्र अपनी जाति के कारण शिक्षा न छोड़े।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, 50 पर पारा

वेलिंग्टन। भीषण गर्मी की लहर का प्रकोप झेल रहे ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में मंगलवार को तापमान लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। विक्टोरिया राज्य के ग्रामीण कस्बों होपटाउन और वालपेउप में प्रारंभिक तौर पर अधिकतम तापमान 48 .9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगर रात भर में इसकी पुष्टि हो जाती है तो यह वर्ष 2009 में दर्ज अधिकतम तापमान के रिकॉर्ड को तोड़ देगा। मंगलवार की भीषण गर्मी से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन विक्टोरिया के अधिकारियों ने सावधानी बरतने का आग्रह किया।

इंडोनेशिया के जावा में 5.7 तीव्रता का भूकंप

हांगकांग। इंडोनेशिया के जावा में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार 01 :20 बजे 5 .7 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। यह जानकारी जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र जीएफजेड ने दी। भूकंप का केंद्र 120 .8 किलोमीटर गहराई में, शुरू में 8 .07 डिग्री दक्षिणी अक्षांश और 111 .36 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया। भूकंप में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

चेन्नई हवाई अड्डे पर मामूली आग लगी

चेन्नई। चेन्नई हवाई अड्डे पर मंगलवार को मामूली आग लग गई, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि हवाई यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। भारतीय विमानपत्तनम प्राधिकरण (एएआई) की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि लगभग पौने 12 बजे एयरलाइन कार्यालयों के पास टी2 प्रस्थान क्षेत्र में मामूली आग लग गई। यहां दस्तावेज़ रखे हुए थे। संकट प्रबंधन समिति ने तुरंत कार्रवाई की और पौने एक बजे बजे तक स्थिति पर काबू पा लिया गया। एएआई अग्निशमन सेवा, राज्य अग्निशमन सेवा, सीआईएसएफ और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति को सामान्य कर दिया और कोई हताहत नहीं हुआ।

हेरोइन और हथियारों के साथ चार गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने बॉर्डर पार से मादक पदार्थ और हथियारों की तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि चार लोगों को पकड़ा गया है और उनके पास से 1 .5 किग्रा हेरोइन, दो अत्याधुनिक पिस्तौल, 34 कारतूस और तस्करी से हासिल 1 .98 लाख रुपये बरामद किये हैं। आरोपी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए पाकिस्तान में बैठे तस्करों के संपर्क में हैं।

बार-बार झूठ बोलकर आतंकवाद को जायज ठहरा रहा पाकिस्तान

संरा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत ने फिर पड़ोसी देश को लगाई फटकार

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर झूठा और स्वार्थपूर्ण विवरण पेश करने पर पाकिस्तान के राजदूत को करारा जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कहा कि आतंकवाद को सरकारी नीति के औजार के रूप में पाकिस्तान द्वारा लगातार इस्तेमाल किए जाने को सहना सामान्य नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

अहमद ने अंतर्राष्ट्रीय विधि-शासन की पुनर्पुष्टिः शांति, न्याय और बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने के मार्ग विषय पर सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई खुली बहस में ऑपरेशन सिंदूर, जम्मू कश्मीर और सिंधु जल संधि पर टिप्पणी की। हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद का निर्वाचित सदस्य पाकिस्तान एकल सूत्री एजेंडा रखता है-भारत और उसके लोगों को नुकसान पहुंचाना। अहमद ने परिषद से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ने साबित किया कि दबाव या दंडमुक्ति पर आधारित कोई नई सामान्य स्थिति (न्यू नॉर्मल) नहीं हो सकती। भारत ने अहमद की टिप्पणियों को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधा और हरीश ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को सामान्य बनाना चाहता है लेकिन ऐसा कभी नहीं हो सकता। हरीश ने कहा कि हमने पाकिस्तान के प्रतिनिधि से नई सामान्य स्थिति की बात सुनी। मैं फिर दोहराता हूं कि आतंकवाद को, जैसा पाकिस्तान करना चाहता है, कभी सामान्य नहीं बनाया जा सकता। पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को सरकारी नीति के औजार के रूप में लगातार इस्तेमाल किए जाने को सहना सामान्य नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा।

संरा अब शांति सुनिश्चित करने वाली संस्था नहीं

संयुक्त राष्ट्र। भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को अब अंतर्राष्ट्रीय शांति सुनिश्चित करने वाली संस्था के रूप में नहीं देखा जा रहा है और शांति एवं सुरक्षा से जुड़े परिणाम हासिल करने के लिए चर्चाएं समानांतर बहुपक्षीय ढांचों की ओर बढ़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने सोमवार को यहां अंतर्राष्ट्रीय कानून के शासन की पुनः पुष्टि : शांति, न्याय और बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने के मार्ग विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा, सार्वभौमिक सदस्यता वाले बहुपक्षवाद, जिसके केंद्र में संयुक्त राष्ट्र है, पर दबाव बढ़ रहा है।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग

हरीश ने जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है, है और हमेशा रहेगा। हरीश ने सिंधु जल संधि पर कहा कि भारत ने 65 वर्ष पहले सद्भावना, मैत्री और मित्रता की भावना से यह समझौता किया था। उन्होंने कहा कि इन साढ़े छह दशक में पाकिस्तान ने तीन युद्ध थोपकर और भारत पर हजारों आतंकवादी हमले करके इस संधि की भावना का उल्लंघन किया है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलों में हजारों भारतीयों की जान गई है।

उ. कोरिया ने समुद्र में दागीं बैलिस्टिक मिसाइल, तनाव

सियोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर छोटी दूरी के बैलिस्टिक प्रक्षेपास्त्र दागे। पड़ोसी देशों की तरफ से यह जानकारी दी गई। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब उत्तर कोरिया एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठक से पहले अपने प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया के साथ तनाव बढ़ा रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के उत्तर-पूर्व में स्थित एक क्षेत्र से कई बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण का पता लगाया और प्रत्येक मिसाइल ने लगभग 350 किलोमीटर की दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उत्तर कोरिया से दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलें कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी तट पर गिरीं। मंत्रालय ने इन प्रक्षेपणों की निंदा करते हुए इन्हें जापान, क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की शांति के लिए खतरा बताया। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया द्वारा किसी भी प्रकार की उकसावे वाली कार्रवाई को विफल करने के लिए दृढ़ तैयारी कर रखी है। जनवरी की शुरुआत में उत्तर कोरिया द्वारा हाइपरसोनिक मिसाइलों का परीक्षण करने के बाद यह पहला मौका था जब उसने हथियारों का परीक्षण किया था।

ट्रंप ने दक्षिण कोरिया पर थोपा 25% टैरिफ

- दक्षिण कोरिया ने शुल्क बढ़ाने की जानकारी से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह दक्षिण कोरियाई वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) बढ़ा रहे हैं, क्योंकि वहां की नेशनल असेंबली ने अक्टूबर में तय हुए व्यापार ढांचे को अभी तक मंजूरी नहीं दी है। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि दक्षिण कोरिया से आयात होने वाली गाड़ियों, लकड़ी और दवाइयों पर आयात कर बढ़ाया जाएगा, जबकि अन्य वस्तुओं पर शुल्क की दर 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दी जाएगी।

वहीं, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने ऐसी किसी जानकारी से इनकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इससे पहले आर्थिक आपात स्थिति घोषित कर और कांग्रेस को दरकिनार करते हुए शुल्क लगाए थे, जबकि दक्षिण कोरिया को जुलाई में घोषित और ट्रंप की अक्टूबर यात्रा के दौरान तय हुए इस ढांचे के लिए विधायी मंजूरी की ज़रूरत है। ट्रंप ने कहा कि हमारे व्यापार समझौते अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन सभी सौदों में हमने तय किए गए समझौते के अनुरूप अपने शुल्क तेज़ी से कम किए हैं। हम स्वाभाविक रूप से उम्मीद करते हैं कि हमारे व्यापारिक साझेदार भी ऐसा ही करें। यह धमकी इस बात की याद दिलाती है कि पिछले साल ट्रंप द्वारा शुरू किया शुल्क लगाने की धमकी देने का सिलसिला इस साल भी बार-बार दोहराया जा सकता है।

ट्रंप की धमकियों को किया खारिज

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दी जा रही टैरिफ संबंधी धमकियों को अमेरिका-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा से पहले की बातचीत संबंधी रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। कार्नी ने कहा कि अमेरिका, मेक्सिको-कनाडा समझौते की समीक्षा होने जा रही है उन्हें मजबूत समीक्षा की उम्मीद है।

सिंगापुर में मणिपाल मेडिकल कॉलेज की डिग्री को मान्यता

सिंगापुर। सिंगापुर में डॉक्टर बनने के इच्छुक छात्र अब भारत के 'मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन' सहित आठ और विदेशी संस्थानों में मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे। सिंगापुर ने उम्रदराज होती आबादी के कारण डॉक्टरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों को मान्यता देने का फैसला किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर चिकित्सा परिषद ने कहा कि नई मंजूरी प्राप्त ये संस्थान सिंगापुर को डॉक्टरों की जरूरत को पूरा करने में मदद करेंगे। इन आठ संस्थानों के शामिल होने के साथ एक फरवरी 2026 तक सिंगापुर में मान्यता प्राप्त विदेशी मेडिकल स्कूलों की संख्या 112 से बढ़कर 120 हो गई है।

कश्मीर में सड़क हादसा जवान समेत 4 की मौत

- उधमपुर जिले में बस ने मालवाहक वाहन और बाइक में मारी टक्कर

जम्मू, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में मंगलवार को एक बस ने खड़े मालवाहक वाहन और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक महिला घायल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जखानी-चेनानी इलाके के पास पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई।

उन्होंने बताया कि बस डोडा से जम्मू जा रही थी। उसी दौरान चालक उस पर से नियंत्रण खो बैठा जिससे वह पहले एक मोटरसाइकिल से टकराई और फिर एक खड़े मालवाहक वाहन से जा भिड़ी। उन्होंने बताया कि मालवाहक वाहन खराब था और एक मैकेनिक उसकी मरम्मत कर रहा था। अधिकारियों के अनुसार, मैकेनिक और मालवाहक वाहन के चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि हादसे के दौरान बस पर सवार दो यात्री उसकी आपातकालीन खिड़की से बाहर गिर गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान उधमपुर के मैकेनिक संजीव कुमार, बडगाम के रईस अहमद और सीआरपीएफ जवान मुकेश प्रजापति के रूप में हुई है।

बीजिंग रवाना हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर चीन के साथ संबंधों में नरमी लाने के प्रयास के तहत ऐसे समय बीजिंग की यात्रा पर जा रहे हैं, जब अमेरिका के साथ ब्रिटेन के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। स्टार्मर को उम्मीद है कि इस दौरे से ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, हालांकि उन्हें देश में चीन के प्रति सख्त रुख रखने वालों की नाराज़गी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की असहमति का जोखिम भी है, जो पहले ही कई देशों पर शुल्क लगा चुके हैं। स्टार्मर बुधवार से शुरू हो रही बीजिंग और शंघाई की इस यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली क्विंग से मुलाकात करेंगे। यह 2018 के बाद किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री की चीन की पहली यात्रा होगी।

फ्रांस में सोशल मीडिया प्रतिबंध विधेयक मंजूर

- 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर लागू होगा कानून

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के सांसदों ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे सितंबर में अगले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से इसके लागू होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यूरोप में सोशल मीडिया मंचों के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु निर्धारित करने का विचार जोर पकड़ रहा है।

इस विधेयक में हाई स्कूलों में मोबाइल फोन के उपयोग पर भी प्रतिबंध का प्रावधान है। नेशनल एसेंबली ने सोमवार देर रात विधेयक को 21 के मुकाबले 130 मतों से पारित कर दिया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने विधेयक को जल्द पारित करने का अनुरोध किया है और अब आने वाले हफ्तों में इस पर सीनेट में चर्चा की जाएगी। मतदान के बाद मैक्रों ने कहा कि 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंधः यही वैज्ञानिकों की सिफारिश है, और यही फ्रांस की जनता की भारी मांग है। क्योंकि हमारे बच्चों का दिमाग बिक्री के लिए नहीं है - न तो अमेरिकी मंचों और न ही चीनी नेटवर्क के लिए। उनके सपनों को एल्गोरिदम द्वारा निर्देशित नहीं किया जाना चाहिए। यह मुद्दा संसद के सामने मौजूद कुछ विषयों में से एक है जिसे व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ है।

ईरान के करीब पहुंचे अमेरिकी विमानवाहक पोत

वाशिंगटन। विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके साथ तीन युद्धपोत पश्चिम एशिया पहुंच गए हैं, जिससे इस बात की आशंका फिर से बढ़ गई है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रदर्शनकारियों पर ईरान की कार्रवाई के विरोध में हवाई हमले का आदेश देने का विकल्प चुन सकते हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर कहा कि तीन विध्वंसक जहाजों के साथ यह विमानवाहक पोत क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान में पश्चिम एशिया में तैनात है। ट्रंप ने पिछले हफ्ते कहा था कि जहाजों को संभावित उपयोग के लिए उस क्षेत्र में भेजा गया है। उन्होंने कहा, हमारा एक विशाल बेड़ा उस दिशा में जा रहा है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 04 .35 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

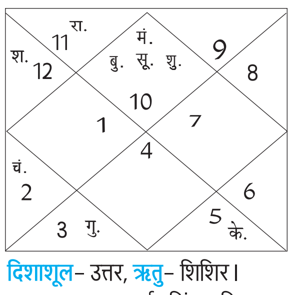

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृतिका 09 .26 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज जीवनसाथी के साथ आपको झगड़ना नहीं चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपको पुराने अनुभवों से लाभ हो सकता है। अधिकारी आपके कार्यों से अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। नए मित्र बन सकते हैं।

वृष — आज आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिए। जीवन की सत्यता का सामना करना पड़ेगा। आपको कारोबार बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। अविवाहित जातकों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं।

मिथुन — आज के दिन आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपकी तरक्की से जलेंगे। चिकित्सा सेवा से जुड़े लोगों को काफी परेशानी हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को कम करने की दिशा में प्रयास कर सकते हैं।

कर्क — आज अपनी तीव्र बौद्धिक क्षमता का कुशल उपयोग कर पायेंगे। आज आप आय बढ़ाने के लिये प्रयासरत रहेंगे। लोगों पर आपका काफी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। परिवार के छोटे सदस्यों की चिंता रहेगी। जीवनसाथी आपका उत्साहवर्धन करेंगे।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में प्रबंधन क्षमता का कुशल प्रयोग करेंगे। प्रेमीजन से अपने मन की बातें शेयर करेंगे। आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहना वाला है। आप दूसरों की मदद करने का प्रयास करेंगे। नए कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं।

कन्या — आज आपको काफी बदलाव वाली परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। विदेश में रहने वाले लोगों को कुछ परेशानी हो सकती है। आप अपनी छवि को लेकर अत्यन्त चिन्तित रहेंगे। रिश्तेदारों से उधार धन लेना पड़ सकता है। ऑनलाइन शॉपिंग से आपको बड़ा लाभ होगा।

तुला — आज अपनी दिनचर्या में आप बदलाव ला सकते हैं। आप स्वयं को काफी सेहतमंद महसूस करेंगे। जीवनसाथी की सलाह का अनुसरण करें इससे आपको लाभ होगा। नया वाहन खरीदने का विचार बनायेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं का भरपूर आनन्द उठायेंगे।

वृश्चिक — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित हो सकते हैं। किसी काम के पूरा न होने से मन में असंतोष का भाव रहेगा। बड़ों की राय लेकर काम करना हितकर होगा। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े भावुक रहेंगे। छात्रों को अपनी पढ़ाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

धनु — आज आय की दृष्टि से दिन बहुत ही अच्छा है। शाम के समय आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके नए मित्र बन सकते हैं। किसी ऐसे व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है जिसका आप काफी समय से इंतजार कर रहे थे।

मकर — आज अपनी योग्यता और प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। पेट में जलन की शिकायत हो सकती है। संतान से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आज आप अपने मित्रों की काफी सहायता करेंगे। आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। युवा प्रेमियों को कुछ तनाव हो सकता है। आपको कुछ आकस्मिक खर्च करने पड़ सकते हैं। अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। पाचन तंत्र में गड़बड़ी हो सकती है। संतान के करियर को लेकर थोड़े चिन्तित रहेंगे।

मीन — आज व्यवसाय में अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। दूसरों के कार्यों में ज्यादा दखल न दें। शेयर मार्केट से जुड़े कार्यों से लाभ होगा। शाम के समय दोस्तों से मिल सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

सुडोकू-44

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	1				2	7
	2			7				5
	3				8		9	
8				3			5	
		4				2		
	1			9				8
	4		7				1	
1				2			4	
	5	6			4	7		

सुडोकू - 43 का हल

8	5	4	3	1	7	6	9	2
7	3	2	9	4	6	5	1	8
6	1	9	5	2	8	7	3	4
4	6	7	2	8	1	3	5	9
5	9	1	4	7	3	2	8	6
2	8	3	6	9	5	1	4	7
3	2	5	8	6	4	9	7	1
1	4	6	7	3	9	8	2	5
9	7	8	1	5	2	4	6	3

> हमारे पास ऐसे कई गेंदबाज़ हैं जो हर परिस्थिति में गेंदबाजी कर सकते हैं। विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हमारी सोच का एक हिस्सा अलग-अलग संयोजनों को आजमाने का था। हम नहीं चाहते कि टीमें हमारे खिलाफ तय योजना के साथ मैदान में आए।
> –मोर्ने मोर्कल, गेंदबाजी कोच

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 28 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विश्व कप 2030 के फाइनल की मेजबानी करेगा स्पेन

मैड्रिड। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने अभी तक यह नहीं बताया है कि 2030 में होने वाले विश्व कप के नॉकआउट चरण के मैच कहां खेले जाएंगे, लेकिन स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष ने कहा कि स्पेन फाइनल की मेजबानी करेगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को इस विश्व कप के संयुक्त मेजबान हैं जबकि उरुग्वे, अर्जेंटीना और पैराग्वे भी एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष राफेल लूजान ने पत्रकारों को बताया कि फाइनल मैच स्पेन में होगा, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह किस शहर या किस स्थान पर खेला जाएगा। उन्होंने कहा स्पेन विश्व कप में शीर्ष पर रहेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा। मोरक्को भी फाइनल की मेजबानी करना चाहता है।

अश्मिता थाईलैंड मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में

बैंकॉक। भारत की अश्मिता चालिहा ने मंगलवार को यहां थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में दो कड़े मुकाबले जीतकर महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। गुवाहाटी की 26 साल की खिलाड़ी ने अपने पहले क्वालिफिकेशन मैच में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग को 42 मिनट में 21-15, 12-21, 21-12 से शिकस्त दी। इसके बाद अश्मिता ने कोरिया की किम जू यून की कड़ी चुनौती को 45 मिनट में 21-11, 10-21, 21-16 से खत्म किया। अब मुख्य ड्रॉ में उनका सामना हमवतन देविका सिहाग से होगा। एक अन्य मैच में श्रेया लेले क्वालिफिकेशन चरण में इंडोनेशिया की नी कडेक धिंडा अमर्त्या प्रतावी से 12-21, 21-12, 15-21 से हार गईं।

रोहित के साथ काम बहुत आसान था : द्रविड़

बेंगलुरु। भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने रोहित शर्मा की बदलाव के प्रति खुली सोच को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे उनका काम काफी आसान हो गया था क्योंकि कप्तान का संदेश बिना किसी मुश्किल के पूरी टीम तक पहुंच जाता था। द्रविड़ लगभग तीन साल तक भारत के मुख्य कोच रहे और रोहित की कप्तानी में राष्ट्रीय टीम को अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप में जीत दिलाई। इसके बाद गौतम गंभीर को मुख्य कोच नियुक्त किया गया।

फिलहाल संन्यास का कोई इरादा नहीं : केएल राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकार किया है कि संन्यास लेने का विचार उनके मन में आया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि अभी इसमें कुछ समय बाकी है और जब समय आएगा तो वह इसमें देर नहीं लगाएंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि संन्यास लेना कोई मुश्किल फैसला नहीं होगा क्योंकि क्रिकेट के अलावा भी जीवन है।

भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के प्रमुख खिलाड़ी 33 वर्षीय राहुल ने पीटरसन से उनके यूट्यूब चैनल पर कहा मैंने इसके बारे में सोचा है। मुझे नहीं लगता कि यह (संन्यास लेना) इतना मुश्किल होगा। अगर आप खुद के प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे टालने का कोई मतलब नहीं होगा। निश्चित तौर पर इसमें अभी कुछ समय लगेगा। राहुल ने कहा कि वह खुद को सुपरस्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिससे उन्हें लगता है कि भविष्य में संन्यास का फैसला करना आसान हो जाएगा।

- **बोले- जब समय आएगा तो देर नहीं करूंगा**

> मुझे नहीं लगता कि संन्यास लेना इतना मुश्किल होगा। अगर आप खुद के प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे टालने का कोई मतलब नहीं होगा। निश्चित तौर पर इसमें अभी कुछ समय लगेगा।
> -केएल राहुल

उन्होंने कहा बस चुपचाप (खेलना) छोड़ दो। जो कुछ तुम्हारे पास है, उसका आनंद लो। तुम्हारा परिवार भी है, इसलिए बस वही करो जो तुम्हें अच्छा लगे। यही सबसे कठिन है। इसलिए मैं खुद को यही समझाने की कोशिश करता हूं कि मैं बहुत महत्वपूर्ण नहीं हूं।

राहुल ने कहा हमारे देश में क्रिकेट चलता रहेगा। दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा। जीवन में और भी महत्वपूर्ण चीजें हैं और मुझे लगता है कि यह सोच मेरी हमेशा से रही है, लेकिन जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया है। यही मेरी सोच है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने कई चोटों से जूझने की सबसे मुश्किल जंग के बारे में भी खुलकर बात की, जिसके कारण उन्हें शीर्ष स्तर पर अपनी निरंतरता को लेकर सवाल उठाने पड़े। उन्होंने कहा ऐसा भी समय था जब मैं चोटिल हो गया। मुझे कई बार चोट लगी है और यही सबसे मुश्किल चुनौती होती है। यह वो दर्द नहीं है जो फिजियोथेरेपिस्ट या सर्जन आपको देते हैं। यह मानसिक द्वंद्व है जहां आपका मन हार मान लेता है। जब ऐसा बार-बार होता है, तो आपका मन सोचने लगता है, तुमने बहुत कुछ कर लिया है। तुम भाग्यशाली रहे हो कि क्रिकेट ने तुम्हें पर्याप्त पैसा दिया है।

रिकॉर्ड

67 टेस्ट मैचों में 35.8 के औसत से 4,053 रन और 94 वनडे मैचों में 50.9 के औसत से 3,360 रन बनाए हैं। राहुल ने 72 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 37.75 के औसत और 139 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन भी बनाए हैं।

श्रृंखला जीतने के बाद अब भारत की निगाह स्पिनरों के श्रेष्ठ प्रदर्शन पर

चौथा टी-20 मुकाबला शाम 7 बजे से, कुलदीप और वरुण नहीं कर पाए अपेक्षित प्रदर्शन

विशाखापत्तनम, एजेंसी

अब तक खेल के हर विभाग में अपना दबदबा बनाने वाली भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगी जिसमें वह स्पिनरों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद भी करेगी।

अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन से भारत ने पहले तीनों मैच जीत कर श्रृंखला अपने नाम कर ली है। लेकिन इस बीच उसके दो प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए।

कुलदीप ने दो मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं और वह प्रभावित करने में असफल रहे हैं। उन्होंने प्रति ओवर 9.5 रन लुटाए। पिछले मैच में भी कुलदीप ने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए। जसप्रीत बुमराह, रवि बिश्नोई और हार्दिक पंड्या की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने कीवी टीम को नौ विकेट पर 153 रन पर रोक दिया था। कुलदीप इससे पहले वनडे श्रृंखला में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे और प्रति ओवर 7.28 रन दिए थे। चक्रवर्ती को पिछले मैच में विश्राम दिया गया था लेकिन पहले दो मैच में उनकी गेंदबाजी में वह धार नहीं दिखी जिसके लिए वह जाने जाते हैं। इस संदर्भ में भारत इस बात पर विचार करेगा कि क्या चौथे मैच में बिश्नोई (गुवाहाटी में 18 रन देकर दो विकेट) को ही टीम में बनाए रखा जाए और कुलदीप को विश्राम देने के लिए उनकी जगह चक्रवर्ती को वापस लाया जाए। भारत ऑलराउंडर अक्षर पटेल की फिटनेस पर भी कड़ी नजर रखेगा, क्योंकि उंगली में चोट के कारण वह नागपुर में पहले मैच के बाद से नहीं खेल पाए हैं। भारत इस सीरीज में विश्व कप से पहले गेंदबाजी विभाग में अपने चरम पर पहुंचने की कोशिश कर रहा है लेकिन बल्लेबाजी में फिलहाल उसका कोई सानी नहीं दिख रहा है। इस श्रृंखला में भारतीय बल्लेबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है। तीसरे मैच में तो भारत ने केवल 10 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। अभिषेक ने 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार और किशन ने लगभग 230 के स्ट्राइक रेट को बनाए रखा है। भारत की बल्लेबाजी की आक्रामकता की बानगी पिछले दो मैच आंकड़े पेश करते हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उप-कप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फाक्स, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, लॉकी फर्ग्यूसन, इश सोढ़ी, टिम सीफर्ट।

अभिषेक, ईशान और सूर्यकुमार से निपटने के तरीके को सीखना होगा : ओरम

विशाखापत्तनम। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की लगातार आक्रामक बल्लेबाजी ने पांच मैचों की मौजूदा टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के लिए संयम बनाये रखना मुश्किल कर दिया, लेकिन गेंदबाजी कोच जैकब ओरम ने खिलाड़ियों से इस चुनौती को स्वीकार करने और उससे निपटने के तरीके इजाद करने की सलाह दी। भारतीय शीर्ष क्रम के इन तीन बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की कड़ी परीक्षा ली है। ओरम ने कहा मैदान पर थोड़ी अराजकता जैसी स्थिति रही है, गेंद हर बार बाउंड्री के बाहर जा रही है। ऐसे में संयम और नियंत्रण बनाये रखने के साथ अपनी योजनाओं को अमल में लाना जरूरी है। लेकिन मैं फिर कहूंगा कि यह सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

नाबाद शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते विहान मल्होत्रा। एजेंसी

विहान के शतक से भारत ने जिम्बाब्वे को रौंदा

अंडर-19 विश्व कप

- **353 रनों का विशाल लक्ष्य देने के बाद जिम्बाब्वे को 148 रनों पर सीमित कर दिया**

बुलावायो, एजेंसी

विहान मल्होत्रा की नाबाद शतकीय पारी और अभिज्ञान कुंडू (61) के साथ पांचवें विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी से भारत ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स चरण के अपने पहले मुकाबले में मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे पर 204 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

ग्रुप चरण में अमेरिका, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में हराने वाली भारतीय टीम ने शानदार लय जारी रखते हुए आठ विकेट पर 352 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद जिम्बाब्वे की पारी को 37.4 ओवर में 148 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम के सामने अब एक फरवरी को पाकिस्तान की चुनौती होगी। मल्होत्रा ने 107 गेंद की नाबाद पारी में सात चौके की मदद से 109 रन बनाये जबकि कुंडू ने 61 गेंद में पांच चौके और एक छक्का की मदद से 61 रन बनाये।

पारी की शुरुआत में वैभव सूर्यवंशी ने 30 गेंद में 52 जबकि आखिरी ओवरों में खालिन पटेल ने 12 गेंद में 30 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। ज़िम्बाब्वे की बल्लेबाजी भारतीय तेज गेंदबाजों के आगे ढेर हो गई। आरएस अम्बरीष (19 रन पर दो विकेट) और हेनील पटेल (25 रन पर एक विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने टीम ने नौवें ओवर में 24 रन तक तीन विकेट गंवा दिये। कप्तान आयुष म्हात्रे ने अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से 14 रन देकर तीन विकेट लिये। उन्होंने पुछल्ले बल्लेबाजों को चलता किया जबकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज उधव मोहन ने मध्यक्रम को झकझोरते हुए तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ भारत सुपर सिक्स ग्रुप दो में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है। टीम का अगला मुकाबला पाकिस्तान से एक फरवरी को होगा। सूर्यवंशी ने एक बार फिर भारत को तेज शुरुआत दिलाई और उनकी तथा आरोन जॉर्ज (23) की जोड़ी ने महज 25 गेंद में 40 रन की साझेदारी कर दी। भारत ने अपने पहले 100 रन सिर्फ 62 गेंदों में पूरे किए, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने 30 गेंदों की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाये। पारी के 11वें ओवर में भारत ने म्हात्रे (21) और सूर्यवंशी का विकेट गंवा दिया जिससे स्कोर तीन विकेट 103 रन हो गया। वेदांत त्रिवेदी (15) के आउट होने से 130 रन पर चौथा विकेट गिरने क बाद टीम मुश्किल में थी। मल्होत्रा और कुंडू ने इसके बाद तेजी से रन बनाते हुए गेंदबाजों को परेशान किया। मल्होत्रा ने 104 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने इस दौरान अम्बरीष (21) ने सातवें विकेट के लिए 52 रन जोड़े और फिर आठवें विकेट के लिए खिलान के साथ मिलकर 47 रन की साझेदारी कर भारत को 350 रन के पार पहुंचाया।

टी-20 विश्व कप

बांग्लादेश का समर्थन करना अच्छा, पर पाकिस्तान क्रिकेट की कीमत पर नहीं : पूर्व खिलाड़ी व अधिकारी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा आगामी टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर फैसला टालने के बाद पूर्व खिलाड़ियों और बोर्ड के पूर्व अधिकारियों ने एक सुर में कहा है कि बांग्लादेश का समर्थन करना ठीक है, लेकिन यह राष्ट्रीय क्रिकेट की कीमत पर नहीं होना चाहिए। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी या उससे हटने की पुष्टि के लिए शुक्रवार या सोमवार की समयसीमा तय की है। यह स्थिति बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद उत्पन्न हुई। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान मोहम्मद हफीज का मानना है कि पीसीबी को पाकिस्तान टीम को विश्व कप में भेजना चाहिए, जबकि पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष खालिद महमूद और पूर्व सचिव आरिफ अली अब्बासी को टीम को नहीं भेजने में कोई तर्क नजर नहीं आता। अब्बासी ने कहा मैं समझ सकता हूं कि पाकिस्तान बांग्लादेश का समर्थन कर रहा है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और सदस्य बोर्डों के साथ संबंध खराब करने के अलावा पीसीबी टीम को नहीं भेजकर क्या हासिल करेगा? जगमोहन डालमिया और आईएस बिंद्रा जैसे दिग्गजों के कार्यकाल में बोर्ड से जुड़े रहे अब्बासी ने कहा कि पीसीबी को विश्व कप के लिए टीम भेजनी ही चाहिए। उन्होंने कहा श्रीलंका के साथ हमारे संबंधों का क्या होगा? जाहिर है कि अगर पाकिस्तान नहीं जाता है तो श्रीलंका को नुकसान होगा क्योंकि भारत के खिलाफ मुकाबलों सहित हमारे सभी मैच श्रीलंका में होने हैं। महमूद ने कहा कि पीसीबी का रुख सराहनीय है, लेकिन उसे समझदारी दिखाकर पाकिस्तान क्रिकेट के हितों को केंद्र में रखना चाहिए।

बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन प्रक्रिया पर काम कर रहा आईसीसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारत में टी20 विश्व कप कवर करने की इच्छा रखने वाले बांग्लादेश के पत्रकारों के लिए 'मीडिया एक्रिडिटेशन' पर फिर से काम कर रहा है। बांग्लादेश ने पड़ोसी देश में सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया था। आईसीसी आवेदन प्रक्रिया में बदलाव कर रहा है क्योंकि बांग्लादेश के कुछ पत्रकारों ने दावा किया कि उनके 'एक्रिडिटेशन' (मान्यता) अनुरोध को विश्व संस्था ने खारिज कर दिया था। आईसीसी सूत्रों ने पीटीआई से कहा प्रक्रिया पर फिर से काम किया जा रहा है क्योंकि अनुरोध की संख्या और कार्यक्रम में बदलाव हुआ है। एक्रिडिटेशनसूची उसी हिसाब से तैयार की जा रही हैं।

वरुण को ओस से ज्यादा दिक्कत नहीं होगी : कुंबले

नई दिल्ली। अनिल कुंबले ने टी20 विश्व कप के दौरान भारत के स्पिन आक्रमण की अगुआई करने के लिए लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का समर्थन किया। उनका मानना है कि उन्हें शाम की ओस से निपटने में कोई दिक्कत नहीं होगी जो कुलदीप यादव जैसे कलाई के स्पिनर के लिए ज्यादा परेशानी वाली हो सकती है। टी20 विश्व कप सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। कुंबले ने कहा कि टूर्नामेंट में ओस निश्चित रूप से भूमिका निभाएगी। विशेषकर फरवरी और मार्च में विश्व कप के दौरान, जब मैच देर शाम खेले जाएंगे। यह आसान नहीं होने वाला है। स्पिनर के तौर पर आप गीली गेंद से गेंदबाजी करने के आदी हो जाते हैं, यह कुछ नया नहीं है।

गुजरात ने दिल्ली को दिया 175 रनों का लक्ष्य

- **महिला प्रीमियर लीग में बेथ मूनी ने अर्धशतकीय पारी खेली**

वडोदरा, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स की बांए हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 31 रन देकर चार विकेट झटके लेकिन गुजरात जाएंट्स ने ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज बेथ मूनी (58 रन) के अर्धशतक से मंगलवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में नौ विकेट पर 174 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

मूनी ने सत्र का अपना पहला अर्धशतक बनाया और 46 गेंद की पारी के दौरान सात चौके जड़े। अनुष्का शर्मा ने 25 गेंद में 39 रन का योगदान दिया जबकि अंत में तनुजा कंवर की 11 गेंद में तीन चौके और एक छक्के जड़ित 21 रन की पारी से टीम 170 रन के पार पहुंचने में कामयाब हुई। दिल्ली कैपिटल्स के लिए श्री चरणी ने चार ओवर में 31 रन देकर चार विकेट झटके जबकि शिनेल हेनरी ने 38 रन देकर दो विकेट लिए।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगातीं बेथ मूनी। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

भीषण गर्मी से परेशान खिलाड़ी, छत बंद करके खेलने पड़े मैच

सबालेंका व ज्वेरेव सेमीफाइनल में, गॉफ ने रैकेट पर निकाला गुस्सा

मेलबर्न, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां अमेरिका की 18 वर्षीय खिलाड़ी इवा जोविक को 6-3, 6-0 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां भीषण गर्मी के कारण छत बंद करके मैच खेलने पड़े।

सबालेंका सेमीफाइनल में यूक्रेन की 12वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना का सामना करेगी जिन्होंने अमेरिका की तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को 59 मिनट में 6-1, 6-2 से करारी शिकस्त दी। मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक के बाद वापसी करने वाली स्वितोलिना ने शुरू से ही दबदबा बना दिया जबकि गॉफ ने पहले सेट में पांच डबल फाल्ट किए। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने इस बीच गुस्सा अपने रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटका। स्वितोलिना पहली बार इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंची है। गॉफ ने बाद में कहा मैंने फ्रेंच ओपन के दौरान भी अपना एक रैकेट तोड़ा था। तब मैंने कहा था कि मैं फिर से कोर्ट पर ऐसा नहीं करूंगी क्योंकि मुझे लगता है कि इससे अच्छा संदेश नहीं जाता है। लेकिन अपने सहयोगी स्टाफ पर गुस्सा निकालने के बजाय रैकेट पर गुस्सा निकलना बेहतर है। वे अच्छे लोग हैं और इस तरह के गुस्से के हकदार नहीं हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बंद छत के नीचे खेलने का फायदा उठाया और 20 वर्षीय टिएन पर 6-3, 6-7 (5), 6-1, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाई। ज्वेरेव ने 24 ऐस लगाए और केवल एक डबल फॉल्ट किया। उन्होंने किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में दसवीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

ज्वेरेव ने मैच के बाद कहा वह बेहतरीन खिलाड़ी है। पिछले साल की तुलना में उसके खेल में काफी सुधार हुआ है। उसने बेसलाइन से जिस तरह का खेल दिखाया वह अद्वितीय था। मुझे लगता है उसने अभिश्वसनीय खेल का प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पिछले चार साल में तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका ने अच्छी शुरुआत की और पहले सेट में 3-0 से बढ़त बनाकर 29वीं वरीयता प्राप्त जोविक पर शुरुआत में ही अपना दबदबा कायम कर लिया। जोविक ने वापसी की कोशिश की और उन्हें 10 मिनट तक चले नौवें गेम में ब्रेकप्वाइंट के तीन मौके मिले।

ज्वेरेव।

तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने से बढ़ी मुसीबत

मेलबर्न में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी होने और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फारेनहाइट) से ऊपर रहने की आशंका के चलते रॉड लेवर स्टेडियम में पहला मैच छत खुली रखकर खेला गया। लेकिन अलेक्जेंडर ज्वेरेव और अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन के बीच पुरुष क्वार्टरफाइनल मैच के लिए इसे बंद कर दिया गया।

क्वार्टर फाइनल जीतने के बाद जश्न मनातीं बेलारूस की एरिना सबालेंका। एजेंसी